मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.6	23.7
जमशेदपुर	35.5	20.2
डालटनगंज	35.5	16.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 16 मार्च 2024 फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ वर्ष : 1, अंक : 328 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत

पश्चिमी सिंहभूम जिला के हाटगम्हरिया एवं बंदगांव में

डिग्री महाविद्यालय

तथा अन्य योजनाओं का

शिलान्यास, उद्घाटन एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह

दिनांक : 16 मार्च 2024
समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे
स्थान : टाटा कॉलेज ग्राउंड, चाईबासा

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री अर्जुन मुंडा
माननीय मंत्री, जनजातीय कार्य एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, एवं पंचायती राज विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री दीपक बिरुवा
माननीय मंत्री, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और परिवहन विभाग, झारखण्ड

श्रीमती गीता कोड़ा
माननीय सांसद, सिंहभूम लोकसभा

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती जोबा माझी
माननीय विधायक, मनोहरपुर

श्री निरल पुरती
माननीय विधायक, मझगांव

श्री दशरथ गागराई
माननीय विधायक, खरसावां

श्री सुखराम उरांव
माननीय विधायक, चक्रधरपुर

श्री सोनाराम सिंकु
माननीय विधायक, जगन्नाथपुर

सुश्री लक्ष्मी सुरेन
माननीय जिला परिषद अध्यक्षा चाईबासा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्रीफ खबरें

जनवरी से ही मिलेगा 4% महंगाई भत्ता

रांची। राज्य सरकार के करीब 3 लाख कर्मियों को पहली जनवरी 2024 से 4% महंगाई भत्ता मिलेगा. कैबिनेट के निर्णय के बाद शुक्रवार को वित्त विभाग ने इसे लेकर संकल्प जारी कर दिया है. मालूम हो कि पिछली कैबिनेट की बैठक में महंगाई दर 46% से बढ़ाकर सरकार ने 50% कर दिया है. इसको लेकर वित्त विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है.

तीन जेई को अन्य प्रशाखा का अतिरिक्त जिम्मा मिला

रांची। ऊर्जा विभाग में कार्यरत तीन जूनियर इंजीनियरों को अपने कार्यों के अतिरिक्त प्रशाखा की जिम्मा दिया गया है. ऊर्जा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रेमचंद तिग्गा विद्युत कार्य प्रशाखा रिम्स-तीन के साथ-साथ अब रिम्स एक और रिम्स दो प्रशाखा, फनींद्र सिंह कांके प्रशाखा को डालटनगंज प्रशाखा और अभिषेक कुमार चाईबासा प्रशाखा को जमशेदपुर प्रशाखा की अतिरिक्त जवाबदेही सौंपी गई है.

इजहार के खिलाफ ईडी ने दायर की पीसी

रांची। लिंकेज का 86568 टन कोयला मंडी में बेच कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने के आरोपी हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी कि खिलाफ ईडी ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल कर दी है. अपनी पीसी में एजेंसी ने कोर्ट को यह जानकारी दी है कि इजहार कैसे कोयले के कारोबार में संलिप्तता था और अवैध कोयले के कारोबार से अकूत संपत्ति अर्जित की. ईडी की पीसी पर अब कोर्ट संज्ञान ले सकता है. कोल लिंकेज से जुड़े मामले को लेकर ईडी ने 16 जनवरी को इजहार अंसारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी. छापेमारी के बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था.

बर्खास्त इंजीनियर को सुप्रीम कोर्ट से बेल

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज की खंडपीठ ने राम विनोद सिन्हा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी है. राम विनोद सिन्हा की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता पांडेय नीरज रॉय और अधिवक्ता रचिता राय ने बहस की. भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे बर्खास्त जूनियर इंजीनियर राम विनोद सिन्हा पर खूंटी में लगभग 17 मामले दर्ज हैं. जिसकी जांच एसीबी कर रही है. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साथ-साथ कई गड़बड़ियां करने के आरोपी बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद प्रसाद सिन्हा को 18 जून 2020 में कोलकाता से गिरफ्तार किया था. बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा पर खूंटी जिला परिषद के मनरेगा योजना से जुड़े 18 करोड़ 76 लाख रुपए के फर्जीवाड़ा का आरोप है.

मामला एनटीपीसी की कोल माइंस से सड़क मार्ग से कोयला परिवहन का

सीएस का कड़ा रुख : मांगी रिपोर्ट, पीसीसीएफ नहीं भेज रहे थे जवाब

प्रमुख संवाददाता। रांची

हजारीबाग की एनटीपीसी की कोल माइंस अक्सर सुर्खियों में रहती है. नियमों को ताक पर रख कर किए गए कोयले के खनन के मामले में केंद्र सरकार इसपर करोड़ों का जुर्माना भी लगा चुकी है. वहीं सड़क मार्ग से कोयला परिवहन को लेकर झारखंड विधानसभा में विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने सवाल पूछे थे, जिसका गलत जवाब भेजे जाने के मामले में सरकार से शिकायत की गई थी. हजारीबाग डीएफओ सबा आलम अंसारी पर विधानसभा में झूठी रिपोर्ट भेजने का आरोप लगा था. इसको लेकर वन विभाग के प्रधान सचिव की तरफ से दो बार जांच रिपोर्ट मांगी गयी, लेकिन पीसीसीएफ ने सरकार को जवाब नहीं भेजा.

विस में गलत रिपोर्ट देने पर पीसीसीएफ की भूमिका को लेकर सरकार से की थी शिकायत

विधानसभा में गलत रिपोर्ट के मामले में मंटू सोनी ने पीसीसीएफ के खिलाफ आरोपी से सांठगांठ कर डीएफओ सबा आलम अंसारी बचाने के लिए सरकार को रिपोर्ट नहीं भेजे जाने की शिकायत झारखंड सरकार के मुख्य सचिव से की थी. इसके बाद मुख्य सचिव ने कड़ा रुख अपनाया. मुख्य सचिव के निर्देश के आलोक में वन विभाग के प्रधान सचिव ने पीसीसीएफ से अविलंब मंतव्य के साथ जांच प्रतिवेदन मांगा है. इसके पूर्व सचिव स्तर से पीसीसीएफ से एक महीने के अंदर रिपोर्ट मांगी गयी थी. इसके बाद सरकार के अवर सचिव प्रभाकर ओझा ने पुनः पीसीसीएफ को पत्र लिख कर अविलंब रिपोर्ट देने को कहा. इसके पूर्व सरकार के अवर सचिव मृत्युंजय कुमार द्वारा पीसीसीएफ लिखे पत्र में यह भी कहा गया था कि डीएफओ सबा आलम अंसारी के क्षेत्राधिकार से भिन्न किसी वरीय पदाधिकारी से जांच करवा कर रिपोर्ट भेजी जाए.

लोबिन के सवाल पर सरकार ने हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल को पत्र लिखा था

विधायक लोबिन हेम्ब्रम के सवाल के जवाब को लेकर झारखंड सरकार ने हज़ारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल को पत्र लिखा था. झारखंड सरकार विधानसभा में एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबन्धक पंकरी बरवाडीह एनटीपीसी लिमिटेड के पत्रांक 23, 10 फरवरी 2023 के हवाले से जवाब दिया गया कि भूमि अधिग्रहण एवं स्थानीय विधि व्यवस्था के चलते कन्वेयर बेल्ट पूर्ण रूप से कार्यरत नहीं हो पाया है (यह नहीं लिखा है कि कन्वेयर बेल्ट का स्ट्रक्चर पूर्ण रूप से नहीं बना है). इसलिए वन मंत्रालय के दिल्ली कार्यालय द्वारा 27/29 अक्टूबर 2020 को जारी नोटिफिकेशन के आलोक में सड़क मार्ग से कोयला परिवहन किया जा रहा है. उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में सड़क मार्ग से कोयला परिवहन के लिए ट्रांजिट परमिट निर्गत किया जा रहा है.

फिर सबा आलम ने सरकार को भेजी रिपोर्ट को खुद किया खारिज

पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी सबा आलम अंसारी ने फरवरी महीने में एनटीपीसी से पूछकर विधानसभा में सरकार को जवाब देने के तीन महीने बाद उसी जवाब को लेकर एनटीपीसी से स्पष्टीकरण पूछा था. जवाब में एनटीपीसी द्वारा भारत सरकार के वन मंत्रालय के दिल्ली कार्यालय द्वारा दिनांक 27/29 अक्टूबर 2020 को जारी नोटिफिकेशन के तहत ट्रांसपोर्टेशन किए जाने की जानकारी दी, जिसे डीएफओ ने एक सप्ताह बाद उसे मानने से इनकार करते हुए उसे गलत बताया था.

विभागीय संरचना, बजट व योजनाओं से रू-ब-रू हुए सचिव, कहा-

समर्पण से काम कर लोगों को सुविधाएं मुहैया कराएं

क्या-क्या निर्देश

- हटिया डैम के आसपास की जमीन उपलब्ध करायी जाए
- आवास बोर्ड उपलब्ध आवासों के संबंध में रिपोर्ट तैयार करे

संवाददाता। रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने विभाग से संबद्ध सभी प्रभाग अधिकारियों को समर्पण की भावना से काम करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि परिश्रम से काम करने से ही योजनाएं धरातल पर उतरेंगी और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी. अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि आम लोगों को हर हाल में सुविधाएं उपलब्ध करानी है. प्रोजेक्ट भवन सभागार में शुक्रवार को विभागीय समीक्षा एवं परिचयात्मक बैठक में सचिव ने ये निर्देश दिए. पीपीटी के माध्यम से नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से सभी प्रभागों की प्रशासनिक संरचना के बारे में जानकारी दी गयी.

नगर विकास एवं आवास विभाग की बैठक में विभाग के सचिव चंद्रशेखर, रांची के नगर आयुक्त अमित कुमार व अपर सचिव मनोहर मरांडी.

स्मार्ट सिटी कैंपस में पौधरोपण करने का निर्देश

सचिव ने रांची स्मार्ट सिटी के अधिकारी राकेश नंदकुलियार को निर्देश दिया कि स्मार्ट सिटी परिसर में भरपूर पौधरोपण कराया जाये. जो पौधे विकसित नहीं हो पाये हैं, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं. बैठक में सचिव के अलावा रांची के नगर आयुक्त अमित कुमार, निदेशक नगरीय प्रशासन सत्येंद्र कुमार, अपर मुख्य सचिव मनोहर मरांडी, जुडको के पीडीटी गोपाल जी, पीडी एडमिन अरविंद कुमार मिश्र, पीडी फाइनांस अमित कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

सचिव ने सूडा की नमस्ते योजना की जानकारी ली

सचिव ने सूडा द्वारा संचलित नमस्ते योजना के बारे में जानकारी चाही. उन्हें बताया गया कि सीवर से संबंधित जो श्रमिक मैनुअली काम करते हैं, उनकी जगह पर मशीन से सुरक्षात्मक उपाय करते हुए कार्य करने की प्रणाली को ही नमस्ते योजना कहा गया है. सचिव ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड के प्रतिनिधि को उपलब्ध आवासों एवं भविष्य की योजनाओं के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने ग्रेटर रांची प्राधिकार के प्रतिनिधि को राज्यस्तरीय प्रबंध मुख्यालय बनाने के लिए धुर्वा डैम के आसपास जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि एनडीआरएफ के जवान जलाशय में प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकें.

मौके पर राज्य शहरी विकास प्राधिकार, नगरीय प्रशासन निदेशालय, झारखंड अरबन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, झारखंड खनिज क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, ग्रेटर रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी, रांची स्मार्ट सिटी और रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के बारे में बताया गया.

राजभवन के समक्ष धरने पर बैठे छात्रों ने दी चेतावनी

सीजीएल परीक्षा की तिथि घोषित हो,नहीं तो सीएम आवास घेरेंगे

संवाददाता। रांची

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा कैंसिल हुए कई दिन बीत गये, लेकिन परीक्षा की नई तारीख तय नहीं हुई है. प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को भविष्य की चिंता सता रही है. छात्र राजभवन के समक्ष धरना पर बैठे हैं और जेएसएससी सीजीएल री एग्जामिनेशन-फेयर एग्जामिनेशन के नारे बुलंद कर रहे हैं. जेपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र सत्यनारायण शुक्ला का कहना है कि जब उनलोगों ने तैयारी शुरू की थी, तब 24 साल के थे और अब 34 साल के हो गये, लेकिन अब तक एक बार भी सही तरीके से न तो परीक्षा ली गयी और न ही युवाओं को नौकरी देने की दिशा में कोई पहल की गयी. आचार संहिता से पहले जेएसएससी सीजीएल परीक्षा तिथि की घोषणा करे, नहीं तो छात्र 18 मार्च को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे.

जेएसएससी सीजीएल

- राजभवन के पास धरने पर बैठे हैं परीक्षा के अभ्यर्थी
- 18 मार्च को सीएम आवास घेरेंगे राज्यभर के अभ्यर्थी

2015 से ही पेंडिंग है परीक्षा, बढ़ता जा रहा छात्रों का गुस्सा : सरकार के प्रति छात्रों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है. छात्रों का कहना है कि ये परीक्षा 2015 से ही पेंडिंग है. 28 जनवरी 2024 को जब ये परीक्षा हुई थी, तो ठीक अगले दिन ही पेपर लीक का मामला सामने आया और परीक्षा रद्द कर दी गयी. इसके बाद अब तक सरकार ने इस परीक्षा के लिए दोबारा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, जिससे छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. छात्रों का कहना है कि जेएसएससी जल्द परीक्षा के लिए दोबारा तिथि तय करें और फेयर एग्जाम लें. एक छात्र ने कहा कि परीक्षा के इंतजार में हम बैठे हैं, ऐसा लग रहा है कि मानो हमारा समय सिर्फ बर्बाद किया जा रहा है.

छात्रों ने कहा कि जेएसएससी और जेपीएससी दोनों ही झारखंड सरकार की संस्थाए हैं. जब जेपीएससी परीक्षा का नोटफिकेशन एक महीने में जारी हो सकता है, तो जेएसएससी का क्यों नहीं ? साथ ही बाहरी-भीतरी को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि 24 साल में आज तक सरकार झारखंड के छात्र और बाहरी लोगों के बीच बैरिकेडिंग नहीं कर पायी है. छात्रों का गुस्सा न सिर्फ झारखंड सरकार बल्कि विपक्ष पर भी है.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निलंबित हैं आईएएस सिंघल

जेल में ही बीतेगी पूजा सिंघल की होली, बेल पर अब अप्रैल में सुनवाई

संवाददाता। रांची/दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने यह पूछा कि पूजा सिंघल कितने दिनों से न्यायिक हिरासत में हैं. अदालत ने इस बिंदु पर जवाब मांगते हुए अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है. इसके साथ ही यह तय हो गया है कि पूजा सिंघल की होली जेल में ही

बीतेगी. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज की खंडपीठ में पूजा सिंघल की बेल पर सुनवाई हुई. पूजा सिंघल की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने बहस की, वहीं ईडी की ओर से एएसजी(असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल) एस वी राजू ने बहस की. पिछले वर्ष 12 अप्रैल को मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल ने रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था. तब से वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं. झारखंड के खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था. उनके पति अभिषेक झा को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम बेल मिल चुकी है.

जेपीएससी परीक्षा : 834 केंद्रों पर 3.50 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) 11वीं सिविल सेवा परीक्षा (पीटी) 17 मार्च को राज्य के सभी 24 जिले के 834 परीक्षा केंद्रों पर होगी. 11वीं जेपीएससी पीटी में लगभग 3.50 लाख अभ्यर्थी बैठेंगे. जेपीएससी ने अभ्यर्थियों की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए उनके गृह जिले के नजदीकी जिले में परीक्षा केंद्र बनाया गया. 11वीं जेपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा सिविल सेवा के 343 पदों के लिए हो रही है. आवेदन 1 फरवरी से 29 फरवरी तक भरे गये थे. तकनीकी गड़बड़ी के कारण जेपीएससी ने तीन दिन का समय बढ़ाया था.

न्यूनतम वेतन में संशोधन की मांग

संवाददाता। रांची

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) की झारखंड राज्य कमेटी ने विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी को संशोधित करने में समय पर पहल के लिए राज्य श्रम और रोजगार विभाग को धन्यवाद दिया है. सीटू के झारखंड राज्य महासचिव विश्वजीत देव ने बताया कि 11 अक्टूबर 2023 को हुई झारखंड न्यूनतम मजदूरी परामर्शदात्री पर्षद की बैठक में इंटक, एटक, सीटू, एक्टू और बीएमएस जैसी पांच केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की ओर से एक संयुक्त सुझाव पत्र प्रस्तुत किया गया था.

खास बातें

- परामर्शदातृ पर्षद की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनी थी
- सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस ने दी बधाई

उक्त पत्र में वेतन आयोग द्वारा अपनाई गई मानक प्रक्रिया, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के साथ-साथ झारखंड राज्य में न्यूनतम मजदूरी दरों की मौजूदा कम दरों और कानूनी कारणों से न्यूनतम वेतन में वरिष्ठता वेटेज वापस होने के कारण, न्यूनतम मजदूरी दर में 28 फीसदी-44 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया गया था और फिर से श्रम विभाग द्वारा श्रमाधान पोर्टल पर दिए गए ड्राफ्ट पर एक मार्च-2023 को नए प्रस्ताव दिए गए थे.

उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि श्रम विभाग द्वारा अधिसूचित रोजगार की 90 अनुसूचित श्रेणियों के लिए संशोधित मजदूरी, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा दिए गए सुझाव से कम है, फिर भी वे श्रमिकों और उद्योग के पारस्परिक हित को ध्यान में रखते हुए संशोधित मजदूरी स्वीकार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि पूरे राज्य में इसे सख्ती से लागू किया जाएगा.

झारखंड कौशल प्रतियोगिता संपन्न, नेशनल स्किल में जाएंगे 14 विजयी प्रतिभागी

राज्यभर से 237 प्रतिभागी 14 ट्रेड में हुए शामिल

संवाददाता। रांची

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के तत्वावधान में झारखंड कौशल प्रतियोगिता का शुक्रवार को पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह का आयोजन हुआ. रांची के रेडिसन ब्लू में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि श्रम, नियोजन कौशल विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया. 11 मार्च 2024 से राजधानी के पांच संस्थानों में पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता चल रही थी.

इसमें राज्य भर से चयनित कुल 237 प्रतिभागियों ने 14 ट्रेड में भाग लिया. सभी ट्रेड के प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 21 हजार, 11 हजार व 6 हजार रुपये और मोमेंटो व सर्टिफिकेट दिए गए. प्रतियोगिता के पहले स्थान पर रहने वाले 14 विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया स्किल्स 2023-24 में भाग लेंगे. इस प्रतियोगिता में देशभर के अलग-अलग राज्यों के चयनित प्रतिभागी प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे.

राष्ट्रीय स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को इस साल फ्रांस के ल्योन शहर में आयोजित होने वाले वर्ल्ड स्किल्स 2023-2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा.

श्रम आयुक्त ने प्रतिभागियों की सराहना की : मुख्य अतिथि मुकेश कुमार ने विजेताओं को बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया स्किल्स 2023-2024' प्रतिस्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कौशल, किसी भी शिक्षा पद्धति में वैल्यू एडिशन करता है. बदलते वक्त के साथ हमें स्किल्स की जरूरत को समझने की अवश्यकता है, क्योंकि स्किल हमें समय के साथ चलने में मदद करता है. श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा ने प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि हमारे युवाओं को राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कौशल और हुनर दिखाने का मौका मिले. पुरस्कार सह समापन समारोह में मुख्य रूप से प्रतियोगिता के ज्यूरी मेंबर्स, मेंटोर्स, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षण सेवा प्रदाता, झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के अधिकारी, यूएनडीपी प्रतिनिधि, प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागी मौजूद थे.

CLASSIFIED

शनिवार 16 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 328

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

इलेक्टोरल बॉण्ड से भाजपा को सबसे ज्यादा 6060 करोड़ मिले

चुनावी बॉण्ड या चुनावी बम

चुनावी बॉण्ड की जानकारी सामने आने के बाद से केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा सरकार निशाने पर है. केंद्र में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार जांच एजेंसियों इनफोर्समेंट डाइरेक्टोरेट (ईडी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टीगेशन (सीबीआई), इनकम टैक्स (आईटी) जैसी जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर कंपनियों से उगाही कर रही थी. कई कंपनियों ने अरबों रुपये के चंदे जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद दी है. विपक्ष का यह भी आरोप है कि कई कंपनियों को चुनावी बॉण्ड खरीदने के बाद अरबों-खरबों रुपये का टेंडर दिया गया. कुल मिलाकर चुनावी बॉण्ड योजना एक बड़ा घोटाला है. साथ ही सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की जा रही है. सच क्या है. यह कहना मुश्किल है. चुनावी बॉण्ड से जुड़े बहुत सारी जानकारी सार्वजनिक होना बाकी है. सुप्रीम कोर्ट इस स्कीम को असंवैधानिक बता चुकी है, जिसके बाद यह स्कीम बंद हो गयी है. बहरहाल, मामला जो भी हो. घोटाला हो. पावर का खेल हो. भ्रष्टाचार हो. या कुछ और. चुनावी बॉण्ड को लेकर अब तक जो बातें सामने आयी हैं, वह लोकतंत्र के लिए गंभीर है. **इसलिए आज का पहला पन्ना इसी मुद्दे पर.**

आज होगी लोस चुनाव की तिथि की घोषणा

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग शनिवार को दिन के तीन बजे लोकसभा चुनाव-2024 की तिथि की घोषणा करेगा. इसमें ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों की भी घोषणा हो सकती है. निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी है. खबरों के अनुसार चुनाव आयोग के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की जायेगी. सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव सात-आठ चरणों में हो सकते हैं. मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है. नयी लोकसभा का गठन उससे पहले होना है. पिछली बार लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 10 मार्च को की गयी थी और 11 अप्रैल से सात चरणों में मतदान हुआ था. मतगणना 23 मई को हुई थी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	31,300
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

ईडी ने के. कविता को गिरफ्तार किया

हैदराबाद/नयी दिल्ली। ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को गिरफ्तार कर लिया. संघीय एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है. इससे पहले दिन में ईडी अधिकारियों ने हैदराबाद में कविता के परिसरों पर छापेमारी की और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम 'पूर्व नियोजित' था और वे इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे.

नीतीश कैबिनेट का विस्तार 21 ने ली मंत्री पद की शपथ

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य की एनडीए सरकार ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया. शुक्रवार को भाजपा के 12 और जदयू के नौ मंत्रियों ने शपथ ली. इसके साथ ही मुख्यमंत्री समेत बिहार में मंत्रियों की संख्या 30 हो गई. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है. जिसमें छह सवर्ण, छह दलित, चार अति पिछड़ा, चार पिछड़ा, एक मुस्लिम शामिल हैं.

- पेज 12 भी देखें

केजरीवाल को कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

नयी दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू की सेशन कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राहत देने से मना कर दिया है. कोर्ट ने समन वाली याचिका पर राहत देने से मना कर दिया है. अब मुख्यमंत्री को 16 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना होगा. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही ईडी की शिकायतों पर निचली अदालत की ओर से जारी समन को सत्र अदालत में चुनौती दी थी.

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम सबसे बड़ी उगाही :राहुल

ठाणे। इलेक्टोरल बॉण्ड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम दुनिया की सबसे बड़ी उगाही रैकेट है. ये बड़ी कंपनियों से हफ्ता वसूली का जरिया है. कांट्रेक्ट का हिस्सा लिया गया है. यह भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा मामला है, जिन कंपनियों पर जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की.

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड का डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिया है. इसके मुताबिक भाजपा सबसे ज्यादा चंदा लेने वाली पार्टी है. 12 अप्रैल 2019 से 11 जनवरी 2024 तक पार्टी को सबसे ज्यादा 6,060 करोड़ रुपए मिले हैं. लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीएमसी (1,609 करोड़) और तीसरे पर कांग्रेस पार्टी (1,421 करोड़) है. हालांकि, किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है, इसका लिस्ट में जिक्र नहीं किया गया है. चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर 763 पेजों की दो लिस्ट अपलोड की हैं. एक लिस्ट में बॉण्ड खरीदने वालों की जानकारी है. चुनावी बॉण्ड इनकैश कराने वाली पार्टियों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, अन्नाद्रमुक, बीआरएस, शिवसेना, तेदेपा, वाईएसआर कांग्रेस, डीएमके, जेडीएस, एनसीपी, जदयू और राजद भी शामिल हैं.

किसने-किसको चंदा दिया, यह पता नहीं चलता

दोनों लिस्ट में बॉण्ड खरीदने वालों और इन्हें इनकैश कराने वालों के तो नाम हैं, लेकिन यह पता नहीं चलता कि किसने यह पैसा किस पार्टी को दिया? इस मामले में याचिका लगाने वाले एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में फिर सवाल उठाया कि एसबीआई ने वह यूनिक कोड नहीं बताया, जिससे पता चलता कि किसने-किसे चंदा दिया. सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से 18 मार्च तक यूनिक कोड नंबर की जानकारी भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

कांग्रेस ने डेटा पर सवाल उठाए

कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉण्ड के डेटा पर सवाल उठाए हैं. पार्टी ने कहा है कि दानदाताओं और इसे लेने वालों के आंकड़े में अंतर है. दानदाताओं में 18,871 एंट्री है, जबकि लेने वालों में 20,421 की एंट्री है. पार्टी ने यह भी पूछा है कि यह योजना वर्ष 2017 में शुरू हुई थी तो इसमें अप्रैल 2019 से ही डेटा क्यों है? उधर, चुनाव आयोग का कहना है कि उसे यह जानकारी एसबीआई से ऐसी ही मिली है. वर्ष 2019 से वर्ष 2024 के बीच 1334 कंपनियों-लोगों ने कुल 16,518 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे. जिसे 27 दलों ने भुनाए.

सबसे ज्यादा चंदा देने वाले सैंटियागो मार्टिन का बेटा भाजपा का सदस्य

सबसे बड़ा चुनावी चंदा फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेस ने दिया है. कंपनी सिक्किम, नगालैंड और पश्चिम बंगाल समेत पूरे देश में लॉटरी के टिकट बेचती है. इसे लॉटरी किंग मार्टिन सेंटियागो चलाते हैं. उन्होंने 1,368 करोड़ रुपए का चंदा 21 अक्टूबर 2020 से जनवरी 24 के बीच दिया है. सेंटियागो मार्टिन के बड़े बेटे चार्ल्स जोस ने वर्ष 2015 में भाजपा ज्वाईन की थी. कंपनी 10 साल से ईडी और आईटी डिपार्टमेंट की रडार पर है. दिसंबर 2021 में ईडी ने कंपनी की 19.6 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच की थी. वर्ष 2019 में आईटी विभाग ने मार्टिन के देशभर के 70 ठिकानों पर छापा मारा था. कंपनी के खिलाफ लॉटरी रेगुलेशन एक्ट 1998 के तहत और आईपीसी के तहत कई मामले दर्ज हैं.

कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉण्ड स्कीम में भ्रष्टाचार के चार कारण बताए

नयी दिल्ली। इलेक्टोरल बॉण्ड का डेटा जारी होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा ने स्कीम के जरिए करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया है. उन्होंने इसके चार कारण बताए. उन्होंने कहा कि हम यूनीक बॉण्ड आईडी नंबर मांगेंगे, जिससे पुख्ता तौर पर पता चलेगा कि किसने किसको कितना चंदा दिया है. उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा की हफ्ता वसूली की स्ट्रैटजी बहुत आसान थी. ईडी, सीबीआई और आईटी की रेड के जरिए हफ्ता यानी की डोनेशन वसूलती थी.

1. मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा ने 800 करोड़ रुपये चंदे में दिए हैं. अप्रैल 2023 में कंपनी ने 140 करोड़ रुपए डोनेट किए. इसके ठीक एक महीने के बाद कंपनी को 14,400 करोड़ रुपये का ठाणे-बोरीवली ट्विन टनल प्रोजेक्ट मिल गया. इसी तरह जिंदल स्टील एंड पावर ने सात अक्टूबर 2022 को 22 करोड़ रुपये का चंदा दिया. इसके ठीक तीन दिन बाद 10 अक्टूबर को गियर पाल्मा कोल माइंस कंपनी को मिल गई.

2. टॉप 30 डोनर्स में से 14 के खिलाफ छापे की कार्रवाई हुई थी. शिर्डी साई इलेक्ट्रिकल्स पर दिसंबर 2023 में छापा पड़ा था. इसके बाद जनवरी 2024 में कंपनी ने 40 करोड़ का डोनेशन दे दिया. फ्यूचर गेमिंग कंपनी का भी यही ट्रेंड देखने को मिला है.

3. कुछ कंपनियों ने केंद्र सरकार से प्रोजेक्ट का ठेका मिलने के तुरंत बाद भाजपा को चंदा दिया है. जैसे वेदांता ग्रुप को राधिकापुर वेस्ट प्राइवेट कोल माइंस तीन मार्च 2021 को मिली. कंपनी ने अगले ही महीने 25 करोड़ रुपए भाजपा को चंदे में दिए.

4. पहले कंपनी के मुनाफे का केवल एक छोटा प्रतिशत ही चंदे में दिया जा सकता था. चुनावी बॉण्ड स्कीम में ये प्रतिबंध हटा दिया गया. इससे शेल कंपनियों के लिए ब्लैक मनी चंदे के रूप में देने का रास्ता खुल गया. चुनाव आयोग की लिस्ट से पता चलता है कि क्विक सप्लाई चेन लिमिटेड ने 410 करोड़ रुपए डोनेट किए, जबकि इस कंपनी का पूरा शेयर कैपिटल 130 करोड़ रुपये ही है.

25 राजनीतिक दलों को 127.69 अरब रुपये

राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत चुनाव आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उसे दिए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण सार्वजनिक कर दिया है. यह विवरण सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले गुरुवार को ही अपलोड किया गया है. इसमें देश के 25 राजनीतिक दलों को 127 अरब 69 करोड़ 8 लाख 93 हजार रुपए मिले हैं. पांच मूल्य वर्ग में बॉन्ड खरीद गए हैं. इसमें न्यूनतम ट्रांजिक्शन 1 हजार और अधिकतम 1 करोड़ रुपए का है. बाकी 10 हजार, 1 लाख और 10 लाख रुपए के मूल्यवर्ग में बॉण्ड खरीदे गए.

20421 ट्रांजैक्शन में मिला चंदा

बॉण्ड की राशि	ट्रांजैक्शन की संख्या
1000 रु	103
10000 रु	219
100000 रु	2526
1000000 रु	5366
10000000 रु	12207

एसबीआई यूनिक नंबर भी दे: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की तरफ से चुनाव आयोग को सौंपे गए इलेक्टोरल बॉण्ड से जुड़ी जानकारियों में यूनिक नंबर को शामिल नहीं किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है. शीर्ष अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कहा कि वह इलेक्टोरल बॉण्ड नंबर यानी यूनिक नंबर भी शेयर करे. दरअसल, दो वरिष्ठ वकीलों प्रशांत भूषण और कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया और कहा कि एसबीआई ने यूनिक नंबर मुहैया नहीं कराया है, इस कारण बहुत सी बातों का पता नहीं चल पाएगा.

क्या है यूनिक नंबर

सुप्रीम कोर्ट ने जिस यूनिक नंबर की बात की है वो दरअसल हर इलेक्टोरल बॉण्ड पर अंकित होता है. यूनिक नंबर हर बॉण्ड का अलग-अलग होता है. न्यूज वेबसाइट द क्विंट की रिपोर्ट के मुताबिक, एसबीआई जो इलेक्टोरल बॉण्ड जारी करता है, उस पर दर्ज यूनिक नंबर नंगी आंखों से नहीं दिखता. लेकिन उसे अल्ट्रावायलेट किरणों (यूवी लाइट्स) में देखा जा सकता है. ये नंबर अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों और संख्याओं से मिलकर (अल्फान्यूमेरिक) होते हैं.

यूनिक नंबर से यह पता चलेगा
- बॉण्ड किसने खरीदी और किसके लिए खरीदी.
- संस्था या व्यक्ति ने किस राजनीतिक दल को कितना चंदा दिया.

जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद 14 कंपनियों ने दिए चंदे

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड यानी चुनावी चंदे से जुड़ी सभी जानकारी सार्वजनिक कर दी है. और अब इसी डेटा से पता चला है कि 12 अप्रैल 2019 से 24 जनवरी 2024 तक चुनावी बॉण्ड खरीदने वाली टॉप 30 कंपनियों में से कम से कम 14 को केंद्रीय या राज्य सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ा है. इन खुलासों के बाद जांच एजेंसियों की कार्रवाईयों पर सवाल उठने शुरू हो गये हैं. विपक्ष के नेता पहले से भी इस तरह के आरोप लगाते रहे हैं.

1 फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज: इस कंपनी ने 27 अक्टूबर 2020 और पांच अक्टूबर 2023 के बीच 1368 करोड़ रुपए का चंदा दिया. वर्ष 2022 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कंपनी और उसके अलग-अलग उप-वितरकों की 409 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की थी.

2 मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड: अक्टूबर 2019 में, इनकम टैक्स विभाग ने हैदराबाद और दूसरे शहरों में तेलुगु टाइकून कृष्णा रेड्डी की मेघा इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के कई कार्यालयों पर छापेमारी की थी. तब से, कंपनी ने चुनावी बॉण्ड के रुप में 966 करोड़ रुपए का दान दिया.

3 हल्दिया एनर्जी लिमिटेड: इस कंपनी ने चुनावी बॉण्ड में 377 करोड़ रुपए का चंदा दिया है. मार्च 2020 में इसे सीबीआई ने इस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की थी. सीबीआई की जांच से पहले वर्ष 2019 के चुनावी महीने मई में करीब 15 करोड़ रुपए का चंदा दिया था. एक करोड़ रुपए का इलेक्टोरल बॉण्ड अक्टूबर 2019 में और 60 लाख रुपए का बॉण्ड जनवरी 2020 में खरीदा. वहीं बाकी 350 करोड़ से ज्यादा के बॉण्ड मार्च 2020 में सीबीआई की जांच के बाद से लेकर जनवरी 2024 तक खरीदे गए थे.

4 वेदांता लिमिटेड: वेदांता ग्रुप की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) पर अगस्त 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में ईडी ने छापा मारा था. ग्रुप ने चुनावी बॉण्ड में सामूहिक रूप से 400 करोड़ रुपए का चंदा दिया है.

5 यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल: हैदराबाद स्थित कॉर्पोरेट हॉस्पिटल चेन पर दिसंबर 2020 में आईटी अधिकारियों ने छापा मारा था. इसने अक्टूबर 2021 में चुनावी बॉण्ड में 162 करोड़ रुपए का दान दिया.

6 डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स लिमिटेड: रियल्टी डेवलपर कंपनी ने चुनावी बॉण्ड में 130 करोड़ रुपए का दान दिया. भूमि आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर जनवरी 2019 में सीबीआई अधिकारियों ने यहां छापा मारा था. फिर, नवंबर 2023 में, ईडी ने रियल एस्टेट फर्म सुपरटेक के खिलाफ जांच के सिलसिले में उसके गुरुग्राम कार्यालयों की तलाशी ली.

7 जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड: अप्रैल 2022 में ईडी ने विदेशी मुद्रा नियमों (फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन) के कथित उल्लंघन से जुड़े जांच के सिलसिले में जेएसपीएल के परिसरों की तलाशी ली थी. कंपनी ने चुनावी बॉण्ड के जरिए कुल 123 करोड़ रुपए का चंदा दिया.

8 चेन्नई ग्रीनवुड्स प्राइवेट लिमिटेड: कंस्ट्रक्शन फर्म चेन्नई ग्रीनवुड्स प्राइवेट लिमिटेड पर जुलाई 2021 में आयकर अधिकारियों ने छापा मारा था. जनवरी 2022 में इसने चुनावी बॉण्ड के रुप में 105 करोड़ रुपए का दान दिया था.

9 डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड: नवंबर 2023 में, आईटी अधिकारियों ने टैक्स चोरी के आरोप में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के डॉ. के नागेंद्र रेड्डी के यहां छापेमारी की थी. यह तेलंगाना की शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी के परिसरों की तलाशी से जुड़े एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा था. डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज ने तब तक चुनावी बॉण्ड के जरिए 80 करोड़ रुपए का दान दिया था.

10 आईएफबी एग्रो लिमिटेड: जून 2020 में, भारत के सबसे बड़े डिस्टिलर और स्पिरिट निर्माताओं में से एक, आईएफबी एग्रो ने आरोप लगाया कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीएसटी) की कोलकाता जोनल यूनिट ने कंपनी के नूरपुर प्लांट पर छापा मारा. वर्ष 2023 में, कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि उसने सरकार से हमारे निर्देशों के अनुसार चुनावी बॉण्ड में 40 करोड़ रुपये का दान दिया. चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आईबीएफ एग्रो ने चुनावी बॉण्ड में कुल 92 करोड़ रुपए का दान दिया है. कंपनी तब संकट में थी जब 2020 में उसके नूरपुर प्लांट पर हमला हुआ था. पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने हस्तक्षेप किया था और टीएमसी सरकार से राज्य में निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने को कहा था.

11 एनसीसी लिमिटेड: हैदराबाद स्थित फर्म ने चुनावी बॉण्ड के जरिए 60 करोड़ रुपए का चंदा दिया है. टैक्स चोरी के आरोप में आयकर विभाग ने नवंबर 2022 में कंपनी पर छापेमारी की थी.

12 डिवि एस लेबोरेटरी लिमिटेड: हैदराबाद स्थित डिविज लेबोरेटरी को फरवरी 2019 में आईटी कार्रवाई का सामना करना पड़ा. कंपनी ने तब से चुनावी बॉण्ड के जरिए 55 करोड़ रुपए का चंदा दिया था.

13 यूनाइटेड फॉस्फोरस इंडिया लिमिटेड: आईटी विभाग ने जनवरी 2020 में यूपीएल के कार्यालयों और परिसरों पर छापेमारी की. कंपनी ने नवंबर 2022 में चुनावी बॉण्ड के जरिए 50 करोड़ रुपए का चंदा दिया है.

14 अरबिंदो फार्मा: ईडी ने 10 नवंबर 2022 में कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में अरबिंदो फार्मा के निदेशक सरथ रेड्डी को गिरफ्तार किया था. 15 नवंबर 2022 को यानी कि सरथ रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए पांच करोड़ रुपए का चंदा दिया.

किस पार्टी को कितने करोड़ का चंदा मिला

पार्टी का नाम	2019	2020	2021	2022	2023	कुल
भाजपा	1971	73	3730	1676	202	6060
टीएमसी	87	29	330	468	562	1609
कांग्रेस	170	09	123	289	793	1421
बीआरएस	37	.....	153	528	495	1215
बीजद	10	77	241	195	252	775
डीएमके	09	80	205	285	40	639
वाईएसआर	8.25	89	66	52	118	333
तेलुगु देशम	7.30	.....	3.50	13	76.88	218
शिवसेना	32.38	.....	.....	29	72	158
राजद	2.50	1.00	.....	.....	54	72.50

चंदा देने वाली 10 कंपनियां

कंपनी का नाम	चंदा दिए (करोड़ रुपये में)
फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज पीआर	1,368
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड	966
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड	410
वेदांता लिमिटेड	400
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड	377
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	224
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी	220
भारती एयरटेल	198
केवेंटर फूडपार्क इंफ्रा लिमिटेड	195
मदनलाल लिमिटेड	185.5

कंपनी का नाम	बॉन्ड की राशि (करोड़ रुपये में)
फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज	1,368
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि.	966
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लि.	410
वेदांता लिमिटेड	400
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड	377
भारती ग्रुप	247
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लि.	224
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन	220
केवेंटर फूडपार्क इन्फ्रा लि.	194
मदनलाल लिमिटेड	185
डीएलएफ ग्रुप	170
यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल	162
उत्कल एल्यूमिना इंटरनेशनल	145.3
जिंदल स्टील एंड पावर लि.	123
बिड़ला कार्बन इंडिया	105
रूंगटा संस	100
डॉ रेड्डीज	80
पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप	60
नवयुग इंजीनियरिंग	55
शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स	40
सिप्ला लिमिटेड	39.2
लक्ष्मी निवास मित्तल	35
ग्रासिम इंडस्ट्रीज	33
जिंदल स्टेनलेस	30
बजाज ऑटो	25
सन फार्मा लैबोरेटरीज	25
मैनकाइंड फार्मा	24
बजाज फाइनेंस	20
मारुति सुजुकी इंडिया	20
अल्ट्राटेक	15
टीवीएस मोटर्स	10
एडलवाइस ग्रुप	04

किस पार्टी को कितने करोड़ के कितने बॉन्ड

पार्टी	1 करोड़	10 लाख	1 लाख	10 हजार	1 हजार	कुल
भाजपा	5854	1994	706	48	31	8,633
टीएमसी	1467	1354	410	30	14	3,305
कांग्रेस	1318	958	800	65	5	3,146
बीआरएस	1181	310	267	39	9	1,806
बीजेडी	766	95	.....	.....	.....	860

5911.5 करोड़ के बॉन्ड रद्द हुए : नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद विभिन्न कंपनियों द्वारा खरीदे गए 5911.5 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रॉल बांड रद्द किए जा चुके हैं. अगर उच्चतम न्यायालय का फैसला नहीं आता तो इतनी बड़ी राशि राजनीतिक दलों को मिलती और इसका इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में होता.

सिग्नल डाउन ट्रैफिक फेल

सुजाता चौक

लालपुर चौक

अंजुमन प्लाजा

लालपुर चौक

जानिए कहां-कहां खराब है ट्रैफिक सिग्नल

1.लालपुर चौक
2.कचहरी चौक
3.मेन रोड
4.एमजी रोड
5.सुजाता चौक
6.हरमू रोड

न्यूक्लियस मॉल

सैयद रमीज जावेद। रांची

शहर में ट्रैफिक सिग्नल कबाड़ बनकर रह गए हैं. एक साल से भी ज्यादा समय से ट्रैफिक सिग्नल की लाइटें खराब पड़ी हैं, लेकिन जिम्मेवारों को तनिक भी चिंता नहीं. कहीं ट्रैफिक सिग्नल लाइट टूट कर लटकी हैं, कहीं पोल गिर गये हैं, तो कहीं लाइट ही फ्यूज हो गयी है. शहर के खराब पड़े ट्रैफिक सिग्नल व लाइट, जो गिरकर टूट-फूट गये हैं, उन्हें जाकिर हुसैन पार्क में डंप कर कबाड़ बना दिया गया है. सिग्नल खराब होने की वजह से भी अक्सर जाम लगता रहता है. जवान चौक-चौराहों पर तैनात तो रहते हैं, लेकिन व्यवस्था संभाल नहीं पाते हैं. सिग्नल खराब होने के कारण अक्सर लोग चौक-चौराहा बेतरतीब ढंग से पार करते हैं, जिससे जाम लग जाता है. हादसा भी होता है. सिग्नल खराब होने के कारण जवान हाथ के ही इशारे से ट्रैफिक कंट्रोल करने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन रुक-रुक कर जाम लग ही जाता है. लोगों का चालान कटता है, सो अलग.

यातायात व्यवस्था चरमरायी, शहर में हर रोज लगता है जाम

जाकिर हुसैन पार्क

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन :	डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी :	डॉ. पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक :	डॉ. जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी :	डॉ. आनंद प्रकाश
गायनी :	डॉ. नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट :	डॉ. ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी :	डॉ. रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी :	डॉ. रोहित कुमार झा
नेत्र :	डॉ. सुनील कुमार
स्किन :	डॉ. प्रभात कुमार
ईएनटी :	डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी :	डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

शहर में आज

1. कैबिनेट की बैठक - प्रोजेक्ट भवन - 12 बजे
2. बसंत मेला - अग्रसेन भवन - 10 बजे
3. संत जेवियर कॉलेज में कार्यक्रम - 11 बजे
4. श्री राणी सती दादी की शोभा यात्रा - 11 बजे
5. दुबई सिटी कार्निवल - मोरहाबादी - 11 बजे
6. श्रीमहावीर मंडल चुनाव को लेकर बैठक - महावीर चौक - 3 बजे
7. वूमेन इन आर्किटेक्चर विषय पर कार्यक्रम - बीएनआर चाणक्य - 10 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

सिपाही नियुक्ति पर का फैसला सुरक्षित

रांची। कॉन्स्टेबल नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. शुक्रवार की सुनवाई के दौरान इस केस से जुड़े सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. वर्ष 2015 में हुई 6800 सिपाहियों की नियुक्ति रिट संख्या 04/2015 के माध्यम से प्रार्थी सुनील टुडू और अन्य ने चुनौती दी थी.

शहरवासियों को मच्छरों से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने तैयार की कार्ययोजना

आठ टीमें शहर के सभी वार्डों में करेंगी फॉगिंग ऑपरेटरों के नाम और मोबाइल नंबर हुए जारी

रांची । गर्मी के दस्तक के साथ मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से शहरवासियों को निजात दिलाने के लिए रांची नगर निगम ने मच्छररोधी दवा की फॉगिंग की कार्ययोजना तैयार की है. फॉगिंग के लिए पूरे महीने का रोस्टर जारी किया गया है. इसके तहत कुल आठ टीमें बनायी गयी हैं. इन टीमों को वार्डवार फॉगिंग करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है. साथ ही फॉगिंग ऑपरेटरों के नाम और मोबाइल नंबर भी नागरिकों की सुविधा के लिए जारी किये गये हैं, ताकि लोग ऑपरेटरों को फोन कर अपने क्षेत्र में फॉगिंग करवा सकें. ऑपरेटरों के टीम नंबर क्रमवार जारी किए गए हैं.

निगम की तैयारियां

16 मार्च 2024 का फॉगिंग शेड्यूल

वार्ड नंबर	टीम	ऑपरेटर	मोबाइल नंबर
वार्ड नंबर 07	टीम नंबर एक	बिट्टू	7004031297
वार्ड नंबर 08	टीम नंबर दो	रामकुमार	7903236618
वार्ड नंबर 21	टीम नंबर तीन	राजकुमार लोहरा	7543923957
वार्ड नंबर 28	टीम नंबर चार	आरव राज	6201630629
वार्ड 32	टीम नंबर पांच	मनीष अग्रवाल	8077337787
वार्ड नंबर 39	टीम छह	मनोज कुमार	6207613764
वार्ड 45	टीम सात	शंभू मछुआ	9576232086
वार्ड नंबर 51	टीम नंबर आठ	विशाल वर्मा	7050801975

17 मार्च 2024 का फॉगिंग शेड्यूल

वार्ड नंबर 2 : बिट्टू कुमार
वार्ड नंबर 9 : रामकुमार
वार्ड नंबर 15 : राजकुमार लोहरा
वार्ड नंबर 22 : आरव राज
वार्ड नंबर 33 : मनीष अग्रवाल
वार्ड नंबर 40 : मनोज कुमार
वार्ड नंबर 46 : शंभू मछुआ
वार्ड नंबर 52 : विशाल वर्मा

18 मार्च 2024 का फॉगिंग शेड्यूल

वार्ड नंबर 2, वार्ड 10, वार्ड नंबर 16, वार्ड 23 , वार्ड नंबर 34 , वार्ड नंबर 41 , वार्ड नंबर 47 और वार्ड नंबर 53 में फागिंग होगा. 17 मार्च को जिन ऑपरेटरों को जिम्मेवारी सौंपी गयी है, उनकी ही जिम्मेवारी 18 मार्च को फॉगिंग की होगी.

19 मार्च 2024 का फॉगिंग शेड्यूल

टीम नंबर एक : वार्ड नंबर 3
टीम नंबर दो : वार्ड नंबर 11
टीम नंबर तीन : वार्ड 17
टीम नंबर चार : वार्ड नंबर 24
टीम नंबर पांच : वार्ड 35
टीम नंबर छह : वार्ड 36
टीम नंबर सात : वार्ड नंबर 42
टीम नंबर आठ : वार्ड नंबर 48

20-21, 22-23 मार्च को 19 वाली टीम रहेगी वार्ड नंबर 4, 12, 18, 25, 29, 37, 43 और 49 में फॉगिंग करेगी. 21 मार्च को वार्ड नंबर 5, 13, 19, 26, 30, 38, 44 और 50 में और 22 मार्च को वार्ड नंबर 6, 14, 20, 27, 31, 39, 45 और 51 और 23 मार्च को वार्ड नंबर 7, 8, 21, 28, 32, 40, 46 और 52 में फॉगिंग करेगी.

रांची जिले में राशन कार्ड का कोटा फुल

रांची। रांची जिला में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राशन कार्ड का कोटा फुल हो चुका है. जानकारी के अनुसार रांची जिला के लिए कुल 19,85,938 कार्ड बनने थे. एनएफएसए में कोटा फुल होने के कारण वर्तमान में हरा राशन कार्ड बनाया जा रहा है. वहीं, जब एनएफएसए कार्ड के लिए नई रिक्ति आती है (कोई सरेंडर करता है या उसे किसी कारण रद्द किया जाता है). इस स्थिति में प्राथमिकता के आधार पर हरा राशन कार्ड को ऑटोमैटिक एनएफएसए कार्ड में ट्रांसफर कर दिया जाता है. बता दें एनएफएसए के तहत अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता घरेलू (पीएचएच) राशन कार्ड जारी किया जाता है.

ईडी ईमानदारी से काम करे तो कई भाजपा नेता जाएंगे जेल : झामुमो

रांची । हेमंत सोरेन मामले पर केंद्र सरकार के खिलाफ झामुमो का उपवास 30 वें दिन भी जारी रहा. रांची के मोरहाबादी मैदान के पास बापू वाटिका के समक्ष आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व शुक्रवार को झामुमो के बोकारो जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी ने किया, जिसमें गिरिडीह और रांची जिला के नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए. हीरालाल मांझी ने कहा कि न्याय यात्रा निकाल कर हमारे कार्यकर्ता लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि किस तरह केंद्र की भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों द्वारा हमारे नेता हेमंत सोरेन को प्रताड़ित किया है. लोगों में केंद्र सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है. केंद्र सरकार भ्रष्टाचार की बात करती है. इनके जितने भी नेता हैं, अगर जांच सही रूप से हो तो भाजपा के बहुत सारे नेता जेल के अंदर होंगे.

रांची नगर ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

खास बातें

- हटाये गये सड़क किनारे से ठेले, खोमचे, गुमटियां, बांस-बल्लियां
- अभियान से पूर्व अतिक्रमण स्वयं हटाने का दिया गया था निर्देश

संवाददाता। रांची

रांची नगर निगम, जिला प्रशासन और यातायात पुलिस ने शुक्रवार को साथ मिलकर शहर की प्रमुख सड़कों पर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया. इसी क्रम में कांके रोड में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया. नो वेंडिंग जोन में खड़ी दुकानों, ठेलों-खोमचों, गुमटियों और बांस-बल्लियों को हटाया गया और सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की गई. साथ ही अवैध रूप से संचालित तथा अस्थाई संरचनाओं को हटाया गया और सामान जब्त किये गये. बता दें अतिक्रमण हटाओ अभियान के पूर्व सभी दुकानदारों एवं विक्रेताओं को स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था. उसके उपरांत निगम द्वारा समान जब्त करते हुए कार्रवाई की गई.

पांच डॉक्टरों के पदस्थापन को दी गयी स्वीकृति

रांची । शुक्रवार को रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने समाहरणालय में जिला सलाहकार समिति प्रसव पूर्व लिंग जांच (पीसी एवं पीएनडीटी) की बैठक आयोजित की. बैठक में सिविल सर्जन (सदर) डॉ. प्रभात कुमार, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ एके खेतान तथा पीसी एवं पीएनडीटी कोर्डिनेटर राकेश कुमार राय व सभी सदस्य उपस्थित थे. बैठक में पांच डॉक्टरों के पदस्थापन को स्वीकृति दी गई. डीसी ने वैसे क्लिनिक जो अपंजीकृत हैं और कोई अयोग्य व्यक्ति अल्ट्रासाउंड का कार्य कर रहा है, उस पर कारवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही सभी अल्ट्रासाउंड संस्थान की जांच से संबंधित निर्देश दिया गया.

1600 छात्रों ने दी थी परीक्षा, मात्र 37 हुए पास, बाकी छात्र प्रमोट

रांची । रांची विश्वविद्यालय के अलग-अलग कॉलेजों के लगभग 150 छात्र विरोध-प्रदर्शन करने विश्वविद्यालय पहुंचे. छात्रों का आरोप है कि यूजी सेमेस्टर फोर में 1600 में मात्र 37 छात्रों को ही पास किया गया है. 1563 छात्रों का प्रमोट कर दिया गया है. छात्र 12 बजे विश्वविद्यालय पहुंचे, उस समय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह चल रहा था. इसलिए विश्वविद्यालय में ना अधिकारी थे और ना ही कोई कर्मचारी था. बाद में कुलपति ने परीक्षा विभाग के कर्मचारी सुधीर मंडल को विश्वविद्यालय भेजा.

क्या हैं छात्रों की मांगें : हर हाल में सेमेस्टर चार के बच्चों को पास करें, तत्काल सेमेस्टर पांच के परीक्षा फॉर्म को बंद कर डेट को आगे बढ़ाया जाये, छात्र जिस विषय में फेल हुए हैं, उसी की फीस ली जाए, सेमेस्टर चार में ग्राफ थ्यूरी का पेपर आउट ऑफ सिलेबस आया था, इसको लेकर सकारात्मक निर्णय लिया जाये.

AFFIDAVIT
Before,
THE NOTARY PUBLIC,
RANCHI
I SAMIYA TOPPO, W/O-Vishal Toppo, resident of Behind X-RAY Kiran Khijuria Toli, Bariatu Road, Ranchi, P.O.- Bariatu, P.S.- Bariatu, Dist.- Ranchi (Jharkhand) 834009, do hereby solemnly affirm and declare as under :
1. That, I am an Indian Citizen by birth and residing on the above mentioned-address.
2. That, I have obtained my AADHAAR CARD No. (488643486224) in which my name is written as SANCHARIYA TOPPO.
3. That, In RATION CARD my name is written as SAMIYA TOPPO.
4. That, now I want to change my original name in my issued AADHAAR CARD, hence this affidavit.
5. That, I am known to all by name as SAMIYA TOPPO and SANCHARIYA TOPPO and now from today I will be known to my name as SAMIYA TOPPO.
6. That my actual Date of Birth is 12-11-1974.
7. That, all the facts or information given by me above are correct, if found wrong then all the responsibility will be mine.
Aff. No. 633/21-02-24

AFFIDAVIT
Before,
THE NOTARY PUBLIC
RANCHI
I, JOSEPHA TOPPO (age about 72 years), D/O MARCUS TOPPO, presently residing at H.No,.- 1695/L 1 St. Anne's Convent, Harmu Basti, Harmu, Ranchi, P.S.- Argora, Dist- Ranchi (Jharkhand) 834002, do hereby solemnly affirm and declare as under :
1. That, I am an Indian Citizen by birth and residing on the above mentioned address.
2. That, I have obtained my Aadhar Card No.-6779 3820 1059 in which my nameis written as SISTER NELLY TOPPO.
3. That, In my all educational documents the name mentioned is as JOSEPHA| TOPPO.
4. That, I want to change my present name with the Original name which is mentioned in my all educational documents.
5. That, I am known to all by the name as SISTER NELLY TOPPO which is my present Identity but from today onwards I want to known as JOSEPHA TOPPO which is my Original name.
6. That these statements made herein above are true and correct to the best of my Knowledge, information and belief.
Aff. No. 125/15-03-24

AFFIDAVIT
Before,
Notary
Daltonganj, Palamau
Joined Affidavit for change Date of Birth Kriti Raj
We, Sanjay Kumar (Father) S/0 Sri Laldeo Yadav and Pramila Kumari (Mother) wife of Sri Sanjay Kumar, resident of villege- cheri, P.0, Dabra, PS. Lesliganj, District- Palamau, State- Jharkhand.
We solemnly state and affirm that :
1. Kriti Raj (Name of Child) is studying in your school and at the time of admission, in admission form, the date of birth of the child was wrongly mentioned as 06.03.2011 (Date of birth given at the time of admission).
2. We have now corrected the mistake in the records of 06.03.2011 (Issuing body) and in support we have supplied a copy of birth certificate number B-2023/20-02547-000044 dt/ 21/12/2023 which was updated on 06.03.2012 (Date of issues of correct date of birth).
3. The Gram Panchayat Dabra, Lesliganj, Palamau (Issuing Officer) has also approved the same vide his order in writing on 06.03.2012 (Date of Issues of correct date of birth).
4. The statement is correct and true to our knowledge and nothing material has been concealed. We shall identify the school in case of any statement made by us is found to be false or incorred.
5. We verify the conants above.
Aff. No. 2541/11-03-24

अच्छी खबर कोयला मंत्रालय के निर्णय से कोयला खनन क्षेत्र के विस्थापितों को होगा लाभ

झारखंड के सात जिलों में होंगे पार्ट टाइम कोयला ट्रिब्यूनल

विशेष संवाददाता। रांची

कोयला क्षेत्र के विस्थापितों के साथ न्याय होने की उम्मीद बढ़ गयी है. सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का प्रयास रंग लाया है. झारखंड के सात जिलों में पार्ट टाइम ट्रिब्यूनल के गठन का रास्ता साफ हो गया है. भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने गठन का आदेश जारी कर दिया है. फुल टाइम ट्रिब्यूनल को लेकर कोयला मंत्रालय ने अपना प्रस्ताव कैबिनेट सचिव को भेज दिया है, जो अगली कैबिनेट की बैठक में रखा जाना है.

ट्रिब्यूनल की मांग लंबे समय से की जा रही थी. इसको लेकर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी गंभीर बने हुए थे.

इसके लिए वे कई मौके पर नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी, कोयला सचिव अमृतलाल मीणा और इससे पहले कोलकाता में कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद से मिलकर ट्रिब्यूनल बनाने को लेकर सक्रिय बने रहे. सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी संसद में ट्रिब्यूनल गठन को लेकर मुखर बने रहे और संपन्न शीतकालीन सत्र में भी इस विषय को लेकर आवाज उठाई और केंद्रीय कोयला मंत्री व विभागीय सचिव से भी संपर्क बनाए रखा.

इन जिलों में गठन होगा ट्रिब्यूनल : पार्ट टाइम ट्रिब्यूनल का गठन चतरा, लातेहार, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, दुमका एवं धनबाद जिले में किया जाएगा. इस ट्रिब्यूनल के संबंधित जिलों के जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होंगे. विस्थापितों की समस्याओं का समाधान करेंगे. पार्ट टाइम ट्रिब्यूनल का गठन दो साल के लिए किया गया है. आजादी के बाद ट्रिब्यूनल मूर्त रूप लेने जा रहा है. इस प्रकार से विस्थापित को न्याय मिल सकेगा. ट्रिब्यूनल मुआवजा का भुगतान, नौकरी, भूमि, पुनर्वास, विकास आदि मामलों का अब समाधान कर सकेगा. कोल इंडिया के गठन के बाद से ही ट्रिब्यूनल का गठन नहीं हो पाया था. अब ट्रिब्यूनल का गठन होने से कोयला एवं खनन क्षेत्र के विस्थापितों के साथ न्याय हो सकेगा. ट्रिब्यूनल का गठन अंडर सेक्शन धारा 14(2) डीबीए एक्ट 1957 के तहत किया गया है. सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने ट्रिब्यूनल के गठन होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी के प्रति आभार जताया है. यह विस्थापितों के हित में एक बड़ा न्याय पूर्ण व ऐतिहासिक कदम है.

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

शनिवार 16 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~1~~ ● वर्ष : 1, अंक : 328 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची विवि का 37वां दीक्षांत समारोह

76 में से 41 लड़कियों को मिला गोल्ड मेडल

संवाददाता। रांची

आरयू के 37वें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ. मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए. 76 को गोल्ड मेडल दिया गया. जिसमें 41 लड़कियां और 21 लड़के हैं. 76 गोल्ड मेडल में 61 विवि के छात्र हैं और 15 स्पॉन्सर को दिया जाएगा. राज्यपाल सह विवि के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि आरयू के इस दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि अर्जुन मुंडा भी शामिल हैं. युवाओं ने अपने ज्ञान के बल पर विश्व में अपना स्थान बनाये रखा हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि आरयू के आप युवा अपने माता पिता, झारखंड और देश का नाम रौशन करेंगे. उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की बातों का जिक्र किया और कहा कि छात्र अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होने के बजाय आगे निरंतर बड़े लक्ष्यों को तय कर उसके लिए प्रयासरत रहें तभी हम 2047 में विकसित भारत का सपना पूरा कर पाएंगे.

राज्य में 740 सीबीएसई + 2 स्कूल खोले जाएंगे : अर्जुन मुंडा

अर्जुन मुंडा ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य हमें अपनी बौद्धिक क्षमता से विश्व को परिचित कराना है. 2047 में हमें विकसित भारत बनाना है. अभी से ही भविष्य की जरूरतों के लिए प्लान कर काम करना है. यहां सीबीएसई में 740 प्लस टू विद्यालय खुलेंगे. उनमें 40000 शिक्षकों की भर्ती होगी. आरयू राज्य में शिक्षा, जनजातीय भाषा से लेकर अच्छा काम कर रहा. कई बार इस सबसे पुराने विवि का नाम बदलने का भी प्रस्ताव आया, पर मैंने मना कर दिया, क्योंकि रांची और रांची विवि का अपना एक अलग ही स्पंदन है.

एनईपी 2020 लागू करनेवाला पहला पहला विवि है आरयू: कुलपति

कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा ने यजुर्वेद के तैतरीय उपनिषद का जिक्र करते हुए अपनी बातों की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि आरयू का बीज 1960 में लगाया गया था, जो आज ज्ञान के एक विशाल वटवृक्ष का आकार ले चुका है. आगे चल कर इस विश्वविद्यालय से 1992 में बिनोवा भावे विश्वविद्यालय, 2009 में नीलांबर पीताबंर विश्वविद्यालय व कोल्हान विश्वविद्यालय और 2017 में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है. इसके बाद भी 30 स्नातरोत्तर विभाग, 19 अंगीभूत कॉलेज, 67 एफिलिएटेड कॉलेज के साथ खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जैसे जिले में उच्च शिक्षा के दायित्वों को निभा रहा है. यह झारखंड का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 2022 में लागू किया. विश्वविद्यालय में कई संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है. इसी विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के लिए झारखंड के विश्वविद्यालयों के एकीकृत पाठ्यक्रम बनाया. दिसंबर 2022 में ही भारत सरकार के सीएसई एजुकेशन सर्विस के साथ इस विश्वविद्यालय ने एमओयू किया है.

एक नजर

गोल्ड मेडल-	76
पीएचडी की उपाधि-	106
एमफिल -	30
एमएससी-	630
एमकॉम-	649
एमबीए-	152
एमसीए-	50
एलएलएम-	14
एमडी-	39
एमएस-	10
एमएड-	40
एमए-	2262
टोटल-	4043

कहीं हरमू रोड गौशाला की जमीन पर मार्केटिंग कांप्लेक्स बनाने की योजना तो नहीं

कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना

रांची गौशाला न्यास समिति

राजन बॉबी। रांची

गौशाला न्यास समिति का विवाद सुलझने के बजाय और उलझता ही जा रहा है. न तो 110 सदस्यों की मान्यता का मामला सलट रहा है और न गौशाला की जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने के मामले को लेकर पदाधिकारी सदस्यों के सवालों का जवाब दे पा रहे हैं. सदस्यों का साफ-साफ कहना है कि न्यास बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान की कथनी और करनी में अंतर है. ऐसे में वे क्या बोलते हैं, क्या करते हैं, उनपर तनिक भी भरोसा नहीं किया जा सकता. सदस्य बताते हैं चेयरमैन बिल्कुल विश्वसनीय नहीं हैं, ऐसे में उनकी बातों पर भरोसा करना बेमानी है. सदस्यों का कहना है कि दरअसल न्यास बोर्ड के पदाधिकारियों की निगाहें कहीं और हैं और निशाना कहीं और है. सदस्यों का कहना दरअसल सारे खेल के पीछे एक बड़ा खेल है. पदाधिकारियों की निगाहें हरमू रोड स्थित गौशाला की जमीन पर टिकी है. एक बुजुर्ग सदस्य ने नाम छापने पर बताया कि हरमू रोड गौशाला की गायों को सुकुरहुटू और हुटूप स्थित गौशाला में शिफ्ट कर यहां मार्केटिंग कांप्लेक्स बनाने की योजना है. ट्रस्टी व न्यास बोर्ड के सदस्यों को इस बाबत पटाया जा रहा है, ताकि मार्केटिंग कांप्लेक्स को बेच कर जो आया होगी, उससे गौशाला का संचालन किया जाए. इसके पीछे तर्क है कि मोटी रकम आने के बाद गौ माता की सेवा के लिए किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. मार्केटिंग कांप्लेक्स के पैसों के सूद से ही गौशाला का संचालन सुगमता पूर्वक किया जा सकेगा.

आखिर सदस्यता पर ब्रेक लगाने का मकसद क्या है?

जिन 110 सदस्यों की सदस्यता को लेकर हंगामा बरपा है, वैसे सारे सदस्यों ने बोर्ड के पदाधिकारियों को सारे पुख्ता प्रमाण पत्र, पैसे जमा करने के रसीद दे दिये हैं, फिर भी उन्हें सदस्यता देने से रोके रखा गया है. इससे किसी गहरी साजिश की बू आती है. अब सदस्यता के मामले को लेकर न्यास बोर्ड के चेयरमैन अलग तर्क दे रहे हैं. कह रहे हैं कि उन्हें सदस्य बनाने का कोई पुख्ता प्रमाण नहीं, तो कैसे मान्यता दी जाए. लेकिन ऐसे सदस्यों ने सारे प्रमाण दे दिए हैं. सदस्यों का कहना है कि एक ओर सदस्य बनाने में भाई-भतीजावाद हो रहा है, रिश्तेदारों को सदस्य बनाया जा रहा है, तो दूसरी ओर 110 सदस्यों की मान्यता पर ब्रेक क्यों लगाया जा रहा है. इसके पीछे मंशा ये है कि ये नए सदस्य वोटिंग के अधिकार से वंचित रह जाएं. अपने लोग जीत कर आयें, तो मनमाफिक फैसले लिए जा सकेंगे. चाहे जमीन बेचने का मामला हो या मार्केटिंग कांप्लेक्स बनाने का.

सदस्यों के पास है प्रमाण, तो न्यास समिति के पास आखिर क्यों नहीं?

गौशाला न्यास समिति के जिन 110 सदस्यों की सदस्यता को लेकर विवाद गहराया है, उनके पास सदस्यता के पुख्ता प्रमाण हैं. शुल्क और डोनेशन राशि जमा करने की रसीद है, जो उन्होंने जमा भी करा दिया है, लेकिन रतन जालान का कहना है कि 135 की सदस्यों की सदस्यता से संबंधित कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है, इस कारण उन्हें मान्यता नहीं दी जा रही है. लेकिन इन्ही सदस्यों में से आखिर 25 सदस्यों को किस बिना पर मान्यता दे दी गयी . रतन जालान ही कहते हैं कि 25 सदस्यों के का पुख्ता प्रमाण नहीं मिलने के बावजूद फिर से प्रक्रिया पूरी करा कर सदस्य बना दिया गया है. ऐसे में सवाल उठता है कि जब 25 तो सदस्य की मान्यता दे दी गयी, तो फिर 110 की सदस्यता क्यों पेंडिंग रखी गयी है. इससे स्पष्ट होता है कि दाल में कुछ काला है. कुछ न कुछ गोलमाल है.

सदस्यों ने उठाये सवाल - रतन जालान का आखिर यह कैसा तर्क

चेयरमैन रतन जालान कहते हैं कि 135 सदस्यों का मामला था, जिनमें से 25 को सदस्य बना दिया गया

है. उनका कहना है कि भविष्य में अन्य को भी मौका दिया जाएगा. यानी मौके देख कर सदस्य बना देंगे. जब 25 लोगों की सदस्यता की पुष्टि कर दी गयी, तो आखिर 110 सदस्यों को कैसे छोड़ा जा सकता है. और भविष्य में सदस्यता देने का तर्क क्या है. ये तो जालान का अजब-गजब तर्क है. सदस्यों का कहना है कि जैसे 25 को सदस्यता दी गयी, वैसे भले मन से, अच्छी मंशा से 110 सदस्यों की भी सदस्यता दे दी जाए. अन्यथा मामला बेवजह कोर्ट में जाएगा. फिर गौशाला और इससे जुड़े लोगों की किरकिरी होगी.

सदस्यों को वोटिंग के अधिकार से दूर रखने की भी चाल

गौशाला न्यास समिति के सदस्यों का कहना है कि 110 सदस्यों का मामला जानबूझ कर लटकाये रखा गया है. दरअसल पदाधिकारियों की मंशा उन्हें वोटिंग के अधिकार से दूर रखने की है. सदस्यों का कहना है कि जब 25 सदस्यों को मान्यता मिल चुकी है, तो 110 सदस्यों को भी उसी आधार पर सदस्यता मिलनी चाहिए. लेकिन जानबूझ कर सदस्यता लटकाये रखा गया है. इसकी पीछे मंशा यही है कि उन्हें वोटिंग के अधिकार से दूर रखा जाए.

120 साल हो गये, गौशाला की जमीन का म्यूटेशन नहीं

हरमू रोड स्थित गौशाला की जमीन का अबतक म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) नहीं हो पाया है. गौशाला से जुड़े पुराने बुजुर्ग सदस्यों का कहना है कि लगभग 120 साल हरमू रोड में गौशाला का संचालन हो रहा है. लेकिन इस जमीन का दाखिल-खारिज अब तक गौशाला के नाम पर नहीं हो सका है. आखिर इतनी लंबी अवधि तक गौशाला की जमीन का म्यूटेशन क्यों नहीं हुआ है, इसके बारे में कोई कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं है.

म्यूटेशन नहीं होने पर उठाये जा रहे सवाल

120 साल पुरानी गौशाला की जमीन का म्यूटेशन नहीं होने को लेकर भी तरह-तरह के सवाल उठाये जा रहे हैं. पुराने बुजुर्ग सदस्यों का कहना है कि म्यूटेशन नहीं होने के कारण ही अबतक गौशाला की जमीन बची भी हुई है, क्योंकि शहर के बीचोबीच स्थित करोड़ों की इस बेशकीमती जमीन पर भी न्यास समिति के कुछ सदस्यों की गिद्धदृष्टि लगी हुई है. 120 साल तक गौशाली की जिम्मेवारी संभालनेवालों ने आज तक इसकी पहल क्यों नहीं की यह समज से परे है.

कहीं गौशाला भी सीएनटी की जमीन पर तो नहीं?

120 साल तक हरमू रोड की बेशकीमती जमीन का म्यूटेशन नहीं होने पर न्यास समिति के सदस्य यह जानना चाह रहे हैं कि कहीं गौशालाबी तो सीएनटी की ही जमीन पर तो नहीं. हालांकि सदस्यों को इसके पुख्ता जानकारी नहीं है और वे समिति के पदाधिकारियों से ही इस बाबता जानकारी चाह रहे हैं कि आखिर सौ साल तक जमीन का म्यूटेशन क्यों नहीं कराया गया?

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड का प्रशासनिक भवन बना रणक्षेत्र

सहायक रजिस्ट्रार और सिक्योरिटी इंचार्ज के बीच हुई जमकर मारपीट

रजिस्ट्रार बोले- अरे भक्क...मारपीट हो गयी, रहिए पता करते हैं

पियूष गौतम। रांची

स्थान: सीयूजे प्रशासनिक भवन का कमरा नंबर 116. सहायक रजिस्ट्रार का चैंबर. शाम के 04 बजे हैं. चैंबर में सहायक रजिस्ट्रार डॉ शिवेंद्र प्रसाद बैठे थे. अचानक हाथ में तार लिए वहां सिक्योरिटी इंचार्ज तरुण भी पहुंचे. बिना पूछे चैंबर में घुस गये और गाली-गलौज करने लगे. डॉ शिवेंद्र बमके...सावल किया... हाऊ यू डेयर. बिना पूछे चैंबर में कैसे आ गये. गेट आउट फ्रॉम माई चैंबर. फिर क्या था... सिक्योरिटी इंचार्ज तरुण गुस्से में डॉ शिवेंद्र पर लपका. गाली-गलौज करते हुए उन्हें देख लेने की धमकी दी. फिर दोनों में जमकर मारपीट होने लगी. चैंबर का दरवाजा बंद था, इसलिए पता नहीं चल पा रहा था कौन किसे पीट रहा है. बाहर दोनों की तेज आवाजें आ रही थीं. गाली-गलौज हो रही थी. बीच-बीच में चट-चट की आवाज भी आ रही थी. ऐसा लगा रहा था अंदर लात-घूंसे भी चल रहे हैं. अब अंदर कौन किस पर भारी पड़ रहा था, पता नहीं चल पाया. दोनों में से किसने किसकी ज्यादा पिटाई की, यह भीपता नहीं चल पाया. बाद में प्रशासनिक भवन के अन्य कर्मचारियों ने चैंबर में घुस कर आपास में गुत्थम-गुत्था हो रहे दोनों अधिकारियों को अलग किया. दोनों चैंबर से बाहर निकले और एक-दूसरे पर मारपीट व जानलेवा हमले का आरोप लगाया. उधर विवि के रजिस्ट्रार से जब मारपीट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा- अरे..भक्क, मारपीट हो गया, रहिये हम पता करके बताते हैं.

सहायक रजिस्ट्रार बोलेः मुझे पटक कर बहुत मारा

असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ शिवेंद्र प्रसाद हॉफ रहे थे. उन्होंने कहा कि मैं अपने चैंबर में बैठा विवि का कामकाज निबटा रहा था. शाम चार बजे अचानक विवि के सिक्योरिटी इंचार्ज तरुण बिना पूछे हाथों में मोटी तार लहराते मेरे चैंबर में घुस गये और काम में बाधा डालने लगे. मुझे काम करने से रोका. जब मैंने पूछा कि ऐसे क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए मुझ पर जानलेवा हमला कर दिया. मुझे पटक कर लात-घूंसे चलाते हुए मारपीट शुरू कर दी. मुझे बहुत मारा. शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर लात और घूंसे बरसाये. मारपीट की वजह से मेरे सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आयी हैं. मैंने रजिस्ट्रार को पत्र लिख कर पूरे घटनाक्रम की सारी जानकारी दे दी है.

सिक्योरिटी इंचार्ज ने कहा- मेरा गला घोंटकर मारा

सिक्योरिटी इंचार्ज तरुण ने कहा कि मैं फिलहाल कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं हूं. फिलहाल मैं रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में अपना इलाज करा रहा हूं. कहा कि मैं जरूरी काम से असिस्टेंट रजिस्ट्रार से मिलने उनके चैंबर में गया था, तो उन्होंने गाली-गलौज करते हुए चैंबर का दरवाजा बंद कर मुझ पर जानलेवा हमला कर दिया. मारपीट करते हुए मेरा गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश की. डॉ शिवेंद्र जान मारने की धमकी देते हुए मुझे लगातार पीटते रहे, जिससे मुझे अंदरुनी चोटें भी आईं हैं. मैंने भी विवि के अधिकारियों को मामले की जानकारी फोन पर दे दी है, ताकि मेरे साथ न्याय हो सके. मारपीट करनेवाले सहायक रजिस्ट्रार पर हर हाल में कार्रवाई की जानी चाहिए.

रजिस्ट्रार बोले- मुझे जानकारी नहीं है, कल पता लगाएंगे

सीयूजे के रजिस्ट्रार के कोसल राव से जब मारपीट के बारे में पूछा गया, तो पहले तो वे बौंचक रह गये. कहा- अरे भक्क... मारपीट हो गयी. रहिए पता करके बताते हैं. थोड़ी देरा बाद उन्होंने कहा- दर्सल मैं बाहर गया हुआ था. इसी सप्ताह मैंने विवि ज्वाइन किया है. मुझे अभी तक किसी भी पक्ष से मारपीट की शिकायत नहीं मिली है. यदि दोनों ने ऑफिस में कोई शिकायत की होगी, तो अभी नहीं बता सकता. शनिवार को विवि जाऊंगा, तो मामले के पूरी जानकारी हासिल करूंगा. दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. किसी को भी विवि का अनुशासन तोड़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती है.

घर में चल रही थी मिनी शराब फैक्ट्री, एक गिरफ्तार

रांची। पुलिस ने मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा किया है. सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के जमुनानगर के एक घर में पुलिस ने छापेमारी कर अवैध विदेशी शराब पैक करते विनोद भगत नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया. बीती देर रात कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में की गई रेड में भारी मात्रा में अवैध शराब, शराब की बोतलें सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं. डीएसपी प्रकाश सोय को गुप्त सूचना मिली थी कि जमुनानगर के एक घर में मिनी शराब फैक्ट्री चलायी जा रही है. यहां से अवैध शराब पैक कर दूसरी जगह भेजी जा रही है. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी की.

भ्रष्टाचार के दंश ने झारखंड को डंस लिया : राजनाथ

संवाददाता। रांची

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड से नाता बहुत पुराना रहा है, यह अलग बात है कि एक लंबा गैप हो गया. रांची में वे राजभवन के समक्ष धरना देने से लेकर कई कार्यक्रम में शामिल हो चुके हैं. एक बड़ा अनुभव झारखंड को लेकर रहा है. कह सकते हैं कि झारखंड में भ्रष्टाचार एक कलंक के रूप में रहा. भ्रष्टाचार के दंश ने झारखंड को डंस लिया. उन्होंने कहा, झारखंड के सीएम अचानक दो दिनों तक दिल्ली से लापता हो जाते हैं, केंद्रीय एजेंसियां खोजती रहती हैं. फिर अचानक प्रकट होते हैं और भ्रष्टाचार के मामले में जेल चले जाते हैं. झारखंड के सीएम लापता होने के बाद मिल गये, इसके लिए झारखंड के लोगों को धन्यवाद देता हूं, लेकिन लापता होने के बाद प्रगट होते ही जेल चले गये. वह भी भ्रष्टाचार के आरोप में, यही दंश झारखंड का रहा है. बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी,राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, महामंत्री मनोज सिंह सहित तीनों लोकसभा के प्रभारी और प्रत्याशी शामिल थे.

आज सौ का सौ रुपया अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे देश के पूर्व पीएम राजीव गांधी ने कहा था, हम दिल्ली से 100 रुपया भेजते हैं, मगर अंतिम व्यक्ति तक 14 पैसा पहुंचता है. मगर आज हम यह कह सकते हैं कि सौ का सौ रुपया सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है. मैं यह नहीं कहता है कि भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है, या खत्म हो जाएगा. मगर इसका प्रयास तो करना ही होगा. हमारे प्रधानमंत्री ने प्रयास शुरू किया. केवल राजनीतिक भाषण से भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा. पहले सिस्टम को ठीक करना होगा, जिसका प्रयास भाजपा और भाजपा की सरकार ने शुरू कर दिया है.

मोदी के विकास कार्य के कारण आज झारखंड से नक्सलवाद खत्म हो गया : राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य गठन के बाद झारखंड नक्सलवाद की चपेट में था. आज इस बात की खुशी होती है कि झारखंड से नक्सलवाद समाप्त हो गया. इसका कारण भी विकास ही है. मोदी जी के आने के बाद गांव-गांव में इतने विकास के कार्य शुरू किए कि उसका लाभ ग्रामीणों को मिलने लगा और नक्सली कमजोर होते चले गए. इसलिए ईमानदारी से काम करने का प्रभाव देर से ही सही, लेकिन पड़ता जरूर है.

भाजपा देश बनाने के लिए काम करती है : राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा की राजनीति का केंद्र बिंदू में देश और देश की जनता है. भाजपा ने कभी भी सरकार बनाने और सत्ता के लिए राजनीति नहीं की. हमारी पार्टी देश बनाने के लिए काम करती है. भाजपा जो कहती है सो करती है. आज हर देशवासी और भाजपा कार्यकर्ता को इस बात का फख्र होना चाहिए कि उनका नेतृत्व नरेंद्र मोदी जैसा व्यक्तित्व कर रहा है. मोदी जी एक व्यक्ति नहीं बल्कि संस्था हैं. काम करने और निर्णय लेने का कलेजा होना चाहिए. उन्होंने वन नेशन और वन इलेक्शन मामले पर विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि इसमें विपक्ष को दिक्कत क्या है. बतायें, सही सुझाव दें.

क्या बोले राजनाथ

- दो दिनों तक लापता झारखंड के सीएम प्रकट हुये और भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गये
- **भाजपा जो कहती है सो करती है,काम करने और निर्णय लेने का कलेजा होना चाहिए**

बिजली आपूर्ति को लेकर अफसरों के साथ बैठक

गर्मी में न हो बिजली संकट रखें तैयारी : मुख्य सचिव

संवाददाता। रांची

गर्मी में हर वर्ष उत्पन्न होने वाले बिजली संकट को लेकर सरकार अभी रेस हो गया है. गर्मी में बिजली आपूर्ति दुरुस्त रखने को लेकर मुख्य सचिव एल ख्यांगते ने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में बिजली अफसरों के साथ बैठक की. उन्होंने कहा कि गर्मी में बिजली की समस्या न हो, इसका ध्यान रखें. पहले से ही तैयारी पुख्ता रखें. बैठक में यह बात सामने आयी कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग अधिक बढ़ जाती है. पिछले वर्ष तीन हजार मेगावाट तक मांग चली गयी थी. इस पर मुख्य सचिव ने कहा कि पावर एक्सचेंज से पहले ही बात कर ली जाए, ताकि अतिरिक्त बिजली मिलती रहे. यह भी कहा गया कि एनटीपीसी नोर्थ कर्णपुरा की दूसरी यूनिट भी इस माह तक चालू हो जायेगी. इसके अतिरिक्त 170 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी. इसके बाद जो अतिरिक्त बिजली की जरूरत होगी, उसे पावर एक्सचेंज से लिया जायेगा.

ट्रांसफारमर, फ्यूज, तार आदि पहले से तैयार रखने का निर्देश

बैठक में कहा गया कि गर्मियों में ट्रांसफारमर जलने की अधिक शिकायत रहती है, लोड बढ़ने की वजह से ऐसा होता है. मुख्य सचिव ने बैकअप में ट्रांसफारमर व अन्य उपकरण रखने का निर्देश दिया. साथ ही ट्रांसफारमर रिपेयरिंग वर्कशॉप(टीआरडब्ल्यू) को दुरुस्त रखने की बात कही गयी. मुख्य सचिव ने फील्ड के हर पदाधिकारियों को मुस्तैद रहने का निर्देश दिया है. कंप्लेन पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया है.

बरही में दो, नगवा टोल प्लाजा और पेलावाल के रोमी में कुल पांच बसें जब्त, होटल कोहिनूर में 200 से अधिक परीक्षार्थियों से पुलिस कर रही पूछताछ

बिहार टेट परीक्षा में शामिल होने के लिए हजारीबाग में रुके 300 परीक्षार्थी पुलिस हिरासत में

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

बिहार में शुक्रवार 15 मार्च को हुई टेट परीक्षा को लेकर हजारीबाग एक होटल में रुके 300 से अधिक परीक्षार्थियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है. होटल कोहिनूर के अलावा बरही और नगवा सिंदूर में भी तीन अन्य बसों को रोका गया है, जिसमें लोग परीक्षा देने जा रहे थे. पूरा मामला टेट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक से जुड़ा बताया जा रहा है. हालांकि इस मामले में पुलिस का कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से इन्कार कर रहा है. बताया जाता है कि ये सभी छात्र बिहार में आयोजित परीक्षा में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे. तभी हजारीबाग पुलिस को इस बात की भनक लग गयी और उसने छात्रों को रोक लिया. रोमी में प्रशासन ने दो गाड़ी में विद्यार्थियों को रोक लिया. कुछ गाड़ियां नगवां टोल प्लाजा के पास रोकी गयीं. हिरासत में लिए गए परीक्षार्थियों से पुलिस गोपनीय जगह में पूछताछ की जा रही है.

जानकारी के अनुसार टेट परीक्षा में शुक्रवार सुबह लोग होटल से निकल कर छात्र जाते, उससे पहले पुलिस को भनक लग गई. परीक्षा में शामिल होनेवाले छात्रों को हजारीबाग लाया गया था. यह बताया जा रहा है कि प्रश्न पत्र छात्रों को उपलब्ध कराने के बाद पिछले दो दिनों से पढ़ाया जा रहा था. शुक्रवार को छात्र अलग-अलग बस से परीक्षा स्थल के लिए रवाना हुए थे. इसी दौरान पुलिस को इनपुट मिला, जिस आधार पर ये ऑपरेशन चलाया गया. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से किसी के परीक्षार्थियों के पास उसका मोबाइल नहीं है. इससे इस बात की पुष्टि हो रही है की अंतरराज्यीय गिरोह इन्हें ऑपरेट कर रहा है. इसलिए इनका मोबाइल जब्त किया गया होगा. इन छात्रों से सदर एसडीपीओ पूछताछ कर रहे हैं.

मामला संवेदनशील, पुलिस कर रही मामले की जांच: एसपी

मामला काफी संवेदनशील बताया जा रहा है. इस कारण भी पदाधिकारी कुछ कहने से बच रहे हैं. सुरक्षा के दृष्टिकोण से अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है. शुक्रवार को 9 बजे महिला पुलिस को भी होटल कोहिनूर में भेजा गया. सूत्रों के अनुसार 50 से अधिक महिलाएं और लड़कियां भी हैं. पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से होटल के समीप बज्र वाहन भी खड़ा कर रखा है. किसी भी व्यक्ति को होटल में जाने की इजाजत भी नहीं दी जा रही. हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने फोन पर यह जानकारी दी कि छात्रों से पूछताछ की जा रही है. पूरा मामला प्रश्न पत्र लीक से जुड़ा हुआ है. अब यह जांच का विषय है कि जो प्रश्न पत्र छात्रों से बरामद किया गया है, वह प्रश्न क्या परीक्षा में आया था या नहीं. इसे लेकर बिहार पुलिस से भी संपर्क स्थापित किया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

अनियंत्रित होकर ऑटो पलटा, अधेड़ की मौत

मांडर। मसमानो मोड़ के पास शुक्रवार की दोपहर अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गयी,उसमें सवार 40 वर्षीय बुधराम उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हादसे में ऑटो में बैठे चार अन्य बच्चों को भी मामूली चोटें आई है, बताया जाता है कि इसी गांव का रहने वाला बुधराम उरांव ऑटो में बैठकर मुड़मा चौक से अपने गांव की ओर जा रहा था, रास्ते में तेज गति के कारण एक मोड़ पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई ,ऑटो के नीचे दब जाने से बुधराम की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना मिलने पर मांडर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया .

एसएसबी ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

राहे। सेवा सुरक्षा बंधुत्व के उद्देश्य को लेकर सताकी कैंप एसएसबी 26 वी बटालियन ए कंपनी के जवानों ने स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया. शिविर में महिला चिकित्सक डॉ मेरी रंजना , डॉ शांति कुमारी, एसएसबी फार्मासिस्ट बिरगोंडा ने लोगों का जांच कर आवश्यकता अनुसार दवा दी गयी. आसपास के गांवों के कुल 127 लोगों का जांच किया गया. मौके पर पंचायत के मुखिया पांडु मुंडा,कम्पनी कमांडर जगन्नाथ उराव सहायक उपनिरीक्षक दीपक सिंह कांस्टेबल जी डी उमेश कुमार यादवसहित एसएसबी के जवान मौजूद थे.

डकरा में 24 कुंडीय गायत्री चेतना महायज्ञ 10 अप्रैल से

खलारी। डकरा गायत्री शक्ति पीठ में 24 कुंडीय गायत्री चेतना महायज्ञ 10 से 13 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी. अखिल विश्व गायत्री परिवार डकरा की बैठक यज्ञ को लेकर 17 मार्च को होगी. बैठक में यज्ञ के तैयारी की रुपरेखा तय की जायेगी. जिससे यज्ञ को सुचारु रुप से संपन्न कराया जा सके.यज्ञ को लेकर अभी से डकरा गायत्री शक्ति पीठ में रंग रोगन का कार्य चल रहा है

अनगड़ा के नये थाना प्रभारी का लोगों ने किया स्वागत

अनगड़ा । अनगड़ा के नए थाना प्रभारी चमरा मिंज से प्रमुख दीपा उरांव, उप मुखिया शंकर बैठा व भाजपा नेता संजय नायक ने शुक्रवार को मुलाकात की और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया. इस दौरान प्रमुख दीपा उरांव ने थाना प्रभारी चमरा मिंज से क्षेत्र में शांति व्यवस्था तथा अपराध मुक्त थाना क्षेत्र बनाए रखने की अपील की. थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने का हर संभव प्रयास रहेगा. उन्होंने इसमें आम ग्रामीणों से भी सहयोग की बात कही.जिससे क्षेत्र में अपराध रोकने में सफलता मिले सके.

किराना दुकान से हजारों रुपये के सामान की चोरी

लापुंग। मालगो गांव में निर्मल साहु के दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपए के सामान सहित नगद रखे 30 हजार रुपए ले उड़े. इस संबंध में निर्मल साहु ने लापुंग थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. सूचना मिलने पर लापुंग के थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव के दिशा निर्देश पर पुलिस पदाधिकारी पहुंचे और मामले का जांच किया. घटना 14 मार्च के अर्धरात्रि की है. मालगो निवासी निर्मल साहु ने बताया कि उसके दुकान से चोरों ने एक टिन सरसों का तेल, एक पेटी अंडा, एक बोरा चावल, कोल्डड्रिंक के भरे हुए बोतल तथा दराज में रखें 30 हजार रुपए नकद भी चोरों ने उड़ा लिया.

शंकर कच्छप की हत्या के विरोध में बंद रहा बेड़ो बाजार

अविलंब हत्यारों की गिरफ्तारी हो : विधायक

सुनील कुमार गुप्ता । बेड़ो

शंकर कच्छप की हत्या के विरोध में दूसरे दिन संपूर्ण बेड़ो के व्यवसायी तथा दुकानदारों ने अपनी प्रतिष्ठान बंद रखी. बाजार में पसरा रहा सन्नाटा. हालांकि बंद के दौरान कुछ दुकानदार दुकान के दरवाजे को आंशिक रूप से खोलकर दिनभर बिजनेस में मशगूल दिखे. वहीं दूसरी ओर शंकर कच्छप के शव का रिम्स में पोस्टमार्टम किया गया. पोस्टमार्टम के दौरान शंकर कच्छप के परिजनों के साथ साथ भाजपा नेता सन्नी टोप्पो भी मौजूद रहे. उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और पुलिसकर्मियों से हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की. जैसे से शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा तो माहौल गमगीन हो उठा.

शंकर की पत्नी नेहा कच्छप का रो रोकर हाल बेहाल था. बड़ी मुश्किल से रोते बिलखते परिजनों को शांत कराया गया. उसके बाद शंकर की अंतिम यात्रा निकाली गई. बाजार टांड़ के निकट मसना में शंकर को मिट्टी देकर उसके पार्थिव शरीर को विदा किया गया. इस दौरान शंकर कच्छप के मित्र, परिजन, पंचायत के प्रतिनिधि, उनके चाहने वाले बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया. वहीं मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने शंकर के परिजनों को ढांढस बंधाया. उन्होंने शंकर के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और शंकर को मिट्टी दिया. विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि बेड़ो के बाजार टांड़ में जिस प्रकार से शंकर कच्छप की हत्या की गई है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने के साथ उसे सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिये. ज्ञातव्य है कि पिछले वृहस्पतिवार की शाम साढ़े छह बजे शंकर कच्छप की हत्या कर दी गई थी. उसके बाद आज शिल्पी नेहा तिर्की ने उनके परिवार के सदस्यों से मुलाक़ात की और गहरी संवेदना प्रकट की.

पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया और दिलासा दी कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा. बाद में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की पंचायत समिति सदस्य राखी भगत के साथ मिलकर दिवंगत शंकर कच्छप के मिट्टी संस्कार में शामिल हुई. इस मौके पर डीडीसी परमेश्वर भगत ने भी शंकर कच्छप के अंतिम संस्कार में भाग लिया. इस अवसर पर हजारों शोकाकुल लोग मौके पर मौजूद थे. वहीं दूसरी ओर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने भी घटना पर गहरा शोक प्रकट किया. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन या चंपाई सोरेन के राज्य में अपराधियों का हौसला बुलंद है.

खास बातें

- घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली
- बेड़ो के मसना में शंकर कच्छप का हुआ अंतिम संस्कार

मृतक के घर पहुंचीं गंगोत्री कुजूर, परिजनों को ढांढस बंधाया

पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर पहुंची गोलीकांड में मारे गए शंकर कच्छप के घर पहुंची और ढांढस बंधाया . 14 मार्च को शाम 6 :30 बजे बेडो बाजार टाड़ में शंकर कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी . जिसकी जानकारी ग्रामीणों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने के उपरांत मांडर की पूर्व विधायक सह संयोजक गंगोत्री कुजूर मृतक शंकर कच्छप के घर पहुंच कर मृतक के परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया और आगे किसी भी परिस्थिति मे साथ खड़ा रहने का भरोसा दिलाया . इस मौके पर बेड़ो मंडल महामंत्री बलराम सिंह, राजेश साहु, भाजपा नेता चंद्र किशोर उरांव खुखरा मुखिया जतरू उरांव, रंजन गुप्ता, आदित्य ताम्रकार, सुजीत कुमार राय, नन्द महतो विपिन टोप्पो, मृतक के बड़े भाई शंभू कच्छप एवं भाजपा कार्यकर्ता मौके पर मौजूद थे .

केंद्र सरकार झारखंड से करती रही है भेदभाव : चंपाई सोरेन

संवाददाता। मुसाबनी

पोटका प्रखंड कार्यालय मैदान में शुक्रवार को सीएम चंपाई सोरेन ने डिग्री कॉलेज निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. सभा में उन्होंने कहा कि पोटका में डिग्री कॉलेज बनने से गांव के बच्चे घर के पास पढ़ सकेंगे. आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े और गरीबों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त होगी. उच्च शिक्षा प्राप्त कर ही झारखंडी बच्चे आगे बढ़ पाएंगे. उन्होंने कहा कि पोटका में सोना और यूरेनियम जैसी धातु निकलती हैं. झारखंड बनने के 24 वर्ष बाद भी राज्य अपेक्षित विकास नहीं कर पाया. सीएम ने इसके लिए भाजपा को दोषी ठहराया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ भेदभाव करती है. हमारे हक का आवास नहीं दिया. इसलिए हेमंत सोरेन ने अबुआ आवास योजना शुरू की. राज्य के 3 लाख वंचित लोगों को तीन कमरों का आवास दिया जाएगा. समारोह में पोटका के विधायक संजीव सरदार भी मौजूद थे. पोटका में 39.94 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज बनेगा. इस योजना के साथ 129 करोड़ की अन्य योजनाओं का शिलान्यास रिमोट दबा कर मुख्यमंत्री ने किया. समारोह में लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया.

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पोटका में डिग्री कॉलेज की मांग वर्षों पुरानी थी. यहां के बच्चे डिग्री कॉलेज नहीं होने से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे. माड़ भात और मुढ़ी खाकर भी बच्चे पढ़ाई कर पाएंगे. विधायक ने कहा कि पोटका विधानसभा क्षेत्र के विकास में डिग्री कॉलेज मील का पत्थर साबित होगा. साथ ही गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पढ़ाई की हर आवश्यकता पूरी की जाएगी. शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और विधायक संजीव सरदार ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इटखोरी में मां भद्रकाली की पूजा-अर्चना की, कहा-

झारखंड से मेरा आत्मीय रिश्ता

संवाददाता। इटखोरी (चतरा)

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को माता भद्रकाली मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और माता को चुनरी भेंट की. उन्होंने मंदिर परिसर में रुद्राक्ष का पौधरोपण किया. इसके बाद उन्होंने चतरा संसदीय क्षेत्र स्तरीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया. यहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के द्वारा माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया गया. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि झारखंड से उनका आत्मीय रिश्ता है. उनकी पत्नी झारखंड की हैं. भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. कहा कि कांग्रेस की सरकार में जितने भी मंत्री रहे, सबों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे. लेकिन भाजपा के किसी भी मंत्री पर एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे. उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जितने भी विकास कार्य हुए वह रूकने वाला नहीं है.

सभा में सुनील सिंह वापस जाओ के नारे लगे, हंगामा

ईटखोरी में शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कार्यक्रम था . राजनाथ सिंह की सभा में सांसद सुनील सिंह को कार्यकर्ताओं और आमजनों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा . राजनाथ सिंह के सामने ही सुनील सिंह वापस जाओ, निकम्मा सांसद नहीं चाहिए समेत कई नारे लगे . सांसद सुनील सिंह के खिलाफ लोगों में इतना आक्रोश था कि लोग कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे . इस दौरान सुनील सिंह के समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई .

आयोजन विभागीय सचिव ने बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक की

बिरसा हरित ग्राम योजना के तय लक्ष्य को पूरा करें : श्रीनिवासन

विशेष संवाददाता। रांची

बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीण विकास विभाग सचिव के. श्रीनवासन ने बैठक की. इस बैठक में सभी डीडीसी एवं प्रोजेक्ट अफसर शामिल हुए. वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में श्रीनिवासन ने कहा कि ग्रामीणों को राज्य का सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने के लिए कई मानकों को तय करना है. सभी सदस्यों का सुझाव इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. हमें मिलकर योजनाबद्ध तरीके से विकास की मुख्यधारा से ग्रामीण समुदाय को जोड़ना है. योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने योजना के अंतर्गत लाभुकों के चयन और स्वीकृति की विस्तार से जानकारी ली. योजना के तहत अब तक जिले में कार्यान्वित की गई प्रगति की समीक्षा की. जिले में पौधारोपण के लिए पौधों की आपूर्ति व वर्तमान में कार्य प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में श्रीनिवासन ने सभी डीडीसी को निर्देश दिया कि प्रखंडवार और पंचायतवार पौधारोपण के निर्धारित लक्ष्य को निश्चित रूप से पूरा करें. साथ ही उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों को कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया. कार्य में दक्षता के लिए प्रशिक्षण अति महत्वपूर्ण है. प्रशिक्षण इत्यादि की बागवानी को भी बढ़ावा देना है. साथ ही उन्होंने मिश्रित फलदार पौधों की बागवानी को प्रोत्साहित करने पर बल दिया. मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था तेजी से सुधार हो रही है, जो आने वाले समय में ग्रामीणों की आय का अतिरिक्त माध्यम साबित होगा.

आम, नींबू, अमरूद और इमारती पौधे लगवाने को प्रेरित करें

सचिव ने प्रशिक्षुओं से कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें . उन्होंने शत-प्रतिशत सीपीटी (पशु रोधक खाई) का कार्य करने का निर्देश दिया . सचिव ने मिश्रित बागवानी द्वारा आम जनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया . उन्होंने कहा कि वितीय वर्ष 2024-25 में मिश्रित बागवानी के तहत किसानों को आम, नींबू, अमरूद व इमारती पौधा लगवाने के लिए प्रेरित करें .

फलदार पौधों को बढ़ावा दें : बी राजेश्वरी : बैठक में मनरेगा आयुक्त बी राजेश्वरी ने राज्य के सभी जिलों में बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है. इस बार आम की बागवानी के अलावा अन्य फलदार पौधों जैसे- अमरूद, नींबू, नासपाती, शरीफा, बेर, कटहल, सहजन

न्यूज अपडेट

शहीद शशोधर मुंडा का शहादत दिवस मनाया

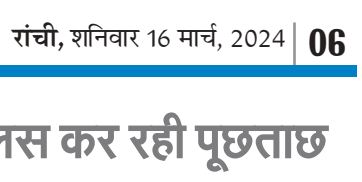

सोनाहातू । झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा सोनाहातू लोकल कमेटी के तत्वावधान में जिन्तु गांव में शहीद शशोधर मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया. शहीद शशोधर मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात सभा को संबोधित करते हुए सुफल महतो ने कहा 1988 ऐतिहासिक भारत बंद के दौरान पुलिस गोलीकांड में शहीद शशोधर मुंडा शहीद हुए थे.इसकी सोच को हम पूरा करेंगे तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी. मौके पर राज्य कौंसिल सदस्य निलकांत सिंह मुंडा, जिला कौंसिल सदस्य रतन महतो, अंचल कमिटी के जगदीश मुंडा, मुखिया विकास मुंडा, मुखिया प्रतिनिधि कलेश्वर मुंडा, पंसस जगन्नाथ मुंडा, परिक्षित मुंडा, तिरलोक मुंडा,कमलु मुंडा, पार्वती देवी, ईश्वरी देवी, आदि मौजूद थे.

कॉस्ट्यूम ज्वेलरी व विमेंस टेलर प्रशिक्षण का उदघाटन

सिल्ली/मुरी। रूडसेट संस्थान सिल्ली में कॉस्ट्यूम ज्वेलरी एवम विमेंस टेलर स्किल अप ग्रेडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि उजीरे के कार्यकारी निदेशक गिरीधर कल्लापुर ने किया. उन्होंने प्रशिक्षण लेने आए दोनों बैच के प्रशिक्षणार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपना रोजगार शुरू को कहा. जिसके बाद उन्होंने ने रुडसेट संस्थान के सफल उद्यमी संगीता शर्मा, भानुमती देवी से बात की और सभी लोग ने अपना व्यवसाय के बारे में अनुभव साझा किया. संस्थान के निदेशक ने अथिति का धन्यवाद किया. मौके पर वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार,जगदीश चंद्र महतो,डीएस टी मौशमी गोराई, बना पलाशी सरकार, दशरथ कुमार महतो, महेश रोहिदास ,सुनील मुंडा उपस्थिति रहे.

सीआईएसएफ ने तीन टन अवैध कोयला किया जब्त

पिपरवार । सीआईएसएफ ने पिपरवार के आरसीएम साइडिंग सहित आस पास के क्षेत्रों में छापेमारी कर तीन टन अवैध कोयला को जब्त किया.इस संबंध में सीआईएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि आरसीएम साइडिंग के आस पास के इलाकों में तस्कर कोयला को जमाकर बोरा में बंद कर उसे तस्करी करने की योजना बनाया था, इसकी सूचना मिलने के बाद विशेष अभियान चलाकर अवैध कोयला को बरामद किया गया है.जब्त कोयला को स्थानीय सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया है. अभियान मे निरीक्षक नागेंद्र कुमार,सरफराज आलम, आसूचना के उप निरीक्षक डीके चौधरी सहित कई जवान शामिल थे.

स्वयं सेवक संघ ने सरकार के प्रति आभार जताया

कांके। पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ के सदस्यों ने अरसडे में बैठक कर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया. प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने सरकार एवं गठबंधन नेताओं के प्रति आभार जताया. बैठक के बाद होली मिलन समारोह किया गया. उसके उपरांत पंचायत सचिवालय कर्मियों ने बीडीओ को आवेदन देकर काम पर लौटने की जानकारी दी.बैठक में संघ की कुछ मांगों को सरकार ने कैबिनेट से घोषणा किया. इसलिए संघ न यह निर्णय लिया है कि धारना को अभी स्थगित करते हैं और सभी काम पर आज से लौट जाएंगे. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार, प्रभात भूषण, गौतम कुमार कुशवाहा, अजय, चंदन ,चंदन ,मनोज, सुनीता, अनीता, देवंति, वजदा, नुजहत, सुमन, दीपा, सुनीता, मालो, ललिता, नीतू,रिता, एवं सैकड़ो पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक शामिल हुए.

पिपरवार में अदा की गई रमजान के पहले जुम्मे की नमाज

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को रमजान महीने के पहले जुम्मे की नमाज अदा की गई।नमाज अदा करने के लिए क्षेत्र के सभी मस्जिदों में नमाजियों की काफी भीड़ देखी गई। रमजान महीने के पहले जुमे की नमाज अदा करने को लेकर नमाजियों की भीड़ 12 बजे से मस्जिदों में आनी शुरु हो गयी।बचरा जामा मस्जिद में जुम्मे की नमाज पढ़ने के लिए भारी संख्या में नमाजियों की भीड़ देखी गई। बचरा जामा मस्जिद के ईमाम हाफिज मुमताज आलम ने जुम्मे की नमाज पढ़ाया। नमाज से पूर्व उन्होंने अपने तकरीर में रोजा व नमाज के महत्व पर प्रकाश डाला।पिपरवार क्षेत्र के बचरा, राय, बेहरा, कल्याणपुर, न्युमंगरदाहा, पुरानीराय सहित अन्य जगहों पर रमजान महीने के पहले जुम्मे की नमाज अदा की गई।

सुदेश महतो ने विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

सोनाहातू । प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में विधायक सुदेश कुमार महतो ने शुक्रवार को विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करना हमारी पहली प्राथमिकता है.उन्होंने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है. हर घर मे शुद्ध पेयजल पहुँचाने का काम किया जा रहा है.

रमजान के पहले जुमे पर शहर की मस्जिदों में उमड़ी भीड़

संवाददाता। रांची

पवित्र रमजान माह के पहले जुमे पर मस्जिदों में रोजेदार नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी. सुबह से ही लोग जुमे की नमाज पढ़ने की तैयारी में थे. अधिकांश नमाजी सफेद कपड़े पहने हुए थे. बूढ़े व युवा सबों में गजब का उत्साह था. दोपहर 12 बजे के बाद से नहा धो कर, पाक पवित्र हो सुरमा और इत्र लगाकर मस्जिद जाने वाली सड़कों पर केवल नमाजियों की भीड़ ही दिखाई दे रही थी. सभी नमाज के समय से पूर्व मस्जिद पहुंच कर ही अपना स्थान सुनिश्चित कर लेना चाह रहे थे. वैसे तो मस्जिद प्रबंधन की ओर से नमाज पढ़ने वालों के लिए मुकम्मल व्यवस्था की गई थी.

शहर के इन मस्जिदों में अदा की गई नमाज

अपर बाजार जामा मस्जिद, मेन रोड इकरा मस्जिद, डॉ फतेउल्लाह मस्जिद, अहले हदीस मस्जिद कर्बला चौक, हव्वारी मस्जिद, पुरानी रांची मस्जिद, थड़पखना मस्जिद, बरियातु मस्जिद, हिंदपीढ़ी तस्लीम मस्जिद, बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, मक्का मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिद ए अकबरिया, मस्जिद ए उमर फारुक, इस्लामी मरकज, हरमू मस्जिद हामीम, पहाड़ी टोला मस्जिद, पुंदाग मस्जिद, कांटा टोली मस्जिद ए असरा, आजाद बस्ती मस्जिद, पत्थलकुदवा मस्जिद, डोरंडा मस्जिद, कडरु मस्जिद, रहमत कॉलोनी मस्जिद, इलाही नगर मस्जिद आदि में रमजान के पहले जुमे की नमाज अदा की गई.

वजु के पानी की थी अलग से व्यवस्था

मस्जिदों में वजु के लिए अलग से पानी की व्यवस्था की गई थी, मस्जिद प्रबंधन की ओर से लोगों से अपील की गई थी कि मस्जिदों के आस पास रहने वाले घरों से ही वजू बना कर आयें, ताकि दूर दराज से आने वाले लोगों को वजू करने में परेशानी ना हो.

हर मालदार पर जकात वाजिब : मौलाना माजिद

हरमू हामीम मस्जिद इमाम व खतीब मौलाना अब्दुल माजिद ने जकात व फितरे के फर्क के बारे में बताया कि जकात का मतलब है अपने पास जो दौलत, सोना, चांदी है उसका ढ़ाई फीसदी जकात के नाम पर निकालना है. फितरा में एक केजी 695 ग्राम गेहूं के तर्ज पर रकम भी निकाल सकते हैं. वह भी घर में जितने भी फर्द हैं सभी के पर वाजिब है. गेहूं के रकम के हिसाब से प्रति लोग 60 रूपये फितरे की रकम अदा करेंगे.

अमन-शांति की हुई दुआ

विभिन्न मस्जिदों में नमाज के बाद दुआ की गई, जिसमें मुल्क में अमन-शांति, भाईचारगी के लिए दुआ की गई.

पुलिस बलों की तैनाती

विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिये मस्जिदों के पुलिस बल की तैनाती की गई थी.

नन्हे रोजेदार : नौ साल का अर्श दो वर्षों से रख रहा रोजा

रांची। दार अल अरकम स्कूल पुंदाग की कक्षा दो में मो अर्श अंसारी पढ़ता है. अर्श नौ साल का है. वह अपने पिता मो जफीर अंसारी के साथ रोजा नमाज पूरी पाबंदी के साथ करता है. अर्श पिछले दो वर्षों से रोजा रख रहा है. पहली बार उसने पांच रोजे रखे थे, इस बार अबतक के चारों रोजे रखे हैं. अर्श कहता है, कि मेरी मरजी तो है कि इस बार के सारे रोजे रखूं. बच्चे की इस लगन से घर के सारे सदस्य काफी खुश है. पिता जफीर ने कहा कि अर्श रोजा रखने के साथ नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जाता है.

ब्रीफ खबरें

खंडेलवाल क्लासेस में एडमिशन टेस्ट 17 को

रांची। आईआईटी की तैयारी करवाने वाली खंडेलवाल क्लासेस में एडमिशन टेस्ट 17 मार्च को होगा. कक्षा 9, 10 व 11 में जाने वाले छात्रों का नामांकन टेस्ट के आधार पर होगा. कुल 100 अंकों का यह टेस्ट संबंधित क्लास के गणित विषय पर आधारित होगा. आईएएस अधिकारी रहे खंडेलवाल खुद भी टॉप रैंक आईआईटियन हैं. उनके द्वारा कराई गई तैयारी के कारण उनके पुत्र अनुपम खंडेलवाल को ऑल इंडिया रैंक 9 मिल चुका है.

आईएचएम की वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता का समापन

रांची। इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची में आयोजित वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता 2024 का समापन हो गया. समापन कार्यक्रम का आयोजन होटल रैडिसन ब्लू में किया गया. इस प्रतियोगिता में बेकरी में सारांश सोनी को पहला स्थान, पायल नंदी को दूसरा स्थान और मोहम्मद तारिक को तृतीय स्थान मिला. वहीं कुकिंग में हर्ष रवीन्द्रन को पहला स्थान, हर्ष वर्मा को दूसरा स्थान मिला. होटल रिसेप्शन में आदित्य कुमार सिंह को पहला स्थान, पेंतेसरी एंड कन्फेक्शनरी में नेहा टोपनो को पहला स्थान और अंशु एंजेला मिंज को दूसरा स्थान मिला.

विनय वर्मा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

रांची। रांची से प्रकाशित अखबार के संपादक विनय कुमार वर्मा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें पिछले महीने जयपुर में दिया गया था. रोल ऑफ न्यूज पेपर इन डेमोक्रेसी एंड लिटरेचर एंड सोशल सर्विसेज' के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 'सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी' ने वर्मा को यह सम्मान दिया है.

आदिम जनजातीय भाषा होगी संरक्षित

रांची। मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि आदिम जनजातीय भाषा को संरक्षित किया जाएगा. यह घोषणा उन्होंने शुक्रवार को डॉ. रामदयाल मुंडा शोध संस्थान में संथाल हूल कला दीर्घा के लोकार्पण के दौरान की.उन्होंने कहा कि लुप्त प्राय भाषा पर व्याकरण और गद्य-पद्य की रचना करने वाले शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने का काम करेंगे. इस मौके पर संस्थान में संथाल हुल से जुड़े स्वतंत्रता सेनानी फूलो-झानो के नेतृत्व में युद्ध, पराजय और क्रांतिकारियों को फांसी देने, चांद भैरव के अंग्रेजों के खिलाफ हुए युद्ध की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगायी गयी है.

तेजस राणा ने भक्तिपूर्ण माहौल में सुनायी श्रीदादी की जीवन गाथा

राणी सती मंदिर कमेटी का होली रंगोत्सव शुरू

संवाददाता। रांची

श्रीराणी सती मंदिर कमेटी का तीन दिनी होली रंगोत्सव शुक्रवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया. शाम चार बजे पुजारी शिवनंदन पंडित और देवकुमार पंडित ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. इसमें मंदिर के न्यासी रतन जालान ने सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. पूजन के बाद शाम पांच बजे से श्रीदादी की संगोष्ठी प्रारंभ हुई. अजमेर के तेजस राणा ने भक्तिपूर्ण अंदाज में श्रीदादी की जीवन गाथा का बखान कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कथा के दौरान भक्तगण कभी भावविभोर हो अपने इष्ट के जीवन चरित्र का श्रवण करते तो कभी बह रही भक्ति धारा में डूब जाते. मौके पर तेजस ने तेरा प्यारा राणा दास, तेरा प्यारा सेवक दास ... जैसे प्रसंगानुसार भजन रस की वर्षा लगातार करते रहे.

समय कैसे गुजर गया किसी को भान न रहा. रात नौ बजे लोगों की तंद्रा तब टूटी जब आरती की घोषणा हुई. भक्तों ने सामूहिक रूप से झुन्झुनू वाली दादी की आरती उतारी. प्रसाद वितरण के साथ पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ. बता दें कि होली रंगोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सुबह आठ बजे श्रीदादी जी का जलाभिषेक किया जाएगा. दिन के दस बजे कृष्ण यादव और मनोज शर्मा के सान्निध्य में मेहंदी उत्सव मनेगा. फिर दिन के 11 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी. शाम चार बजे ज्योत प्रज्वलन के साथ भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा. मनोज शर्मा, हर्षिता डीडवानिया और पायल अग्रवाल भक्ति गीतों की अविरल धारा बहायेंगी. इस दौरान शाम सात बजे से चुनरी महोत्सव भी मनाया जायेगा. रात आठ बजे महाआरती उतारने के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा.

गंगा आरती के साथ समापन कल

होली रंगोत्सव के अंतिम दिन रविवार को रात नौ बजे से बनारस के आचार्यों की टोली गंगा आरती उतारेगी. इसी के साथ उत्सव संपन्न हो जायेगा. मंत्री गजानंद अग्रवाल और महोत्सव संयोजक प्रदीप नारसरिया ने बताया कि इससे पूर्व क्रमवार भक्ति के विविध कार्यक्रमों होंगे. शुरुआत सुबह सात बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित कर की जायेगी. इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं राजस्थानी वेशभूषा में मंगला पाठ करेंगी. दिन के दो बजे भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम चलेगा. शाम पांच बजे प्रसिद्ध भजन गायक सौरभ मधुकर और केशव मधुकर भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देंगे. मौके पर आयोजित हाउजी महोत्सव का अलग आकर्षण रहेगा. रात आठ बजे श्रद्धालु फूलो की होली खेलेंगे. उत्सव के सफल संचालन में अध्यक्ष सतीश तुलस्यान, सचिव गजानंद अग्रवाल, किशन नारसरिया, संयोजक प्रदीप नारसरिया, सह संयोजक मनोज जालान,राजा भालोठिया, कमल खेतावत, राजेश बुधिया, किशन मोदी, मनीष लोघा, दिनेश टेकरीवाल लक्ष्मण राणा, मनोज अग्रवाल, राजेश जालान, अक्षय हरलालका, विकास अग्रवाल, अमर पोद्दार, किशोरी पौदार, नीरज बंका, गौतम अग्रवाल, चंद्रकांत झुनझुनवाला और मनीष लोधा योगदान दे रहे हैं.

फिल्म कस्तूरी-द मस्क की स्क्रीनिंग

संवाददाता। रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में शुक्रवार को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता (बाल फिल्म श्रेणी) विनोद कांबले की मेजबानी में उनकी फिल्म कस्तूरी-द मस्क की स्क्रीनिंग की गई. स्क्रीनिंग फिल्म के परिचय के साथ शुरू हुई.

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार गुप्ता ने अतिथि को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया. डॉ. गुप्ता ने कहा कि जनसंचार विभाग द्वारा छात्रों के लाभ के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म निर्माताओं को आमंत्रित करना सराहनीय प्रयास है. फिल्म स्क्रीनिंग के बाद निर्देशक ने छात्रों के साथ बातचीत की और फिल्म पर अपने विचार साझा किये. छात्रों को मैला ढोने की समस्या को ठीक तरीके से समझने और सिनेमा के सौंदर्यशास्त्र को सीखने का मौका मिला. इस फिल्म को 2019 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू से गोल्डन लोटस पुरस्कार मिला है.

क्या है फिल्म कस्तूरी द मस्क में

फिल्म कस्तूरी द मस्क एक ऐसे बच्चे की व्यथा-कथा पर आधारित है, जिसके माता-पिता मैला ढोने का काम करते हैं, शौचालय साफ करते हैं और अस्पताल के मुर्दाघर में काम करते हैं. वह काम में सहायता भी करता है, लेकिन सफाई प्रक्रिया में शामिल होने के कारण शरीर से आने वाली दुर्गंध के कारण उसे अपने दोस्तों द्वारा चिढ़ाया जाता है. इसलिए वह शरीर से होने वाली दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए कस्तूरी की सुगंध की तलाश करता है.

17 किमी की ध्वजा निशान पदयात्रा कल

रांची। श्रीश्याम ध्वजा पदयात्रा समिति इस बार भी खाटू धाम यात्रा के तर्ज पर 17 किमी की पदयात्रा का आयोजन कर रही है. प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है. श्रीदुर्गा मंदिर, नेवरी से रविवार को सुबह आठ बजे श्रीश्याम का ध्वजा पदयात्रा शुरू होगी. इसमें शामिल श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते हुए बूटी मोड़, बरियातू रोड होते हुए अपर बाजार का भ्रमण कर श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड आयेंगे. यहां खाटू नरेश को निशान अर्पित किया जायेगा. उन्होंने बताया कि नेवरी जाने के लिए बस की व्यवस्था की गयी है. श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड से सुबह साढ़े छह बजे नेवरी के लिए बस प्रस्थान करेगी. संजय ने बताया कि भक्तों के लिए श्राम के साथ खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गयी है.

प्रति व्यक्ति अदा करें 60 रुपये : इमारत ए शरिया

संवाददाता। रांची

दारूल कजा इमारत शरिया रांची के काजी शरीअत मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि सदका ए फित्र में जो लोग गेहूं या उसका आटा देना चाहें, वे प्रति व्यक्ति एक किलो छह सौ बानवे ग्राम (1.692) के हिसाब से अदा करें और जो लोग उसकी कीमत देना चाहें वे इस वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति कम से कम साठ (60) रुपये के हिसाब से अदा करें. जिनको गुंजाइश हो, उन्हें गेहूं के अलावा जौ, पनीर, किशमिश और खजूर से भी सदका ए फित्र अदा करना चाहिए, ताकि गरीबों को अधिक लाभ हो. जो लोग जौ, पनीर, किशमिश या खजूर देना चाहें, वे वर्तमान वजन के अनुसार तीन किलो तीन सौ चौरासी ग्राम (3.384) प्रति व्यक्ति के हिसाब से अदा करें और इसकी राशि अदा करने की सूरत में इस वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति जौ में कम से कम एक सौ पचपन रुपये (155), खजूर में एक हजार एक सौ पचासी रुपये (1185), किशमिश में नौ सौ चौदह रुपये (914) और पनीर में एक हजार बानबे रुपये (1092) अदा करें.

करें अदा

- गेहूं के अलावा खजूर से भी सदका ए फितर करें अदा
- प्रति व्यक्ति जौ में कम से कम एक सौ पचपन रुपये अदा करें

श्रीश्याम संघ का फाल्गुन उत्सव 20 को, निकलेगी शोभायात्रा

संवाददाता। रांची

श्री श्याम संघ इस बार भी धूमधाम से फाल्गुन उत्सव मनाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. अध्यक्ष कमलेश संचेती ने बताया कि फाल्गुन सुदी एकादशी के पावन मौके पर निशान चढ़ाने का बड़ा महत्व है. इसी भाव से उत्सव का खास आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि श्रीराधा वल्लभ मंदिर, अपर बाजार में 20 मार्च की सुबह सात बजे पहले श्रीगणेश और निशान पूजन किया जाएगा. इसके बाद यात्रा शुरू होगी. बड़ी संख्या में श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते और श्रीश्याम के 501 निशान लहराते हुए इसमें हिस्सा लेंगे. अपर बाजार का भ्रमण कर भक्तगण श्रीश्याम मंदिर अग्रसेन पथ आएंगे. यहां बाबा श्याम को निशान समर्पित किया जाएगा. इसके बाद श्रीराधा वल्लभ मंदिर में शाम सात बजे से देर रात विविध कार्यक्रम होंगे. शुरुआत शाम सात बजे बाबा के श्रृंगार-पूजन से होगी. इसके बाद नयनाभिराम झांकी सजायी जाएगी. अखंड ज्योति प्रज्वलित कर बाबा का सवामनी और महाप्रसाद चढ़ाया जाएगा. श्रीश्याम संग भक्तगण फूलों की होली खेलेंगे. मौके पर रोहतक हरियाणा की भजन गायिका रितिका चावला भक्ति गीतों प्रस्तुत करेंगी. संयोजक आकाश शर्मा, उप संयोजक सुमित अग्रवाल और ललित शर्मा, अनिल लोहिया, संजय सुरेका, विकास मोदी, अभिषेकव रवि अग्रवाल इसके सफल आयोजन में योगदान दे रहे हैं.

बसंत मेले में सराहे गये पॉलिमर के डिजाइनर ईयर रिंग्स

संवाददाता। रांची

रांची के अपर बाजार रोड स्थित अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय बसंत मेले के दूसरे दिन शुक्रवार को लोगों ने जमकर खरीदारी की. बसंत मेला महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ हैं. मेले में महिलाओं व बच्चों की पसंद के विभिन्न प्रकार के सामान के स्टॉल लगे हैं, जिनमें सिल्क, तसर की साड़ियां, कुर्ती, गर्मियों में पहने वाले कपड़े (समर वेयर), ज्वेलरी, होम डेकोरेटिव आइटम, विभिन्न प्रकार के सूखा पापड़, स्नैक्स, आचार के साथ बच्चों के खिलौनों टॉय कार, होली की पिचकारी आदि उपलब्ध हैं. अभिषेक ने अपने स्टॉल में होममेड पापड़ और अचार के रखा है.

सुनीता सिन्हा के स्टॉल सुनितास पैंडोरा में मयूराक्षी ब्रांड की घिचा सिल्क की साड़ी, तसर सिल्क की साड़ी के अलावा डिजाइनर ब्लाउज, कुर्ती आदि है. मेले में श्रुति अपने स्टॉल 'इकेबाना बॉय श्रुति' में हैंडमेड इयररिंग्स, पेंडेंट की रिंग बनाती हैं. इस सभी चीजों को खुद से बनाती हैं. बताया कि ये सभी चीजें पॉलिमर क्ले के विभिन्न प्रकार के रंगों को जोड़कर बनाती हैं, जिन्हें बनाने में घंटों समय लग जाता हैं. इयररिंग्स को और भी खूबसूरत बनाने के लिए यूवी रेजिन का इस्तेमाल करती है.

मुड़हर पहाड़ बचाओ रैली में भाग लेने की अपील की गई

संवाददाता। रांची

कांके अंचल स्थित सुतियाम्बे पहाड़ पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ 17 मार्च को सुतियांबे में होनेवाली रैली और जनसभा में भाग लेने की अपील की गयी है. इस आशय की अपील शुक्रवार को करमटोली चौक के समीप धुमकुड़िया भवन में आयोजित एक प्रेसवार्ता में विभिन्न आदिवासी संगठनों के नेताओं ने की. कहा कि रैली में हजारों आदिवासी समाज के लोग शामिल होगें. कहा कि मुड़हर पहाड़ आदिवासियों की ऐतिहासिक धरोहर है. इसकी पहचान और विशिष्टता के साथ छेड़छाड़ की जा रही है. आरएसएस-हिंदूवादी संगठनों ने धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहर पर अतिक्रमण कर रहा है.अतिक्रमण पर सरना धर्मावलंबी बर्दाश्त नहीं करेगा. उन नेताओं के अनुसार आदिवासी संगठनों के नेताओं की मुख्य मांगें हैं मुड़हर पहाड़ को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, महाराजा मदरा मुंडा का पूजा स्थल को चिन्हितीकरण करके घेराबंदी किया जाए, महाराजा मदरा मुंडा के नाम पर आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज की रक्षा और विकास के लिए एक बोर्ड का गठन किया जाए.

किडनी दिवस | मेदांता हॉस्पिटल में 'किडनी हेल्थ फॉर ऑल' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डायलिसिस करा रहे मरीजों को दिया गया पुरस्कार

संवाददाता। रांची

मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल, इरबा ओरमांझी में विश्व किडनी दिवस के अवसर पर यहां डायलिसिस करा रहे मरीजों को पुरस्कार देकर उनकी हौसला आफजाई की गई. मौके पर निःशुल्क ओपीडी का आयोजन भी किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोग अपनी जांच कराने आये. नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. अमित कुमार ने बताया कि इस बार किडनी दिवस का थीम है 'किडनी हेल्थ फॉर ऑल'.

इसका मतलब है, सभी के लिए स्वस्थ किडनी. उन्होंने कहा कि किडनी रोग विश्व में तेजी से बढ़ रहा है और पूरे विश्व में 850 मिलियन लोग इससे पीड़ित हैं. किडनी की बीमारी का सही समय पर पता चल जाने से इसका इलाज हो सकता है. यदि किडनी में इंफेक्शन है या स्टोन है तो दवा या सर्जरी से इलाज संभव है, लेकिन इसके क्रॉनिक बन जाने पर डायलिसिस ही विकल्प बचता है. ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग जैसी बीमारियों का प्रतिकूल असर किडनी पर भी पड़ता है. उन्होंने कहा कि डायलिसिस लेने वाले मरीज भी अगर खान-पान में पूर्णरूप से परहेज रखें तथा नियमित जीवनशैली अपना लें तो वे भी लंबा जीवन जी सकते हैं.

नजरअंदाज न करें, विशेषज्ञ से मिलें

रोग से बचाव के लिए खाने में सोडियम और प्रोटीन की मात्रा पर नियंत्रण रखें, रोजाना 8 से 10 ग्लास पानी पीएं, फल और हरी सब्जियों का सेवन करें, ब्लड प्रेशर या फिर डायबिटीज जैसी बीमारियों का लक्षण दिखने पर हर छह महीने पर अपने पेशाब व खून की जांच कराएं. लक्षण के बारे में बताया गया कि पैरों और आंखों के नीचे सूजन, चलने पर सांस फूलना या थकान, रात में ज्यादा पेशाब लगना इसके लक्षण हैं.

चिंता-दबाव भी किडनी को प्रभावित करते हैं : डॉ विजय

डॉ. विजय सिंह ने बताया कि अधिक शराब पीने, नमक का ज्यादा सेवन करने, धूम्रपान करने तथा ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक्स पीने, ज्यादा समय तक पेशाब रोकने, दर्द निवारक दवा का अधिक उपयोग करने से किडनी पर प्रतिकूल असर पड़ता है. इसके अलावा ज्यादा चिंता और दबाव (स्ट्रेस) भी किडनी को प्रभावित करते हैं.

फेको विधि से आंखों का ऑपरेशन

संवाददाता। रांची

रांची के सदर अस्पताल में अब फेको विधि से आंखों का ऑपरेशन हो सकेगा. सदर के आई डिपार्टमेंट में फेको विधि से ऑपरेशन के लिए एसआईसीएस मशीन लगाई गई है. सदर अस्पताल के कर्मियों ने बताया कि एक महीने पहले मशीन इंस्टाल की गई थी. इससे अब सर्जरी की जा रही है.

इस मशिन के आने से मरीजों की आंखों का इलाज एक छोटा सा चीरा लगाकर हो जाएगा. इसमें मरीज को न तो दर्द होता है और न ही टांका लगाने की जरूरत पड़ती है. बुधवार को डॉ प्रतिश प्रणय ने ग्लूकोमा से ग्रसित एक बुजुर्ग महिला की सर्जरी फेके विधि से की थी. सदर में इस विधि से सर्जरी निशुल्क की गई है. जबकि इस ऑपरेशन के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में लाखों रुपये का खर्च आता है. बता दें कि सदर अस्पताल में आंखों की सर्जरी हफ्ते में चार दिन सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार किया जाएगा. मरीज आंखों का टेस्ट कराकर सर्जरी करा सकते हैं. छुट्टी के दिन होने पर सर्जरी नहीं की जाएगी. सर्जरी के लिए सदर में दो डॉक्टर और उनकी पूरी टीम लगी हुई है. डॉ वत्सल लाल और प्रतिश प्रणय अलग-अलग दिन मरीजों की सर्जरी कर रहे हैं. बताया जाता है कि मरीजों के इलाज के बाद उन्हें फॉलोअप के लिए अब राजधानी की दौड़ नहीं लगानी होगी. फॉलोअप के लिए हर ब्लॉक में बने विजन सेंटर पर इंतजाम किए जा रहे हैं. जहां पर आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर और आप्थैल्मिक असिस्टेंट उनकी जांच कर सलाह देंगे. इसके शुरू हो जाने से लोगों को सदर हॉस्पिटल की दौड़ नहीं लगानी होगी. आपात स्थिति में उन्हें सदर हॉस्पिटल रांची भेजा जाएगा.

चुनावी बॉन्ड पर से उठा परदा

इलेक्टोरल बॉन्ड्स का डेटा तो जारी हो गया है, लेकिन कई अहम जानकरियां अब भी जारी नहीं की गयी हैं. इलेक्टोरल बांड्स के डेटा का अभी विश्लेषण होना बाकी है. सुप्रीम कोर्ट की ओर से राजनीतिक चंदे के लिए शुरू किये गये इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिए जाने और चुनाव आयोग की ओर से इसका ब्योरा अपनी वेबसाइट पर जारी करने के बाद चुनावी फंडिंग पर से एक बड़ा परदा हट गया है. स्टेट बैंक आफ इंडिया ने चुनाव आयोग को जो आंकड़े दिए हैं. उनके मुताबिक़ एक अप्रैल 2019 से लेकर 15 फरवरी 2024 के बीच 12,156 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा दिया गया. बॉन्ड ख़रीदने वाले शीर्ष डोनर्स ने 5830 करोड़ रुपये दिए हैं, जो कुल राजनीतिक चंदे का लगभग 48 फीसदी है. इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार ने शुरू की थी और कहा गया था कि इससे राजनीतिक फंडिंग को लेकर पारदर्शिता आएगी. राजनीतिक चुनावी चंदे को लेकर अनेक सवाल उठाए जाते रहे हैं. अब आंकडों से जाहिर होगा कि जो कुछ कहा जाता रहा है, उसमें कितनी सच्चाई है. सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाली पांच में से तीन कंपनियों पर ईडी और इनकम टैक्स द्वारा कितनी लगाम कसी गयी, यह जानना भी दिलचस्प होगा. चंदा देने के बाद इन कंपनियों की जांच की दिशा क्या रही, इस रहस्य पर से परदा उठने में थोड़ा और वक्त लगेगा.

> लॉटरी कंपनी ने कुल 1300 करोड़ रुपये चंदा दिए हैं. यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि ईडी ने 2019 की शुरुआत में फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी थी.

सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये चंदा देने वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड है, जिसके मालिक सैंटियागो मार्टिन हैं. लॉटरी कंपनी ने कुल 1300 करोड़ रुपये चंदा दिए हैं. यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि ईडी ने 2019 की शुरुआत में फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी थी. उसी साल जुलाई में उसने कंपनी से जुड़े 250 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली थी. 2 अप्रैल, 2022 को ईडी ने कंपनी की 409.92 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली. इन संपत्तियों की जब्ती के पांच दिनों बाद 7 अप्रैल को फ्यूचर गेमिंग ने 100 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे. ईडी ने सैंटियागो मार्टिन और उसकी कंपनी फ्यूचर गेमिंग सोल्यूसन्स (पी) लिमिटेड, मौजूदा दौर में फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज (पी) लिमिटेड और इसके पहले मार्टिन लाटरी एजेंसीज लिमिटेड के खिलाफ पीएमएलए के प्रावधानों के तहत सीबीआई द्वारा दायर की गयी एक चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की. ईडी के मुताबिक मार्टिन और दूसरे लोग सिक्किम सरकार को धोखा देकर गलत तरीके से लाभ हासिल करने के लिए लॉटरी रेगुलेशन एक्ट 1998 के प्रावधानों के उल्लंघन के जरिये एक आपराधिक षड्यंत्र में शामिल हुए. अनिल अग्रवाल का वेदांता ग्रुप पांचवां सबसे बड़ा दानदाता है, जिसने 376 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं. उसने बॉन्ड की पहली किश्त अप्रैल 2019 में खरीदी. ध्यान देने वाली बात यह है कि ईडी ने वीजा के बदले घूस के मामले में वेदांता समूह के शामिल होने के प्रमाण होने का दावा किया, जिसमें चीनी नागरिकों को नियमों को तोड़ कर वीजा देने का आरोप लगा था.

सुभाषित

यदि सन्ति गुणाः पुंसां विकसन्त्येव ते स्वयं।
न हि कस्तूरिकामोदः शपथेन विभाव्यते।।

मनुष्य के गुण अपने आप फैलते हैं, बताने नहीं पडते. जिस तरह, कस्तूरी की गंध को सिद्ध नहीं करना पडता. अर्थात यदि आप में गुण है तो उसके बहुत प्रचार की आवश्यकता नहीं होती. गुण स्वयं ग्रहण करनेवालों तक पहुंच जाया करता है.

सबसे दिलचस्प चुनाव के मुहाने पर

वर्तमान परिस्थितियों में क्षेत्रीय दलों के या कांग्रेस के भी नेता भाजपा में शरीक होते हैं तो बात समझ में आती है, ऐन चुनाव के पहले भाजपा छोड़नेवाले भी महानुभाव हैं, यह जानकर मन कुछ-कुछ सोचने लगता है. दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे हरियाणा के सीएम मनोहर खट्टर को 12 मार्च को अचानक हटाकर नायब सिंह सैनी की ताजपोशी एंटीइंकम्बेंसी से बचाव और ओबीसी वोट पर भाजपा के धावे की ललक बयान करती है.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

हम एक ऐसे दिलचस्प चुनाव के मुहाने पर खड़े हैं, जिसमें हर तरफ से गारंटियां ही गारंटियां दी जा रही हैं. जब तक ये पंक्तियां आप तक पहुंचें, संभव है, चुनावी रणभेरी बज चुकी हो. इसके पहले पहली मर्तबा इतना कुछ घटने लगा, जिसकी सानी नहीं. कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय इस्तीफा कर भाजपा में शामिल हो गये तो आठ मार्च को चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया, हालांकि उनका कार्यकाल 5 दिसंबर 2027 तक शेष था और वे मुख्य चुनाव आयुक्त बन सकते थे. उन्होंने यह जानते हुए इस्तीफा किया कि आम चुनाव होने ही वाला है और उनकी रुखसती के बाद निर्वाचन आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ही बचेंगे. 7 मार्च को वे मुख्य चुनाव आयुक्त संग बंगाल गये थे, लेकिन प्रेस कांफ्रेंस से खुद को अलग रखा. अगले दिन वे केंद्रीय गृह सचिव संग होनेवाली बैठक में भी नहीं गये, अलबत्ता इस्तीफा जरूर कर दिया. उन्होंने निजी कारणों से पदत्याग की बात कही, लेकिन कुछ और बात तो है. उनके पहले 18 अगस्त 2020 को तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने 2019 के चुनाव में आयोग के कुछ फैसलों पर असहमति जताते हुए पदत्याग किया था. आखिर चुनाव आयुक्तों को हो क्या गया है? यही मर्ज पड़ोस में तब नजर आया था, जब चुनाव में धांधलियों को स्वीकारते हुए रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा ने 17 फरवरी को इस्तीफा कर दिया था.

उधर इलेक्टोरल बॉन्ड का हिसाब-किताब जमा करने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई को झिड़की देते हुए 11 मार्च को केवल 24 घंटे की मोहलत दी, उससे लगता है कि बॉन्ड में बड़ा झोल है. बैंक ने 04 मार्च को अर्जी लगाकर 30 जून तक समय मांगा था. तबतक तो आम चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाती. शीर्ष अदालत के आदेश पर इलेक्टोरल बॉन्ड की मार्फत राजनीतिक दलों को मिली रकम चुनाव आयोग द्वारा 15 मार्च तक सार्वजनिक किया जाना है. भले ही धनिकों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, लेकिन गरीबों को यह जानने का हक है कि आदर्श राजनीतिक दलों पर किस प्रकार धन वर्षा की जाती है.

इधर जिस तरह राजनीतिक गतिविधियां परवान चढ़ रही हैं, वे तसल्लीबख्श नहीं कही जा सकतीं. 10 मार्च को एक सीनियर भाजपा सांसद अनंत हेगड़े ने पार्टी के नारे 'अबकी बार 400 पार' का खुलासा करते हुए बेंगलुरू में कहा, हमें 400 पार सांसद इसलिए चाहिए, ताकि हम संविधान संशोधन कर सकें. 11 मार्च को अधिसूचित सीएए का '400 पार' से गहरा रिश्ता है न! उधर, झाड़ग्राम के भाजपा सांसद कुनार हेम्ब्रम ने इस्तीफा कर दिया और भाजपा विधायक मुकुट मणि अधिकारी टीएमसी में चले गये तो हरियाणा के भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह कांग्रेस के हो गये, जबकि ईडी के घेरे में फंसे उद्धव ठाकरे गुट के विधायक रविंद्र वायकर सत्ताधारी एनडीए की पार्टनर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में चले गये. वर्तमान परिस्थितियों में क्षेत्रीय दलों के या कांग्रेस के भी नेता भाजपा में शरीक होते हैं तो बात समझ में आती है, ऐन चुनाव के पहले भाजपा छोड़नेवाले भी महानुभाव हैं, यह जानकर मन कुछ-कुछ सोचने लगता है. दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे हरियाणा के सीएम मनोहर खट्टर को 12 मार्च को अचानक हटाकर नायब सिंह सैनी की ताजपोशी एंटीइंकम्बेंसी से बचाव और ओबीसी वोट पर भाजपा के धावे की ललक बयान करती है. कई महीनों से मौन धारण किये मूलतः भाजपाई, फिलहाल झारखंड के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने 10 मार्च को एक बार फिर मुंह खोला. उन्होंने भारतीय जनतंत्र मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा, पिछली सरकार, जिसमें मैं मंत्री था, में 35 घोटाले हुए, जबकि तीन घोटालों में हेमंत सोरेन बंदी बना लिये गये. ईडी और सीबीआई ऐसा जरूर करे ताकि उसका दोहरा मानदंड नजर न आये. जाहिर है कि वे पूर्ववर्ती एनडीए सरकार पर ही निशाना साध रहे थे. उनको आम चुनाव में भाजपा से टिकट मिलने की चर्चा थी, लेकिन बात बनी नहीं. उधर, बिहार में लालू प्रसाद के करीबी नेता और बालू कारोबारी सुभाष यादव के ठिकानों पर छापामारी के बाद ईडी ने 10 मार्च को गिरफ्तारी कर ली और 12 मार्च को झारखंड की कांग्रेस विधायक अम्बा प्रसाद के ठिकानों पर दबिश डाल दी. ईडी, सीबीआई या आईटी भले ही बिला वजह कार्रवाई न कर रहे हों, किंतु एक सवाल तो है, कुछ खास राजनीतिक दलों से जुड़े लोग या संस्थाएं ही उनकी नजरों पर क्यों चढ़ रहे हैं? सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दशक के यूपीए कार्यकाल में पिंजरे का तोता कहा था, अब ये एजेंसियां कहीं एटम बम तो नहीं बना दी गई हैं? 140 करोड़ वाले देश में भले ही 81.5 करोड़ लोग सरकार द्वारा दिये जा रहे पांच किलो राशन पर जीवन बसर कर रहे हैं, लेकिन सरकारी खजाने इतने लबालब हैं कि आये दिन जैकेट पेज के अलावा भी दो-दो, तीन-तीन पेज का विज्ञापन जारी करने में कोई संकोच नहीं करते. गरीबों के देश की सरकारें कितनी अमीर हैं और केंद्र की सरकार कितना ख्याल रखती है! उसने महिला दिवस के दिन रसोई गैस की कीमतों में सौ रुपये की कमी कर देश भर की महिलाओं को सौगात दी. इसके पहले तक रसोई गैस की कीमतें सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती ही चली जा रही थीं, उसे क्या कहेंगे? दरअसल धन तो अब बरसनेवाला है. भले ही यह इकतरफा हो, लेकिन चुनाव के समय जितनी शाहखर्ची दिखायी जाएगी, उसकी मिसाल ढूंढते रह जाएंगे. चुनाव बाद ताज जिसके सिर जाए, अभी हर ओर से चक्रव्यूह रचा जा रहा है और राजा-महाराजाओं की हर शाहखर्ची की कीमत अवाम को ही चुकानी पड़ती है. इसके लिए तैयार रहना चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मायावी ज्ञान

एक गांव में सप्ताह के एक दिन प्रवचन का आयोजन होता था. इसकी व्यवस्था गांव के कुछ प्रबुद्ध लोगों ने करवाई थी ताकि भोले-भाले ग्रामीणों को धर्म का कुछ ज्ञान हो सके. प्रवचन के लिए प्रबुद्ध जन ढूंढ कर किसी न किसी ज्ञानी को बुलाते थे और गांव वाले उनके प्रवचन का आनंद उठाते थे. एक बार उन्हें एक ऐसे ज्ञानी से पाला पड़ गया, जिसे समझना बहुत ही मुश्किल हो गया. एक दिन उस ज्ञानी पुरुष को बुलाया गया. गांव वाले समय से पहुंच गए. ज्ञानी पुरुष ने पूछा - क्या आपको मालूम है कि मैं क्या कहने जा रहा हूं? गांव वालों ने कहा - नहीं तो.... ज्ञानी पुरुष गुस्से में भरकर बोले - जब आपको पता ही नहीं कि मैं क्या कहने जा रहा हूं तो फिर क्या कहूं. वह नाराज होकर चले गए. गांव वाले भौंचक रह गये. उन्हें दुखी देखकर गांव के सरपंच उनके पास दौड़े हुए पहुंचे और क्षमायाचना करके कहा कि गांव के लोग तो अनपढ़ हैं, वे क्या जानें कि क्या बोलना है. ज्ञानी पुरुष और सरपंच के बीच काफी समय तक विवाद होता रहा. किसी तरह उन्होंने ज्ञानी पुरुष को फिर आने के लिए मना लिया. अगले दिन आकर उन्होंने फिर वही सवाल किया -क्या आपको पता है कि मैं क्या कहने जा रहा हूं? इस बार गांव वाले सतर्क थे. उन्होंने छूटते ही कहा - हां, हमें पता है कि आप क्या कहेंगे. ज्ञानी पुरुष भड़क गए. उन्होंने कहा -जब आपको पता ही है कि मैं क्या कहने वाला हूं तो इसका अर्थ हुआ कि आप सब मुझसे ज्यादा ज्ञानी हैं. फिर मेरी क्या आवश्यकता है? यह कहकर वह चल पड़े. गांव वाले फिर दुविधा में पड़ गए कि आखिर उस सज्जन से किस तरह पेश आएं, क्या कहें. उन्हें फिर समझा-बुझाकर लाया गया. इस बार ज्ञानी पुरुष को ही चौंकने की बारी थी. हुआ यह कि जब उन्होंने वही सवाल किया तो गांव वाले उठकर जाने लगे. ज्ञानी पुरुष ने क्रोध में कहा - अरे, मैं कुछ कहने आया हूं तो आप लोग जा रहे हैं. इस पर कुछ गांव वालों ने हाथ जोड़कर कहा – देखिए महाराज, आप परम ज्ञानी हैं. हम गांव वाले मूढ़ और अज्ञानी हैं. हमें आपकी बातें समझ में नहीं आतीं. कृपया अपने अनमोल वचन हम पर व्यर्थ न करें. ज्ञानी पुरुष अकेले खड़े रह गए. उनका घमंड चूर-चूर हो गया. घमंड करने वाले का सिर कभी न कभी झुकता ही है और वह भी शर्मिंदगी के साथ.

चुनावों में पारदर्शिता के लिए और ठोस पहल जरूरी

• विमर्श

विश्वनाथ

चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था जब से हुई थी, उसके औचित्य पर सवालिया निशान लग रहे थे. शंका इस बॉन्ड को लेकर नहीं, इसके बारे में जनता को जानकारी न देने को लेकर थी. यह तो देश के मतदाता को बताया जा रहा था कि कितने के बॉन्ड बिके और किस पार्टी के हिस्से में कितने रुपये आये, पर यह बताने से लगातार इंकार किया जाता रहा कि पैसा दिया किसने. यह जानकारी यदि मतदाता को मिल जाती तो शायद उसे यह भी समझ आ जाता कि बॉन्ड खरीदने वाले ने किसको क्या दिया और उसके बदले में उसे क्या मिला? यही बात थी जिसे छिपाया जा रहा था. लेकिन क्यों? क्यों मतदाता को यह पता न चले कि किस धन्नासेठ ने किस राजनीतिक दल को कितना दिया है? एक तरफ तो हमने जानकारी के अधिकार को जनतांत्रिक मूल्य के रूप में स्वीकारा है और दूसरी ओर राजनीतिक दलों और कार्पोरेट के आर्थिक रिश्तों पर इस तरह पर्दा डालने की कोशिश का क्या मतलब निकाला जाये? मतलब साफ है. इस व्यवस्था के चलते राजनीतिक दल, विशेषकर सत्तारूढ़ दल के लिए अपने आर्थिक व्यवहार की अनियमितता को छिपाना आसान हो रहा था. जनतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ने वाले इस 'आसानी' का विरोध कर रहे थे. मामला अदालत में पहुंचा. सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मतदाता को यह जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है कि किसने किस राजनीतिक दल को कितना पैसा दिया है. इसके साथ ही न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एक निश्चित तिथि तक यह सारी जानकारी देने का निर्देश भी दिया था. लेकिन आश्चर्य की बात है कि उस तिथि के एक दिन पहले स्टेट बैंक ने न्यायालय को यह बताया कि जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उसे अधिक समय की आवश्यकता है. उसने 'अधिक समय' को भी परिभाषित किया-बैंक ने जानकारी देने के लिए उतना समय मांगा था, जितने में देश में आम चुनाव हो जाते. मतलब साफ था- बैंक चाहता था कि उक्त जानकारी चुनाव के बाद दी जाये, ताकि सत्तारूढ़ दल को होने वाला संभावित खतरा टल जाये. यह निश्चित रूप से तो नहीं कहा जा सकता कि जानकारी किसी दल विशेष के लिए ही खतरा उत्पन्न करती, पर यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि यह खतरा सत्तारूढ़ दल के लिए अधिक होता. इसीलिए स्टेट बैंक की इस पेशकश को सत्तारूढ़ दल के बचाव की एक कोशिश समझा गया. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनावी बॉन्ड के बारे में जानकारी उपलब्ध न कराने के लिए स्टेट बैंक बहानेबाजी ही कर रहा था. उच्चतम न्यायालय ने इस बहानेबाजी को समझा और स्पष्ट शब्दों में बैंक को निर्देश दिया कि एक दिन में ही सारी जानकारी चुनाव-आयोग को उपलब्ध कराये और चुनाव-आयोग को भी निर्देश दे दिये गये कि वह भी एक निश्चित दिन तक यह जानकारी देश के मतदाता तक पहुंचा दे. बैंक ने शीर्ष अदालत के निर्देश पर आयोग को जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है. बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मददगार सिद्ध होगा. लेकिन, इस संदर्भ में जो कुछ हुआ है, उससे यह सवाल तो उठता ही है कि स्वायत्त सरकारी एजेंसियां सरकार के दबाव में तो काम नहीं कर रहीं? आखिर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जानकारी देने के लिए इतना अधिक समय क्यों मांगा? क्या कोई दबाव था उस पर? आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी शक्तिशाली एजेंसियों पर सरकारी दबाव में काम करने के आरोप लगते ही रहते हैं, ऐसा नहीं है कि बैंकों पर सरकारें दबाव नहीं डालती रहीं, पर चुनावी बॉन्ड के मामले में स्टेट बैंक जैसी समर्थ संस्था पर सरकारी दबाव का ऐसा आरोप लगना जागरूक नागरिकों के लिए अतिरिक्त चिंता का विषय होना चाहिए. चुनावी बॉन्ड को लेकर बरती गयी अनावश्यक गोपनीयता के बाद बैंक पर सत्तारूढ़ दल के कथित दबाव का संदेह होना एक गंभीर बात है. जैसा कि कहते हैं, न्याय होना ही नहीं चाहिए, होते हुए दिखना भी चाहिए, स्वायत्त संस्थाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अधिकारों-कर्तव्यों के प्रति सजग होंगी. अतिरिक्त समय की मांग करके और चुनावों के समय के साथ अवधि के जुड़ने से उत्पन्न संदेह न होता तो बेहतर था. यहीं, चुनाव-आयोग के गठन का मसला भी कम महत्वपूर्ण नहीं. पहले उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता विपक्ष मिलकर आयोग के सदस्यों का चुनाव करते थे, लेकिन अब संसद में बहुमत का सहारा लेकर सरकार ने नया कानून बनाया है, मुख्य न्यायाधीश चयन-समिति में नहीं रहे, उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा किसी मंत्री को उसमें शामिल किया गया है.

> जनतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ने वाले इस 'आसानी' का विरोध कर रहे थे. मामला अदालत में पहुंचा. सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मतदाता को यह जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है कि किसने किस राजनीतिक दल को कितना पैसा दिया है. इसके साथ ही न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एक निश्चित तिथि तक यह सारी जानकारी देने का निर्देश भी दिया था.

विपक्ष के लिए चुनावी खतरे की घंटी है सीएए

• सामयिकी

दीपक पाचपोर

ऐसे वक्त में जब देश आम चुनावों की दहलीज पर है, भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट- सीएए), 2019 को सोमवार को अधिसूचित कर अपने कई इरादों को जाहिर कर दिया है. भाजपा के एकमात्र चेहरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि में लगातार गिरावट तथा उनकी सरकार की सभी मोर्चों पर नाकामियां दर्ज होने के बाद सीएए लाना यही बतलाता है कि 10 वर्षों तक सरकार चलाने के बाद भी पार्टी का एकमात्र हथियार अब भी ध्रुवीकरण ही है. इतना ही नहीं, सीएए लागू करने के बाद केन्द्र सरकार अगर तीसरा कार्यकाल पाने में सफल हो जाती है तो वह और क्या करने जा रही है- इसका भी संकेत इसी में छिपा हुआ है. मोदी व भाजपा को तीसरी बार सत्ता में लाना देश के लिए कितना खतरनाक हो सकता है- सम्भवतः यह समझ विपक्षी दलों एवं इंडिया गठबन्धन को इससे हो जानी चाहिये. हालांकि देखना यह भी होगा कि सीएए भाजपा ऐसे वक्त पर भी लेकर आई है जब वह इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट के कठघरे में है, जहां से यह संदेश देश भर में चला गया है कि उसने देश के धनिक वर्ग से खूब पैसे बटोरे हैं. सीएए काफी समय से लम्बित था. 2019 में पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा से यह पारित तो हो गया था, परन्तु कोरोना के कारण इसे लागू नहीं किया गया था. इसका मकसद तीन पड़ोसी देशों-पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान से आने वाले वहां के अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है, जो उन देशों में धार्मिक रूप से प्रताड़ित हैं. ये सारे ही गैर मुसलिम समुदाय हैं. यह कह देना और इतना ही समझ लेना पर्याप्त नहीं है कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स पर सरकार की हो रही फजीहत से ध्यान बंटाने के लिए भाजपा सरकार सीएए लेकर आई है. भाजपा पहले भी इसे लागू करना चाहती थी, पर विभिन्न कारणों से ऐसा वह कर नहीं पायी थी. तीसरी बार मोदी इन्हें लागू करने के लिए ही सत्ता में आना चाहते हैं. नागरिकों पर कई तरह से निगरानियां होने एवं नागरिकता छीनने के हथियार किसी भी सरकार के पास उपलब्ध हो जायेंगे तो नागरिक स्वतंत्रता का क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है. पुराने दस्तावेजों के आधार पर लोगों की नागरिकता की शर्त को वे ही लोग पूरा कर सकेंगे, जिनका जीवन सुव्यवस्थित व सुविधापूर्ण है. गरीब, दलित, अल्पसंख्यक, प्रवासी मजदूर, किसान, आदिवासियों जैसे वर्गों के लिए अपनी नागरिकता साबित करना मुश्किल हो जायेगा. यह आशंका पहले भी व्यक्त की गयी थी, अब उसका खतरा कहीं साकार रूप में सामने आता दिख रहा है. सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है. सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये. यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा. इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है, जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था. यदि अगले कार्यकाल में उसे बड़ा बहुमत मिला तथा उसकी सरकार बनती है तो संविधान में किसी भी तरह के बदलाव के लिए तैयार रहना होगा- लोकतांत्रिक प्रणाली के बदले एकदलीय व्यवस्था से लेकर राष्ट्रपति शासन व्यवस्था- कुछ भी लागू हो सकती है. एक ऐसा शासन देखने को मिल सकता है, जिसमें भाजपा के अलावा सारे दल समाप्त हो सकते हैं और जिस 'कांग्रेस मुक्त' से 'विपक्ष मुक्त भारत' का सपना भाजपा देखती आ रही है- उसे वह पा सकेगी. सम्भावित प्रणाली में वह सब होता दिखेगा, जिसकी झांकियां पिछले 10 वर्षों से देशवासी देखते आ रहे हैं. इसमें बहुसंख्यकों का वर्चस्व होगा व अल्पसंख्यक दोयम दर्जे के समझे जायेंगे. भाजपा के अनुषांगिक संगठन एवं मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस मनुस्मृति का जिक्र बहुत आत्मीयता से करता है तथा उसे लागू होते देखना चाहते हैं, उसमें देर नहीं लगेगी. इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा एवं उसके समविचारी संगठनों का भारतीय संविधान में कोई विश्वास नहीं है. विकल्प के रूप में उनके पास मनुस्मृति ही है.अगर ऐसा है तो एक बार फिर से भारतीय समाज गैरबराबरियों से परिपूर्ण होगा. बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के बीच ही नहीं, वरन हिन्दुओं के बीच अगड़ों व पिछड़ों के बीच खाई गहराएगी. समाज का यह विभाजन ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज दोनों ही होगा.

> सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है. सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये. यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा. इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है, जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था.

मीडिया में अन्यत्र

एक देश एक चुनाव : रिपोर्ट पेश

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति, जिसकी स्थापना सरकार के तीनों स्तरों पर एक साथ चुनाव की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए की गई थी, उसने सर्वसम्मति से इस विचार का समर्थन किया है और गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजी गई रिपोर्ट में इसकी अनुशंसा की है. केंद्र और राज्य स्तरों पर सरकार बनाने के लिए चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं और एक साथ चुनाव कराने का विचार भी नया नहीं है. आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होते थे. यानी मूल विचार यह है कि संविधान में संशोधन के जरिये एक साथ चुनाव की व्यवस्था बन सके और इसे चुनाव प्रक्रिया का स्थायी गुण बनाया जा सके. एक साथ चुनाव कराने की बात सैद्धांतिक तौर पर समझदारी भरी लगती है और इसकी कई वजह हैं. उदाहरण के लिए चुनावी लोकतंत्र की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को देखते हुए निरंतर चुनाव नीतिगत बहस को प्रभावित करते हैं, क्योंकि चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्यों तथा केंद्र में राजनीतिक दल अपने आचरण में बदलाव करते हैं. अगर एक साथ चुनाव होंगे तो सत्ताधारी दल तथा विपक्षी दल दोनों नीतिगत मामलों पर अगले आम चुनाव होने तक ठोस तरीके से काम करेंगे. इससे अनिश्चितता कम होगी और वृद्धि को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी. पैनल ने जो तकनीकी काम प्रस्तुत किया है, वह दिखाता है कि वृद्धि, मुद्रास्फीति, निवेश और सार्वजनिक व्यय के संदर्भ में एक साथ चुनाव कराने से लाभ होगा. अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की प्रत्यक्ष राजकोषीय कीमत बहुत अधिक नहीं है, लेकिन इससे उत्पन्न नीतिगत अस्थिरता शासन को प्रभावित करती है. यह विचार बेहतर है, लेकिन असली चुनौती है एक ऐसी प्रणाली तैयार करना जहां एक साथ चुनाव कराए जा सकें. ऐसा इसलिए कि लोक सभा या राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव कई बार भिन्न-भिन्न वजहों से अलग-अलग समय पर हो सकते हैं. पैनल ने इस संदर्भ में यह अनुशंसा की है कि सबसे पहले राज्यों की विधान सभाओं और लोक सभा के चुनावों को सुसंगत बनाया जाना चाहिए.स्थानीय निकायों के चुनाव पहले चरण के 100 दिन के भीतर कराये जा सकते हैं. ऐसा करने के लिए समिति ने कहा है कि आम चुनाव के बाद लोक सभा की पहली बैठक एक नियत तिथि को होनी चाहिए. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अंगार/अगार

कपि करि हृदयं बिचार, दीन्हि मुद्रिका डारि तब. जनु असोक अंगार, दीन्ह हरषि उठि कर गहेउ. यह रामचरितमानस के सुंदरकांड की चौपाई है. प्रसंग है, अशोक वटिका में माता सीता बैठी हैं. रावण आता है और उन्हें अपनी ओर देखने को कहता है. जब सीता नहीं देखतीं तो वह धमकी देता है-मास दिवस मोहि कहा न माना तो मैं काटब काढि कृपाना. वह वहां तैनात भयंकर राक्षसियों को सीता को खूब सताने का निर्देश देकर चला जाता है. सीता माता दुःखी होकर अशोक वृक्ष से प्रार्थना करती हैं कि अशोक आप तो सबके शोक हरनेवाले हैं. मुझे अंगार दे दीजिए, ताकि मैं स्वयं को जला कर कहानी ही समाप्त कर लूं. उसी अशोक वृक्ष पर हनुमान जी विराजमान हैं. सीता माता को दुःखी देखकर उन्होंने भगवान राम की दी हुई मुद्रिका उनके सामने गिरा दी. सीता माता ने यह समझ कर हर्षित होते हुए मुद्रिका उठा ली कि अशोक ने उन्हें अंगार दे दिया. यह अंगार क्या है? हिंदी शब्द सागर के अनुसार अंगार संस्कृत का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है दहकता हुआ कोयला, आग का जलता हुआ टुकड़ा, बिना धुएं की आग, मंगल, लाल रंग, हितावली नाम का पौधा. इस शब्द का विशेषण के रूप में अर्थ है लाल रंग वाला. अंगार से कई मुहावरे हिंदी भाषा में खूब चलते हैं. जैसे अंगार उगलना यानी कड़ी-कड़ी बातें मुंह से निकालना, अंगार बनना यानी गुस्से से भर जाना, अंगार बरसना यानी अत्यधिक गर्मी पड़ना, दैवी आपत्ति आना. अंगार के पहले अक्षर से अगर अनुस्वार गायब हो जाये तो शब्द बनेगा अगार. यह भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है निवास स्थान, धाम, गृह, आगे का स्थान, अगला हिस्सा, अग्र भाग, अगाड़ी, पहले, प्रथम, अगुआ, नेता, मुखिया. इससे बनता है अगारदाही, जिसका मतलब है मकान को जलानेवाला व्यक्ति. अगारि का मतलब है कम गहरा. इसी प्रकार अगारी शब्द का मतलब है अगाड़ी, मकान मालिक.

गलत कहूं तो मेरा नाम बदल देना!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

पहचान के लिए नामकरण ज़रूरी है. जबतक किसी वस्तु या व्यक्ति को कोई नाम नहीं दे दिया जाता, उसकी विशिष्ट पहचान नहीं हो पाती. बच्चे के पैदा होते ही उसका कोई न कोई नाम रख दिया जाता है. उसका नामकरण बड़े समारोह पूर्वक किया जाता है. नाम वस्तु या व्यक्ति से कुछ इस प्रकार जुड़ जाता है कि दोनों को अलग नहीं किया जा सकता. लोटा नाम न हो तो लोटा आप किसे कहेंगे? देश में एक बार नाम बदलने की मुहिम शुरू हो गई. बल्कि कहना चाहिए, नाम बदलने की राजनीति ही आरम्भ हो गई. जिसका भी नाम पसंद नहीं आया, उसे बदल डाला गया. एक का बदला, दूसरे का बदला, तीसरे, चौथे का बदला. सिलसिला चल निकला. नाम बदलने का यह सिलसिला फिलहाल तो नगरों और स्थानों तक ही सीमित है, पर बात निकली है तो न जाने कहां तक पहुंच जाए और व्यक्तियों के भी नापसंद नाम तक बदल दिए जाएं! जिला फैजाबाद को अयोध्या बनाया गया है. क्या पता फैज़ अहमद फैज़ को अयोध्या अहमद अयोध्या कहने पर बाध्य कर दिया जाए. कोई कोई नाम इस प्रकार मजेदार यात्रा करने का अच्छा खासा मज़ा लूटते हैं. काशी को बनारस कहें या वाराणसी, शहर तो वही रहेगा. बंबई मुम्बई हो गया और मद्रास, चेन्नई बन गया, लेकिन शहर जैसे थे वैसे ही रहे इलाहाबाद पहले शायद प्रयाग हुआ करता था, अब प्रयागराज हो गया है. लेकिन इलाहाबाद का जो विशिष्ट इलाहाबादी मिज़ाज है, वह प्रयागी मिज़ाज तो कभी बन नहीं सकता. राजनीति से प्रेरित कुछ लोगों को कुछ नाम गवारा नहीं होते. वे इन नागवार नामों को को मिटा देना चाहते हैं. गलत कहूं तो मेरा नाम ही बदल देना. राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट. लोगों ने राम नाम को खूब लूटा है. किसी के नाम के आगे राम हैं तो किसी के नाम के पीछे राम विराजमान हैं. कोई राम प्रकाश है तो कोई तेनाली राम हैं. तो कोई खुद ही रामजी बने बैठे हैं. किसी के लिए राम-राम अभिवादन बन गया तो कोई धत-काम के लिए मुंह बिरा कर राम राम कहने लगा. मरने पर तो राम राम सत्य हो ही जाती है. कोई असंभव काम न हो पाए तो राम भजो. वैसे भी राम नाम के जाप की हिन्दू धर्म में बड़ी महत्ता मानी गई है. बाकी समय पर हम राम की सत्यता पर भले ही शक करें,मरने पर तो राम नाम सत्य हो ही जाता है. जो बात अन्य वस्तुओं और व्यक्तियों पर सही है, राम पर भी सही उतरती है. राम को किसी भी नाम से क्यों न पुकारें, (भगवान कहें, 'गॉड' कहें, अल्लाह कहें) राम तो राम ही रहेगा. नाम में क्या रखा है?

बायोस्कोप

इंटरव्यू

मेरे फिल्मी करियर की सबसे कठिन फिल्म है बस्तर : अदा

फिल्म 'द केरल स्टोरी' के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा की नई फिल्म 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' को लेकर चर्चा में है जो शुक्रवार को ही रिलीज हुई है. अदा शर्मा के शब्दों में यह फिल्म उनके करियर की सबसे कठिन फिल्म है. इस फिल्म में अदा शर्मा ने बस्तर की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नीरजा माधवन की भूमिका निभाई है जो गर्भवती भी है. आइए, अदा शर्मा से साक्षात्कार के अंश से हों रू-ब-रू

'द केरल स्टोरी' ने आपके जीवन पर क्या प्रभाव डाला?

बेशक व्यक्तिगत जीवन वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं आया है. हां प्रोफेशनल जीवन में महसूस होता है कि अब लोगों का मेरे प्रति विश्वास बढ़ा है. उस वक्त वाकई बेहद खुशी होती है जब शाहरुख खान, सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार की बड़ी-बड़ी फिल्म के साथ लोग मेरी छोटी सी फिल्म का नाम भी ले लेते हैं.

तब तो 'द केरल स्टोरी' के बाद ऑफरों की भरमार हो गई होगी?

ऑफर तो आते रहते हैं, लेकिन अभी भी कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स का इंतजार है. किसी फिल्म के लिए ना कहना मेरे लिए सुखद स्थिति नहीं है, पर अच्छा काम करना ही मेरी प्राथमिकता है. 'द केरल स्टोरी' के बाद लोगों की मुझसे बेहतर काम करने की उम्मीदें बढ़ी हैं और मैं उन्हें निराश नहीं करना चाहती.

वेब सीरीज 'सनफ्लावर सीजन 2' करने की कोई खास वजह?

इस सीरीज में मेरा रोजी का किरदार है. इस किरदार को निभाने अनुभव बहुत शानदार रहा. यह किरदार मेरे दिल के करीब है, इसीलिए किया.

'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' में काम का क्या अनुभव रहा?

यह मेरे फिल्मी करियर का सबसे कठिन फिल्म है. हालांकि इससे पहले मैं समझती थी कि 'द केरल स्टोरी' ही मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म हैं. इस फिल्म में मैंने आईजी नीरजा माधवन की भूमिका निभाई है. पहले यह किरदार पुरुष पात्र के हिसाब से लिखा गया था. मुझे खुशी है कि इसे निभाने का मुझे मौका मिला.
यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है. हमारे देश के अंदर के ही दुश्मनों ने हमारे 76 जवानों को मार दिया. इस घटना के बारे में तो सबको पता है. यह कितनी दुखद बात है कि हमारे देश में ही हमारे दुश्मन छुपे बैठे हैं. इस फिल्म में हर किरदार का अपना महत्व है. चाहे वह छोटा किरदार हो या फिर कोई दूसरा किरदार हो. इस फिल्म का हर किरदार अपने आप में हीरो है.

हस्ताक्षर

आलम आरा से मिली थी भारतीय सिनेमा को आवाज

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

आज यह जानकारी वाकई चकित करती है कि भारत में सिनेमा को आवाज भले ही 1931 में मिली, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने उस पर सेंसर 1918 में और मनोरंजन कर 1922 में ही लगाना शुरू कर दिया था. भारत में सिनेमा के आरंभिक दौर के विवेचन पर लगता यही है कि यहां सिनेमा अपनी संप्रषणीयता और लोकप्रियता के लिए ध्वनि की प्रतिक्षा में नहीं था. भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जुड़ी फिल्मों की अपार सफलता ने फिल्मकारों के सामने विषय का असीम क्षितिज ला खड़ा किया. 1918 में एस.एन. पाटनकर ने 'रामवनवास' के कथानक पर चार फिल्मों की लगातार बनाकर एक नयी शुरूआत की. इस दौर में अधिकांश फिल्में धार्मिक- ऐतिहासिक कथानकों पर ही बनीं. यह फिल्मकारों का दोहरा हित साध रही थीं, एक ओर गुलामी के दौर से गुजरती जनता को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने की उन्हें रचनात्मक संतुष्टि मिलती, दूसरी ओर फिल्म को मिल रही सफलता उन्हें व्यापारिक लाभ भी देती. इतना ही नहीं, भारतीय सिनेमा ने विश्व स्तर की अपनी पहचान भी ध्वनि हासिल करने के पूर्व ही प्राप्त कर ली थी, जब हिमांशु राय ने 1925 में एक जर्मन फिल्म कंपनी के साथ गौतम बुद्ध के जीवन पर आधारित 'लाइट ऑफ एशिया' बनायी. इस फिल्म को लंदन में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में स्वीकार किया गया. जिस समय सिनेमा को ध्वनि का कमाल हासिल हुआ, उस समय भारत में मूक सिनेमा लोकप्रियता के शिखर पर था. 1931 में जब आर्देशिर ईरानी 'आलमआरा' बना कर भारतीय सिनेमा में एक नयी शुरूआत करने जा रहे थे, उस वर्ष भी भारत में 207 मूक फिल्में रिलीज हुई और यह क्रम कमोबेश 1934 तक जारी रहा. नयी तकनीक के प्रति आरंभिक हिचक भारतीयों के स्वभाव में आज भी है, जाहिर है उस समय के फिल्मकार भी इससे परे नहीं थे, लेकिन ध्वनि के जादू से सम्मोहित होने से अपने आपको अधिक देर तक वे बचाये नहीं रख सके.

अमेरिका में 1927 में एलन क्रासलैंड ने पहली बोलती फिल्म 'द जाज सिंगर' बनायी जिसका भारत में कलकत्ता के एलफिंस्टन पैलेस को भारत के पहले 'टॉकिज' का श्रेय मिला. टॉकीज के आने की देर थी कि कभी भारत में हॉलीवुड के यूनिवर्सल पिक्चर्स के प्रतिनिधि रहे आर्देशिर ईरानी ने लंदन जाकर ध्वनि मुद्रण की कला सीखी और 1931 में भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलमआरा' बन कर तैयार हुई. यह फिल्म 10500 फीट लम्बी थी और उस समय इसकी लागत लगभग 40 हजार रूपए आयी थी. सुर और संगीत से सजी इस अनूठी कृति को देखने लोग उमड़ पड़े. कहा जाता है कि सिनेमा के टिकटों की कालाबाजारी की परंपरा भी 'आलम आरा' के साथ ही शुरू हुई.

दुःखद है कि आज 'आलमआरा' की एक भी प्रति भारत में उपलब्ध नहीं है. लेकिन उस समय की टिप्पणियों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह फिल्म मूल रूप से पारसी थियेटर शैली में प्रदर्शित नाटक का फिल्मांकन भर थी. कैमरे का मूवमेंट उस समय नहीं था. राजघराने के परंपरागत प्रेम, धोखे, हत्या और युद्ध के कथानक पर आधारित इस फिल्म में जुबैदा के साथ पृथ्वीराज कपूर और धार्मिक फिल्मों के लोकप्रिय नायक मास्टर बिट्ठल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी. भारत में बोलती फिल्मों की शुरूआत में सबसे बड़ी समस्या भाषा की थी. फिल्मकारों के सामने चुनौती थी ऐसी भाषा के चुनाव की जो सौ से भी अधिक भाषाओं उपभाषाओं वाले मुल्क में समान संप्रेषणीयता के साथ वृहत्तर समुदाय के पास पहुंच सके. आर्देशिर ईरानी ने गहन समझ-बूझ के साथ पहली बोलती फिल्म के लिए हिंदी-उर्दू के संयोग से बनी 'हिन्दुस्तानी' का चुनाव किया जिसका निर्वहन हिंदी सिनेमा आज भी कर रहा है.

फिल्म रिव्यू
बस्तर द नक्सल स्टोरी

फिल्म में नजर आया झारखंड सा दर्द

झारखंड हो या छत्तीसगढ़, नक्सलवाद कई दर्द की वजह रहा है जिस पर सरकारें पूरी तरह कभी काबू नहीं पा सकी. नक्सलवाद और नक्सलियों पर कई फिल्में भी बनी हैं. अब विपुल शाह द केरल स्टोरी के बाद नक्सल स्टोरी लाए हैं. फिल्म में अपनी पिछली सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' से बॉक्स ऑफिस पर सफलता का झंडा गाड़ने वाली एक्ट्रेस अदा शर्मा, डायरेक्टर सुदीप्तो सेन और क्रिएटिव प्रोड्यूसर विपुल शाह की तिकड़ी एक बार फिर साथ है. फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' से नक्सलवाद की स्याह सच्चाई को इस तिकड़ी ने सामने लाने की कोशिश की है जिसकी चर्चा हो रही है.

यह है कहानी

फिल्म की शुरुआत बस्तर के एक भीतरी इलाके में कुछ ग्रामीणों के द्वारा तिरंगा के सामने राष्ट्रगान से होती है. इससे नक्सली बौखला गए. उन्होंने तिरंगे की जगह लाल झंडा फहराया. इतना ही नहीं जिस ग्रामीण ने तिरंगा फहराया उसकी विभत्स हत्या कर दी. उसका बेटा नक्सली गतिविधियों में शामिल हो जाता है. उसकी पत्नी को आई जी पुलिस नीरजा माधवन सहारा देती है. गर्भवती नीरजा नक्सल मूवमेंट के खिलाफ जंग जारी रखे हुए हैं. एक दिन उसे नक्सलियों के बड़े नेता को पकड़ने में कामयाबी मिल जाती है. इससे तिलमिलाए नक्सली सीआरपीएफ की बटालियन पर धोखे से हमला करके कई जवानों की जान ले लेते हैं.

कमजोर दिल वाले ना देखें

फिल्म में डायरेक्टर ने दर्शकों को नक्सलियों की क्रूरता का अंदाजा दिलाने के लिए जमकर हिंसक दृश्य दिखाए हैं. यही कारण है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया है. विपुल शाह ये फिल्म जो कुछ दिखाती है वो देखने के लिए शायद हिम्मत चाहिए और जिस तरह से दिखाती है वो भी देखने के लिए हिम्मत चाहिए तो कमजोर दिल वाले शायद ये फिल्म नहीं देख पाएंगे. जहां तक एक्टिंग का सवाल है अदा शर्मा द केरला स्टोरी से एक कदम आगे खड़ी नजर आती है. आईपीएस नीरजा माधव की जिंदगी को अदा ने जिया है. अन्य कलाकारों में शिल्पा शुक्ला, राइमा सेन, यशपाल शर्मा आदि ने भी बढ़िया काम किया है. निर्देशन की दृष्टि से डायरेक्टर सुदीप्तो सेन सफल दिखते हैं. फिल्म कहीं ढीली नहीं पड़ती है.

इनका कहना है

झारखंड के कला क्षेत्र के कुछ दिग्गजों ने रांची पीवीआर में "बस्तर - द नक्सल स्टोरी " का प्रीमियर शो गुरुवार को देखा. इन्हीं में से कुछ ने शुभम संदेश के साथ साझा किए फिल्म को लेकर अपने विचार...

अरसे बाद देखी ऐसी झकझोर देने वाली फिल्म

डॉ सुशील अंकन

कल रांची मे सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित, विपुल ए शाह द्वारा निर्मित फिल्म "बस्तर - द नक्सल स्टोरी " का प्रीमियर शो देखने का अवसर मिला. कल बहुत दिनों के बाद किसी थिएटर मे सिनेमा देखने गया था. फिल्म "बस्तर द नक्सल स्टोरी" को हम कई एंगल से देख सकते हैं. फिल्म की अवधि लगभग 2 घंटे तीन चार मिनट के आसपास है.

अगर फिल्म के कंटेन्ट की बात करें तो बहुत दिनों के बाद एक ऐसी फिल्म देखने का अवसर मिला जो क्रूर कठोर सच्चाई के धरातल को रेखांकित करती है. भारतवर्ष के एक राज्य छतीसगढ़ के बस्तर में भारत का ही राष्ट्रीय ध्वज फहराना और भारतीय राष्ट्रीय गान किसी परिवार और ग्रामीणों को इतना महंगा पड़ेगा यह कल्पना से भी परे है. ऐसा करने पर नक्सलियों द्वारा पंचायत लगा के मनमाफ़िक फैसला सुनाते हुए उसकी पत्नी, बच्चे, ग्रामीणों और सब के सामने उसके शरीर के टुकड़े टुकड़े कर मौत की घाट उतार देना सचमुच दिल दहला देने वाला दृश्य था.

बार बार मन में एक ही प्रश्न कौंध रहा था कि अपने ही देश में अपना झण्डा फहराने पर नक्सलियों द्वारा नृशंस हत्या कर देने के पीछे कौन सी ताकत काम कर रही है. उन्हें आखिर इतनी ताकत मिलती कहां से है?

तब कोई दर्शक इस निर्णय पर पहुंच सकता है कि कैसे विदेशी नेटवर्क भारत के लोकतान्त्रिक व्यवस्था और मूल्यों को तहस नहस कर अपना उल्लू सीधा करते हैं. कैसे भारत के राजनेता, जुडीसीयरी, यूनिवर्सिटी, पुलिस, पत्रकारिता तथा पूंजीवादी सिस्टम में पैसे के खेल से घुसे हुए नक्सली पूरे भारतीय सिस्टम को घुन की तरह खोखला कर रहे हैं. भारतीय सिस्टम में सफेदपोश बने हुए यही अर्बन नक्सली, नक्सली वारदातों को कैसे चतुराई से जस्टफाइ करते हैं. सलवा जुडुम यानि शांति की व्यवस्था के खिलाफ नक्सली इतने विद्रोही क्यों हो जाते हैं और शहरों में छुपे हुए सफेदपोश नक्सली उस सलवा जुडुम को समाप्त करने के लिए कोर्ट कचहरी थाना पुलिस अखबार सब एक कर देते हैं. "बस्तर द नक्सल स्टोरी" फिल्म की पटकथा इसी बात का परत दर परत खुलासा करती है.

शहरी या आम लोग तो नक्सल समस्या के बारे में केवल सुनते रहे हैं किन्तु इस फिल्म में नक्सलवाद का वीभत्स और क्रूर चेहरा देख कर किसी का भी मन घृणा और विद्रोह से भर सकता है. मानवता को शर्मसार करती साम्यवाद की समानांतर व्यवस्था को स्थापित करने मे पूरा अर्बन नक्सल तंत्र एकमुश्त नेटवर्क की तरह काम करता है किन्तु उसका भी अंत, ईमानदार और दृढ़ इच्छा शक्ति वाले ऑफिसर से संभव है. जैसा कर्म वैसा फल के सिद्धांत को चरितार्थ करती यह फिल्म भारतीय सिनेमा की एक मजबूत कड़ी है.

फिल्म का तकनीकी पक्ष और अभिनय भी शानदार है. फिल्म में काम करने वाले कलकारों में अदा शर्मा, विजय कृष्ण, यशपाल शर्मा, राइमा सेन, नमन जैन, शिल्पा शुक्ला आदि ने अपनी अपनी भूमिकाओं के हिसाब से बढ़िया अभिनय किया है. इस फिल्म के विजुअल प्रभाव, पार्श्व संगीत, पटकथा, निर्देशन एवं अन्य तकनीकी पहलुओं में भी निर्देशक की अच्छी पकड़ दिखती है. अंत में कहा जा सकता है कि द केरला स्टोरी के निर्देशक सुदीप्तो सेन से बस्तर द नक्सल स्टोरी जैसी फिल्म का निकलना निर्देशकीय परिपक्वता दर्शाती है.

यह फिल्म भारतीय बाजार में कितना व्यवसाय कर पाएगी यह कह पाना तो कठिन है किन्तु भारतीय मूल्यों के तराजू में यह फिल्म निश्चित रूप से भारी और आंखे खोलने वाली है.

वास्तविकता के बेहद करीब है यह फिल्म

डॉ मधुरेश चंद्र

फिल्म बहुत अच्छी है, कलाकारों का अभिनय बेहतरीन है और कहानी वास्तविकता के करीब है. मैं केंद्रीय विद्यालय, कोरबा में दस साल पोस्टेड था और आसपास के इलाके को करीब से जानता हूं. फिल्म देखकर याद आ गई वह घटना जब तीन चोर के लिए नक्सलियों ने जंगल में अदालत बैठाई और बतौर सजा तीनों को गोली मार दी थी. सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर 76 सैनिकों की हत्या करने की घटना जिसपर यह फिल्म बनी है, वह भी मुझे याद है. खबर तो यहां तक आई थी कि लाशों पर नक्सलियों ने कूद कर डांस किया था. माहौल को जान-समझ रहा था, इसलिए फिल्म अधिक जीवंत लगी.

कई बार हुईं आंखें नम

कुमकुम गौड़

इस फिल्म ने दिल को झकझोर दिया. कई बार आंखें नम हुई, कई बार आक्रोश हुआ तो कई बहुत दुखी हुई. गर्भवती पुलिस ऑफिसर का संघर्ष, उसका गर्भपात और महिला के सामने उसके पति का काटा जाना...ये दृश्य बहुत मार्मिक हैं. अंतिम दृश्य में नक्सली बन गए बेटे को मां का समझाना भी दिल को छू जाता है.

31 की हुई आलिया ताजमहल पैलेस में जश्न

आलिया भट्ट के जन्मदिन का जश्न मुंबई में ताजमहल पैलेस में मनाया गया जिसमें रणबीर कपूर, शाहीन भट्ट, सोनी राजदान और नीतू कपूर मौजूद थे. बर्थडे पार्टी में कपूर और भट्ट परिवार के अलावा आकाश अंबानी और उनकी पत्नी श्लोका मेहता, ईशा अंबानी और उनके पति आनंद पीरामल आदि स्पॉट किए गए. आलिया भट्ट सुनहरे कोर्सेट और नीली पैंट में दिखीं तो रणबीर कपूर ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आए. ताज महल पैलेस में एंटर करने से पहले, आलिया ने पैपराजी के सामने अपनी मिलियन-डॉलर की मुस्कान बिखेरी.

अनुपमा का टॉप पोजिशन बरकरार, दूसरा नंबर इसका

अनुपमा 2.6 नंबर्स के साथ टॉप पोजिशन पर है. पिछले हफ्ते की रेटिंग की तुलना में शो की संख्या लगातार बनी हुई है. शो का वर्तमान ट्रैक तोशू को सोने के गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के इर्द-गिर्द घूमता है. तोशु अनुपमा से उसे पुलिस हिरासत से छुड़ाने की रिक्वेस्ट करेगा, लेकिन इस बार वह अपने कदम पीछे हटा लेगी और उसे उसके किए की सजा भुगतने देगी.

गुम है किसी के प्यार में भी 2.3 नंबर्स के साथ दूसरे पायदान पर कायम है. शो का वर्तमान ट्रैक सवि और अन्य बच्चों के इर्द-गिर्द घूम रहा है जो भोसले इंस्टीट्यूट में हुए घोटाले का पर्दाफाश करते हैं.

'लाहौर 1947' में पहली बार साथ भिड़ेंगे सनी-करण

आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' में सनी देओल के बेटे करण देओल को भी कास्ट किया गया है. इस फिल्म के निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो करण ने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था जो संतोषी और आमिर खान, दोनों को बहुत पसंद आया. अब सनी देओल पहली बार अपने बेटे करण देओल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे.

एक रिपोर्ट के अनुसार, एक नई बातचीत में संतोषी ने कहा कि वो जब भी सनी के ऑफिस या घर जाते थे, उन्हें करण बहुत प्रॉमिसिंग लगे. उन्होंने ही आमिर से बात की तो करण का ऑडिशन लिया गया, जो सभी को बहुत पसंद आया.

सिद्धार्थ की अदाकारी पर फिदा कियारा, कहा- हैं बेस्ट

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर योद्धा सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है जिसे उनकी पत्नी कियारा आडवाणी ने भी देखी. फिल्म देखने के बाद कियारा ने अपने पति की जम कर तारीफ की. उन्होंने सिर्फ सिद्धार्थ नहीं बल्कि दिशा और राशि खन्ना की तारीफों के पुल बांधे हैं.

करण जौहर निर्मित 'योद्धा' में सिद्धार्थ मल्होत्रा आर्मी मैन की भूमिका में नजर आए हैं. इस एक्शन थ्रिलर को लेकर लम्बे समय से इंतजार किया जा रहा था. फिल्म पर आलोचकों व दर्शकों की भूमिका तो सकारात्मक है ही, अब कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को आउटस्टैंडिंग बताया है. कियारा ने अपने पति की तारीफों के पुल बांधे हैं. कियारा ने फिल्म के एक सीन से सिद्धार्थ की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि " सिद्धार्थ आपने हम सबको गर्व महसूस कराया है. आप बेस्ट हैं."

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बीएनपी परिबास ओपन : अल्कराज ने ज्वेरेव को 6-3, 6-1 से व सिनर ने लेचेका को 6-3, 6-3 से हराया

अल्कराज और सिनर सेमीफाइनल में

- टॉमी पॉल ने रूड को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया
- सेमीफनल में दानिल मेवदेव से भिड़ेंगे टॉमी पॉल
- यानिक सिनर ने लगातार 16वीं जीत दर्ज की

भाषा । इंडियन वेल्स (अमेरिका)

कार्लोस अल्कराज और यानिक सिनर ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बीएनपी परिबास ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अल्काराज ने मधुमक्खियों के हमले के कारण करीब दो घंटे के विलंब के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3 6-1 से हराया. गुरूवार को मुकाबले के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिससे अल्काराज खुद को बचाते हुए छिप गये. यह घटन मैच के 19वें मिनट में हुई. तब अल्काराज 1-1 की बराबरी पर थे. दर्जनों मधुमक्खियां 'स्पाइडर कैमरे' पर चिपक गयीं और उन्हें 'वैक्यूम' से हटाया गया. बाद में कोर्ट के करीब दीवारों और सीट पर स्प्रे बोटल का इस्तेमाल किया गया. यानिक सिनर ने जिरी लेचेका को 6-3 6-3 से हराकर इस साल लगातार 16वें मैच में जीत दर्ज की. अब शनिवार को सिनर का सामना अल्काराज से होगा. वहीं टॉमी पॉल ने नौवें वरीय कैस्पर रूड को 6-2, 1-6, 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी. जहां उनका सामना दानिल मेवदेव से होगा.

सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे अल्कराज व यानिस सिनर

सेमीफाइनल में भिड़ेंगी स्वियातेक और कोस्तयुक

महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त बनायी. इसके बाद कैरोलिन वोज्नियाकी को चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटने पर मजबूर होना पड़ा, जिसके कारण स्वियातेक ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की. सेमीफाइनल में स्वियातेक का सामना यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक से होगा, जिन्होंने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-0 7-5 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की.

- चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटीं कैरोलिन
- कोस्तयुक ने अनास्तासिया को 6-0, 7-5 से हराया

गॉफ व सक्कारी के बीच होगा दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला

- डेढ़ घंटे तक चले में 6-4, 6-3 से जीतीं गॉफ
- सक्कारी ने नवारो को 5-7, 6-2, 6-4 से हराया

कोको गॉफ और मारिया सक्कारी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां दोनों एक दूसरे से भिड़ेंगी. गॉफ ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में युआन युए को 6-4 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. मारिया सक्कारी ने एम्मा नवारो को 5-7, 6-2, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया.

फिल्ड अपडेट

अंडर-14 क्रिकेट : रांची क्वार्टर फाइनल में

रांची । जेएससीए द्वारा आयोजित अंडर-14 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को सात विकेट से हराया. गुमला में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम महज 43 रन पर ढेर हो गई. टीम के लिए बासुदेव ने सर्वाधिक 10 रन बनाए. रांची के तनवीर ने शानदार गेंदबाजी की. उन्होंने 13 रन देकर 6 विकेट चटकाए. शोर्य ने 2 विकेट लिए. जवाबी पारी में रांची ने 11.4 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. टीम के लिए रुद्र प्रताप ने सर्वाधिक 16 रन बनाए. पश्चिमी सिंहभूम के बासुदेव, इरफान व त्रिनाथ ने एक-एक विकेट लिए. रांची के तनवीर को शानदार गेंदबाजी लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

वीमेंस क्रिकेट : रांची की टीम नॉकआउट में

रांची । जमशेदपुर में चल रहे जेएससीए सीनियर वीमेंस इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता में हजारीबाग को सात विकेट से हराकर रांची ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया. शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए हजारीबाग की टीम 49 ओवर में 109 रन ही बना सकी. टीम के लिए वर्षा ने सर्वाधिक 18 रन बनाए. रांची की पल्लवी व आरती ने दो-दो विकेट चटकाए. जवाबी पारी में रांची ने 27.3 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. टीम के लिए मानसी ने 28 व ईशा ने 26 रन बनाए. हजारीबाग की ओर से रितिका ने दो विकेट लिए.

बोधनवाला ट्रॉफी : रांची की टीम फाइनल में

रांची । जेएससीए द्वारा आयोजित एचपी बोधनवाला ट्रॉफी में पूर्वी सिंहभूम को सात विकेट से हराकर रांची ने फाइनल का टिकट कटाया. मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पूर्वी सिंहभूम की टीम महज 97 रन पर सिमट गयी. रांची के हर्ष व विकास ने टीम के लिए तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि शीट ने दो विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी रांची की टीम ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर जीत हासिल की. नाजिम ने टीम के लिए ताबड़तोड़ 30 रन बनाए. विशाल ने 28 व पंकज ने 26 रन योगदान दिया. पूर्वी सिंहभूम के फैजनुल रहमान ने दो विकेट लिए. मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए हर्ष राज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. रांची और बोकारो के बीच फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा.

ब्रीफ खबरें

लगातार चौथी बार मुल्तान फाइनल में

कराची । मुल्तान सुल्तांस ने एकतरफा क्वालीफायर में पेशावर जाल्मी को सात विकेट से हराकर लगातार चौथे पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) फाइनल में प्रवेश किया. मुल्तान सुल्तांस ने 2021 में पीएसएल खिताब जीता था लेकिन पिछले दो चरण में उसे फाइनल में लाहौर कलंदर्स से हार मिली थी. बाबर आजम की अगुआई वाली पेशावर जाल्मी को सोमवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा जब वह इस्लामाबाद यूनाइटेड और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच शनिवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता से भिड़ेगी.

यूटीटी की आठवीं टीम एसजीएसई

मुंबई । भारत के महान टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति की एसजी स्पोर्ट्स एंड इंटरटेनमेंट (एसजीएसई) प्राइवेट लिमिटेड अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) में हिस्सा लेने वाली आठवीं फ्रेंचाइजी बन गयी. आगामी चरण में एसजीएसई अहमदाबाद का प्रतिनिधित्व करेगी. टीम को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के नाम से पुकारा जायेगा. टीम जयपुर पैट्रियट्स के साथ पदार्पण करेगी. जयपुर की टीम पिछले साल अगस्त में यूटीटी में शामिल हुई थी.

आईपीएल : सीएसके में वापसी से उत्साहित हैं भारतीय ऑल राउंडर

माही भाई से सीखने को बेकरार हूं: शार्दुल

भाषा । मुंबई

भारत के ऑल राउंडर शार्दुल ठाकुर आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए महेंद्र सिंह धौनी की अगुआई में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हैं. शार्दुल का पिछला चरण इतना अच्छा नहीं रहा था. शार्दुल 2018 से 2021 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे थे, जिसके बाद 2022 में वह दिल्ली कैपिटल्स और 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेले थे. इस सत्र में वह फिर सीएसके में वापसी करेंगे, जिसके लिए उन्हें चार करोड़ रुपये में खरीदा गया. शार्दुल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो पिछला आईपीएल मेरे लिए अच्छा नहीं रहा. उन्होंने कहा कि मैं माही भाई के नेतृत्व में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं. जब आप उनके साथ खेलते हो तो आप मैच से कुछ न कुछ जरूर सीखते हो. वह स्टंप के पीछे खड़े होकर आपका मार्गदर्शन करते रहते हैं, जिससे आपके प्रदर्शन में निखार आता है. ठाकुर ने कहा कि धौनी की सबसे अच्छी खासियत है कि वह एक खिलाड़ी के प्रदर्शन को निखरने देते हैं. इस ऑल राउंडर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत शानदार चीज है, वह खिलाड़ियों को काफी आजादी देते हैं और खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी खुद उठाने देते हैं. इसलिये मैं सीएसके में फिर से वापसी को लेकर काफी उत्साहित हूं. मैं कहूंगा कि मैं ऐसी टीम के लिए खेल रहा हूं जो परिवार और पारिवारिक संस्कृति को महत्व देती है.

2018 से 2021 तक सीएके टीम का हिस्सा थे शार्दुल

2022 में दिल्ली व 2023 में कोलकाता के लिए खेले थे शार्दुल

चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुए गेंदबाज एनगिडी

नयी दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट के कारण शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गये. दिल्ली कैपिटल्स ने उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑल राउंडर जेक फ्रेसर मैकगुर्क को टीम में शामिल किया. मेलबर्न के 21 साल के सलामी बल्लेबाज और लेग स्पिनर मैकगुर्क ने पिछले महीने सिडनी में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे पदार्पण किया था. दिल्ली कैपिटल्स ने मैकगुर्क को 50 लाख रुपये की 'रिजर्व' राशि में टीम में शामिल किया. एनगिडी पिछले एक साल से टखने की चोट से जूझ रहे हैं. उन्होंने आईपीएल में 14 मैच खेलकर 25 विकेट झटके हैं.

खास बातें

- पिछले एक साल से टखने की चोट से जूझ रहे थे एनगिडी
- एनगिडी की जगह मैकगुर्क दिल्ली की टीम में शामिल

आईपीएल में नहीं खेलने से निराश नहीं हूं : मुशीर

मुंबई । मुंबई के रणजी ट्रॉफी के युवा नायक मुशीर खान ने कहा कि मेरा नाम आईपीएल में नहीं था, लेकिन मैं निराश नहीं हूं. मेरे पिता ने मुझे कहा कि टेस्ट क्रिकेट और टीम इंडिया के लिए खेलो. आईपीएल बाद में खेल लोगे. उन्होंने कहा कि अच्छा है कि मुझे आईपीएल की तैयारी के लिए एक और साल मिल गया. मैं अब टी-20 क्रिकेट को और समझूंगा कि मुझे इस प्रारूप के लिए कैसे तैयारी करनी चाहिए. मुशीर ने हाल में रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुंबई की दूसरी पारी में 136 रन बनाकर विदर्भ को 538 रन का लक्ष्य देने में मदद की. इससे मुंबई की टीम 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में सफल रही. यह दीगर ही है कि मुशीर इस प्रदर्शन के लिए अपने बड़े भाई सरफराज से प्रेरणा लेते हैं.

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- शोहिबुल व बागास की जोड़ी से हारे सात्विक-चिराग
- तनीषा व अश्विनी की जोड़ी भी राउंड-16 से बाहर

भाषा । बर्मिंघम

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर हो गयी. पुरुष युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी ने 16-21, 15-21 से हराया. इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैंपियन रही थी. शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था, लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी. तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गयी. उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी.

महेंद्र सिंह धौनी सिर्फ एक ही हैं : ध्रुव जुरेल

भाषा । नयी दिल्ली

ध्रुव जुरेल की तुलना भले ही महेंद्र सिंह धौनी से की जा रही हो, लेकिन उन्होंने शुक्रवार को कहा कि कोई भी धौनी की बराबरी नहीं कर सकता है. वह अपना ध्यान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने पर लगायेंगे. हाल में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई ही श्रृंखला में टेस्ट पदार्पण करने वाले जुरेल ने विकेट के पीछे चतुराई दिखायी, बल्ले से भी दमदार प्रदर्शन किया साथ ही कप्तान रोहित शर्मा को डीआरएस संबंधित फैसले लेने में मदद की. जुरेल के इस प्रदर्शन को देखकर महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उनकी तुलना धौनी से कर दी, लेकिन जुरेल को ऐसा नहीं लगता है.

जुरेल ने कहा कि मेरी तुलना धौनी सर से करने के लिए शुक्रिया गावस्कर सर. मैं व्यक्तिगत रूप से कहना चाहूंगा कि धौनी सर ने जो किया है, वैसा कोई भी नहीं कर सकता. धौनी सिर्फ एक ही है. मैं सिर्फ ध्रुव जुरेल ही रहना चाहता हूं. जुरेल ने कहा कि मुझे अभी तक विश्वास नहीं हो रहा कि मुझे टेस्ट कैप मिली और फिर मैं मैन ऑफ द मैच रहा. टेस्ट खेलना सुखद रहा जो क्रिकेट का सबसे शुद्ध प्रारूप है. इतना पता था कि किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा इसलिये यह मेरे सपने के साकार होने वाला पल था.

खास बातें

- सुनील गावस्कर ने की थी जुरेल की धौनी से तुलना
- इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में जुरेल ने किया था टेस्ट डेब्यू

पुरुष हॉकी टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले के नायक पीआर श्रीजेश ने कहा-

ओलंपिक में प्रदर्शन में निरंतरता होगी सफलता की कुंजी

भाषा । नयी दिल्ली

बरसों बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगी. अपेक्षाओं के दबाव को ऊर्जा का स्रोत मानने वाले भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि टीम का फोकस प्रदर्शन में निरंतरता पर है, जो ओलंपिक में कामयाबी की कुंजी साबित होता है. श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है. इस बार हमारे पास पदक है और अपेक्षायें बढ गई है और हमने उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन भी किया है. यह सकारात्मक दबाव है और याद दिलाता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं. श्रीजेश ने कहा कि हमारी टीम का मंत्र है कि आउटसोर्स दबाव को बाहर ही रखो, उसे भीतर लेकर मत आओ. दबाव हम खुद बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का, सोशल मीडिया का दबाव. लेकिन हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर फोकस रखते हैं. अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में सोचना ही हमारा लक्ष्य होता है.

भारत ने 41 साल बाद तोक्यो ओलंपिक में जीता था कांस्य : भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने 41 साल का इंतजार खत्म करते हुए तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. जर्मनी के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में 3-1 से पिछड़ने के बाद भारत ने अविश्वसनीय वापसी करके 5-4 से मैच जीता था. उस जीत के नायक गोलकीपर श्रीजेश ही थे.

- पेरिस ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगा भारत
- टोक्यो ओलंपिक में भारत ने जीता था कांस्य पदक

पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना हमारा लक्ष्य

अपने करियर में 16 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके पद्मश्री श्रीजेश ने कहा कि दबाव ओलंपिक का हिस्सा है लेकिन हम उसे सकारात्मक लेकर ऊर्जा के स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हैं. उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है. लेकिन लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है. कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है लिहाजा हम निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं. ओलंपिक में पहले दिन से आखिरी दिन तक हॉकी के मैच होते हैं. पिछले मैच को भुलाकर तुरंत अगले मैच पर फोकस करना जरूरी होगा और यही निरंतरता काम आयेगी.

सचिन तेंदुलकर, धौनी व विराट कोहली से प्रेरणा लेते हैं श्रीजेश

श्रीजेश ने कहा कि मैं महेंद्र सिंह धौनी, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली से प्रेरणा लेता हूं. जिस तरह से दबाव का वे सामना करते हैं, खराब दौर के बाद वापसी करते हैं. मसलन कैसे विराट ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके वापसी की. इससे उम्मीद जगती है कि अगर फॉर्म और फिटनेस है तो आप शीर्ष स्तर पर खेल सकते हैं. भारत में उम्र को लेकर काफी हौव्वा बनाया जाता है लेकिन इन खिलाड़ियों ने स्टीरियोटाइप तोड़ा है. भारतीय टीम को युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण बताते हुए उन्होंने कहा कि तोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा रहे कई खिलाड़ी इस कोर ग्रुप का हिस्सा है जिससे अतिरिक्त फायदा होगा.

वनडे-टी20 में 'स्टॉप क्लॉक' नियम स्थायी करेगा आईसीसी

भाषा । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अभी प्रयोग पर चल रहे 'स्टॉप क्लॉक' नियम को आगामी टी-20 विश्व कप 2024 से सभी पूर्णकालिक सदस्यों के वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हमेशा इस्तेमाल करेगा. आईसीसी ने 'स्टॉप क्लॉक' नियम दिसंबर 2023 में शुरू किया था और अभी इसे इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे एक जून 2024 से स्थायी कर दिया जायेगा. आईसीसी ने अपनी सालाना बोर्ड बैठक के बाद एक बयान में कहा कि स्टॉप क्लॉक' नियम जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के साथ सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्थायी हो जायेगा. बयान के अनुसार, ट्रायल अप्रैल 2024 तक किया जाना था लेकिन इस ट्रायल के नतीजे साफ दिखायी दे रहे हैं जैसे मैच समय पर खत्म हो रहे हैं जिससे प्रत्येक वनडे मैच में करीबन 20 मिनट बच रहे हैं. नियम के अनुसार क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को पिछला ओवर खत्म होने के 60 सेकेंड के अंदर नया ओवर शुरू करना होगा. इसके लिए मैदान पर लगी एक 'इलेक्ट्रोनिक' घड़ी 60 से लेकर शून्य तक उलटी गिनती करेगी. ऐसा नहीं करने पर उसे दो चेतावनी दी जायेंगी और इसके बाद के प्रत्येक उल्लघंन टना के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया जायेगा.

नयी घोषणा

- टी-20 विश्व कप से स्थायी हो जाएगा स्टॉफ क्लॉक नियम
- 60 सेकेंड के अंदर शुरू करना होगा नया ओवर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बीजेपी पर जमकर बोला हमला, कहा-

बीजेपी पहले देती है धंधा, फिर वसूलती है चंदा

संवाददाता। रांची

शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने इलेक्टोरल बॉण्ड मामले पर बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि बीजेपी पहले धंधा देती है और फिर उद्योगपतियों से चंदा वसूलती है. उन्होंने कहा कि चुनावी बॉण्ड मामले की गहन जांच की जरूरत है. चुनावी बॉण्ड विवरण के खुलासे को लेकर उन्होंने कहा कि बीजेपी को इस माध्यम से बड़ा लाभ हुआ है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन विवरणों को छुपाने की कोशिश की, जो कि संदेह पैदा करता है.

भाजपा के भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आएंगे

राजेश ठाकुर ने कहा, पीएम का इलेक्टोरल बॉन्ड के रुप में एक घोटाला सामने आया, भाजपा इसे वसूली का जरिया बना लिया था. इस कार्य में वह केंद्रीय एजेंसियों का भी उपयोग कर रही है. ईडी, सीबीआई की कार्रवाई इसलिए कंपनियों पर की जा रही थी, ताकि उन्हें ज्यादा चंदा मिल सके. ठाकुर ने कहा कि 15 फरवरी 2024 को इलेक्टोरल बॉण्ड को असंवैधानिक घोषित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से मोदी सरकार एसबीआई के माध्यम से जुड़ी जानकारी को रोकने का प्रयास करने लगी. उन्होंने कहा जैसे-जैसे इलेक्टोरल बांड डेटा का विश्लेषण आगे बढ़ेगा, भाजपा के भ्रष्टाचार के कई मामले स्पष्ट सामने आएंगे.

भाजपा ने किया संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल

भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को इस्तेमाल डरा-धमका कर हफ्ता वसूली के लिए कर रही है. सेबी ने जिन चार स्मॉल कंपनियों को फर्जी बताया है, उनसे भाजपा ने 4.9 करोड़ का चंदा क्यों लिया? कोरोना जैसी बड़ी महामारी में मोदी सरकार ने टीके बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से भी 50 करोड़ का चंदा लिया.

भाजपा का रिश्वत लेने का नया तरीका

ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार से जिस कंपनी को मदद मिलती है, उसके तुरंत बाद कंपनियां से चुनावी बॉण्ड के माध्यम वसूली की जाती है. जैसा कि वेदांता को 3 मार्च 2021 को राधिकापुर पश्चिम प्राइवेट कोयला खदान मिला, और फिर अप्रैल 2021 में उन्होंने चुनावी बॉण्ड में 25 करोड़ का दान दिया.

इलेक्टोरल बॉण्ड की घोषणा आनन-फानन में की गई है

चुनाव आयोग आनन फानन में आचार-संहिता लागू करने की घोषणा इसलिए कर रही है क्योंकि भाजपा के इलेक्टोरल बॉण्ड पर भ्रष्टाचार को लेकर जन आंदोलन न हो, न ही मीडिया में इस पर कोई बहस हो. उन्होंने कहा देश में पहली बार चुनाव आयुक्त के मनोनयन का सिस्टम बदल गया.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर पर भाजपा का पलटवार

सिस्टम बंद होने से लग रही है मिर्ची : प्रतुल

विशेष संवाददाता। रांची

आमने सामने

इलेक्टोरल बॉण्ड पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर पर भाजपा ने पलटवार किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस इस देश में भ्रष्टाचार की जननी रही है. पहले कांग्रेस के यहां प्रचलित कहावत था - ना खाता ना बही, जो कांग्रेस के अध्यक्ष कहे वही सही. पहले कांग्रेस जैसे राजनीतिक दल चुनाव संबंधी लेनदेन कच्चे पैसे में करते थे. यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का बड़ा कदम था. अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय में इनकम टैक्स कानून में संशोधन करके चुनाव में चंदा देने वाले कॉरपोरेट्स को टैक्स में रियायत देने की सार्थक पहल हुई.

मोदी सरकार ने व्हाइट मनी के जरिए चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया

प्रतुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इलेक्टोरल बॉण्ड लाकर चुनाव में राजनीतिक पार्टियों को व्हाइट मनी के जरिए चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित करने का सार्थक प्रयास किया गया. प्रतुल ने कहा कि इलेक्ट्रॉल बॉण्ड एक पारदर्शी सिस्टम का बेहतरीन नमूना था. जहां स्टेट बैंक से किसी व्यक्ति या कॉर्पोरेट इलेक्टोरल बॉण्ड खरीद सकता था और उसकी पूरी जानकारी उसे स्टेट बैंक को उपलब्ध करानी पड़ती थी. 15 दिनों के भीतर इसे इलेक्टोरल बॉण्ड को अपने पसंद के राजनीतिक दल को देना पड़ता था. भ्रष्टाचार की आदत लग चुकी कांग्रेस को यह पारदर्शी सिस्टम पसंद नहीं आया. इसलिए वह आज अनर्गल आरोप लगा रहे.

18 राज्यों में सरकार, मगर भाजपा के खाते में आए मात्र 6000 करोड़

प्रतुल ने भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों की सरकार 18 प्रदेशों में है. भाजपा के 303 सांसद हैं,जबकि कांग्रेस महज दो तीन प्रदेशों में है. फिर भी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार भाजपा को 6000 करोड़ के आसपास इलेक्टोरल बॉन्ड से प्राप्त हुआ है. जबकि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के आंकड़ों को मिला दें तो यह 3000 करोड़ हो जाता है. इससे स्पष्ट दिख रहा है कि वजूद नहीं होने के बावजूद भी आज भी कांग्रेस शेल कंपनियों के जरिए अपनी फंडिंग करवा रही है. प्रतुल ने कहा कि आज इलेक्टोरल बॉन्ड के खिलाफ खड़ी कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि जिस समय यह सदन से पारित हो रहा था तो उसने विरोध क्यों नहीं किया था, यह कानून सर्वसम्मति से पारित किया गया था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. किये गए कार्य का लाभ होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृषभ खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुएं का लाभ होगा. इत्र का दान करें. किया गया कार्य लाभ देगा.

मिथुन आय उत्तम होगी. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. किया गया छोटा निवेश शुभ रहेगा. कोई बड़ा कार्य होने से आय होगी. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

कर्क समय अच्छा है कोई नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह आपकी मेहनत और लगन के प्रभाव से परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. कोई पुराना कर्ज परेशानी का कारण बन सकता है. कर्ज लेने से बचना चाहिए. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. व्यापार में लाभ होगा. कोई नया कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. किसी नये कार्य के लिए चिंता तथा तनाव में रहेंगे. गणेश का मंत्र का जप करें.

धनु संतान सुख में वृद्धि होगी. प्रेम में धोखा मिल सकता है. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता की सेवा करें.

मकर संतान से लाभ मिल सकता है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. शनि चालीसा का पाठ करें. साथ ही छाया दान भी करें.

कुंभ कार्य में वृद्धि होगी. बस आलस त्यागे. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा.

मीन भाई का सहयोग मिलेगा. पराक्रम से कार्य बन सकता है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे.

डॉ संदीप ने सीएसआईआर एनएमएल के नए निदेशक का कार्यभार संभाला

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) के नए निदेशक डॉ संदीप घोष चौधुरी ने शुक्रवार को कार्य ग्रहण किया. डॉ संदीप घोष चौधुरी मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बीई हैं. उन्होंने 1989 में बंगाल इंजीनियरिंग कॉलेज से बीई और एमटेक (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग) 1991 में आईआईटी बॉम्बे से किया. उन्होंने अपनी पीएचडी डिग्री सामग्री और धातुकर्म इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 1996 में आईआईटी कानपुर से पूरी की थी.

लोहरदगा लोस सीट : कांग्रेस व बीजेपी के बीच रही है कांटे की टक्कर

15 चुनावों में सात बार कांग्रेस और छह बार बीजेपी ने मनवाया है लोहा

प्रवीण कुमार। रांची

एक समय लोहरदगा लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ माना जाता था. वर्ष 1957 से 2019 तक हुए 15 चुनावों में कांग्रेस ने यहां सात बार जीत दर्ज की है. वहीं बी ने छह बार जीत हासिल की है. उरांव जनजाति बहुल इस लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के कार्तिक उरांव, बीजेपी के ललित उरांव जैसे दिग्गज नेता कर चुके हैं. इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का इलाका लोहरदगा, रांची और गुमला जिला तक फैला है. विधानसभाओं की बात करें तो पांच विधानसभा सीटें लोहरदगा, गुमला, बिशुनपुर, सिसई और मांडर है, जिसमें सभी पांचों सीट पर इंडिया गठबंधन का कब्जा है. हालांकि लोकसभा सीट पर मुख्य

लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही देखने को मिलती रही है. वर्ष 1957 से 2019 तक हुए 15 चुनाव में कांग्रेस ने यहां सात बार जीत दर्ज की है. हालांकि, इन चुनावों में बीजेपी ने कांग्रेस को कांटे की टक्कर दी है. लोहरदगा में

चुनावी जंग

- लोहरदगा लोकसभा सीट के लिए 1957 से 2019 तक 15 चुनाव हुए
- कार्तिक उरांव व ललित उरांव जैसे दिग्गज कर चुके हैं क्षेत्र का प्रतिनिधित्व

पिछले तीन लोकसभा चुनावों 2009, 2014 और 2019 में बीजेपी ने जीत हासिल की है. इस बार इस सीट से बीजेपी ने सुदर्शन भगत के जगह समीर उरांव को चुनावी मैदान में उतारा है.

अब तक कैसा रहा किसका प्रदर्शन

1957 में अस्तित्व में आया लोहरदगा लोकसभा

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र 1957 में अस्तित्व में आया. पहले चुनाव में यहां से झारखंड पार्टी के इग्नी बेक ने जीत दर्ज की थी. झारखंड पार्टी को कुल 43.5 प्रतिशत वोट मिले थे. कांग्रेस को 30.30 % मत मिले थे. कांग्रेस ने जतम खरवार को उम्मीदवार बनाया था.

1962 के चुनाव में स्वतंत्र पार्टी के डेविड मुंजनी ने दर्ज की थी जीत

वर्ष 1962 के चुनाव में यहां से स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार डेविड मुंजनी ने जीत दर्ज की थी. इन्हें कुल 41.6 % वोट मिले थे. वहीं कार्तिक उरांव को 29.9 % वोट मिले थे, जबकि झारखंड पार्टी को 22.7 % वोट मिले थे.

दूसरी बार में 1967 में कांग्रेस प्रत्याशी कार्तिक उरांव जीते थे

वर्ष 1967 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 1962 के अपने उम्मीदवार कार्तिक उरांव को फिर से टिकट दिया था. इस बार कार्तिक उरांव ने जीत दर्ज की. कांग्रेस को कुल 51.5 % वोट मिले, जबकि भारतीय जनसंघ की रूपना उरांव को 18 प्रतिशत वोट मिले थे.

1971 में फिर जीते कार्तिक उरांव

वर्ष 1971 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने कार्तिक उरांव पर फिर भरोसा जताया. कार्तिक उरांव ने भी कांग्रेस को निराश नहीं किया और भारी अंतर से जीत दर्ज की. कांग्रेस को कुल 53.5 % वोट मिले. जबकि भारतीय जनसंघ की रूपना उरांव को 18.85 प्रतिशत वोट मिले.

1977 में कार्तिक उरांव को लालू उरांव ने दी पटखनी

वर्ष 1977 के लोकसभा चुनाव में भारतीय लोकदल ने लोहरदगा सीट पर कब्जा जमाया. भारतीय लोक दल के लालू उरांव ने कार्तिक उरांव को पटखनी दी. लालू को 54.9 % वोट मिले, जबकि कांग्रेस के कार्तिक उरांव को सिर्फ 49.5 प्रतिशत वोट मिले थे.

1980 में कांग्रेस पार्टी ने की दमदार वापसी

वर्ष 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर लोहरदगा सीट पर दमदार वापसी की. कांग्रेस के कार्तिक उरांव ने इस बार 49.5 प्रतिशत वोट लाकर जीत दर्ज की. जनता पार्टी के करमा उरांव को 22.99 % वोट मिले. वहीं 1977 में यहां से जीत दर्ज करने वाले भारतीय लोक दल के लालू उरांव ने इस बार निराश किया. उन्हें सिर्फ 9.6 % ही वोट मिले.

फिर से जीती कांग्रेस

वर्ष 1984 के लोकसभा चुनाव में लोहरदगा सीट पर फिर से कांग्रेस ने कब्जा किया. हालांकि, कांग्रेस ने एक बार फिर अपना उम्मीदवार बदला और सुमति उरांव को उम्मीदवार बनाया. इन्हें कुल 57.5 % वोट मिले थे. बीजेपी के चुनाव लड़ने वाले ललित उरांव को 20.02 % और जनता पार्टी को 7.5 % वोट मिले थे.

1989 में सुमति ने फिर लहराया कांग्रेस का परचम

वर्ष 1989 में लोहरदगा सीट फिर से कांग्रेस के पास रही. यहां से सुमति उरांव ने जीत दर्ज की. सुमति को कुल 38.6 % मत मिले थे. जबकि बीजेपी के ललित उरांव को कुल 28.4 % और जनता दल को 18 % वोट मिले थे.

बीजेपी का 1991 हुआ आगाज

वर्ष 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी का आगाज हुआ. बीजेपी के ललित उरांव कुल 36.4 % वोट लाकर जीत दर्ज की. जबकि कांग्रेस को इस बार 22.2 % वोट मिले. वहीं जनता दल को 16.4 % वोट को मिले थे.

ललित उरांव ने फिर बीजेपी का लहराया परचम

वर्ष 1996 में हुए लोकसभा चुनाव में यह सीट बीजेपी के कब्जे में रही. यहां से ललित उरांव ने जीत हासिल की. इस बार बीजेपी को कुल 33 % वोट मिले. कांग्रेस ने यहां पर अपने उम्मीदवार को बदल दिया था. कांग्रेस ने इस बार बंदी उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. इस बार कांग्रेस को कुल 24.6 % वोट मिले, जबकि जनता दल को 17.7 % और झामुमो को 14.8 % वोट मिले थे.

1998 में कांग्रेस ने की वापसी

वर्ष 1998 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने फिर अपना उम्मीदवार बदला. इंद्रनाथ भगत ने कुल 44.5 % वोट के साथ जीत दर्ज की. जबकि बीजेपी के ललित उरांव को 40.8 % वोट मिले थे.

बीजेपी ने 1999 में जीत दर्ज की

वर्ष 1999 की हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बदल दिया और जीत हासिल की. इस बार बीजेपी ने प्रो. दुखा भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. बीजेपी को कुल 44.2 % वोट यहां मिले. कांग्रेस के इंद्रनाथ भगत भी कांटे की टक्कर देकर मैदान में थे. उन्हें 43.2 % वोट मिले थे.

झारखंड में 2004 में हुए पहला लोकसभा चुनाव

बिहार-झारखंड बंटवारे के बाद झारखंड में 2004 हुए पहले लोकसभा चुनाव में लोहरदगा सीट कांग्रेस के खाते में गई. कांग्रेस ने रामेश्वर उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. कांग्रेस को इस बार 47.2 % मत प्राप्त हुए थे, जबकि बीजेपी ने अपने उम्मीदवार दुखा भगत पर ही भरोसा जताया था. मगर उन्हें निराशा हाथ लगी. दुखा मात्र 28.6 % वोट ही ला सके थे.

बीजेपी ने 2009 में जीती सीट

बिहार-झारखंड बंटवारे के बाद झारखंड में 2009 में दूसरी बार लोकसभा चुनाव हुआ. इसमें बीजेपी ने अपने उम्मीदवार को बदला. इस बार बीजेपी ने सुदर्शन भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. सुदर्शन भगत ने इस सीट पर कुल 27.7 % वोट हासिल करते हुए जीत हासिल की. यहां निर्दलीय उम्मीदवार चमरा लिंडा ने 26.11 % वोट प्राप्त किए. कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 24.8 % वोट मिले थे.

मोदी लहर का 2014 में दिखा असर

मोदी लहर में 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में लोहरदगा में फिर बीजेपी ने जीत दर्ज की. बीजेपी के सुदर्शन भगत को कुल 34.830 % मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 33.8 % वोट मिले थे. हालांकि, चमरा लिंडा इस बार ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े थे और उन्हें कुल 18.3 प्रतिशत वोट मिले थे.

बीजेपी को फिर मिली जीत

वर्ष 2019 में इस सीट पर बीजेपी के सुदर्शन भगत ने फिर जीत दर्ज की. लेकिन जीत का अंतर काफी कम था. बीजेपी को 45.5 % वोट मिले थे. कांग्रेस ने उम्मीदवार का बदलाव करते हुए सुखदेव भगत को टिकट दिया था, जिन्हें 44.20 वोट मिले थे.

झारखंड के आठ आईपीएस को मिला अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

झारखंड के आठ आईपीएस को अपने कार्य के अलावा अतिरिक्त पद का प्रभार दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जारी कर दी गई है.

जानें किसे मिला अतिरिक्त प्रभार

- एसआईएसएफ बोकारो कमांडेंट मुकेश कुमार को जैप- चार का अतिरिक्त प्रभार.
- देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग को जैप-पांच का अतिरिक्त प्रभार.
- जैप- टू कमांडेंट सरोजनी लकड़ा को जैप- दस का अतिरिक्त प्रभार.
- एसपी सीटीसी मुसाबनी विजय आशीष कुजुर को आईआरबी- टू चाईबासा का अतिरिक्त प्रभार.
- चतरा एसपी विकास पांडेय को आईआरबी- तीन का अतिरिक्त प्रभार.
- गुमला एसपी शंभू सिंह को आईआरबी- पांच का अतिरिक्त प्रभार.
- गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा को आईआरबी- नौ का अतिरिक्त प्रभार.
- दुमका एसपी पीतांबर खेरवार को आईआरबी- एक का अतिरिक्त प्रभार.

नियमित ट्रेनों की सीटें अप्रैल तक वेटिंग

धनबाद-गोमो होकर अप्रैल तक चलेगी 11 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता। धनबाद

नियमित ट्रेनों में काफी भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए रेलवे की ओर से धनबाद समेत देशभर के विभिन्न राज्यों में सैकड़ों होली स्पेशल ट्रेनें चलायी जा रही है. रेलवे अधिकारी के अनुसार धनबाद-गोमो होकर 15 मार्च से 20 अप्रैल तक 11 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी. हालांकि अभी भी धनबादवासियों को धनबाद-रक्सौल होली स्पेशल का इंतजार है. नियमित ट्रेनों की सीटें 30 अप्रैल तक लंबी वेटिंग है. यात्रियों का कहना है कि होली भले ही 25 मार्च को हैं, लेकिन महानगरों से गांव व शहरों से देस जानवालों ने जनवरी में ही अधिकतर ट्रेनों की बुकिंग कर ली है. बाद में प्लानिंग करनेवालों की वेटिंग मिल रही है, जो कंफर्म सीट वालों के कैंसिल करने व हेडक्वार्टर कोटा पर निर्भर कर रहे हैं. इसके अलावा कई लोग ऐसे भी हैं, जो टिकट दलालों पर निर्भर है. टिकट दलाल को किराया से 500 व 1000 रुपये अधिक टिकट बुक कराते रहे हैं. रेलवे अधिकारी का कहना है कि दरभंगा-सीतामढ़ी होकर धनबाद से रक्सौल के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलेगी, इस प्रस्ताव भेजा गया है. हरी झंडी मिलते ही तिथि निर्धारित कर दी जाएगी.

कौन ट्रेन किस तिथि को धनबाद-गोमो होकर चलेगी

धनबाद, गोमो होकर 15, 22 व 29 मार्च को ट्रेन नंबर 09335 इंदौर-हावड़ा होली स्पेशल व 09336 हावड़ा-इंदौर 17, 24 व 31 मार्च, धनबाद-कोडरमा होकर 04813 बाड़मेर-हावड़ा 19 व 26 मार्च व 04814 हावड़ा-बाड़मेर 21 व 28 मार्च, धनबाद-चंद्रपुरा होकर 05762 कटिहार-रांची 21 व 28 मार्च व 05761 रांची-कटिहार 22 व 29 मार्च, गोमो-कोडरमा होकर 08793 दुर्ग-पटना 22 मार्च व 08794 पटना-दुर्ग 23 मार्च, धनबाद होकर 08821 रांची-गोरखपुर 22 मार्च, 08822 गोरखपुर-रांची 24 मार्च, 08838 रांची-जयनगर 23 मार्च, 08839 जयनगर-रांची 24 मार्च, 08849 रांची-पूर्णिया 23 मार्च, 08850 पूर्णिया-रांची 23 मार्च, 08853 टाटा-सहरसा 18 मार्च से 5 अप्रैल (सोम, बुध, शुक्र), 08854 सहरसा-टाटा 19 मार्च से 6 अप्रैल (मंगल, गुरु व शनि), 08855 टाटा-बरौनी 19 व 26 मार्च और 2 अप्रैल, 08856 बरौनी-टाटा 20 व 27 मार्च और 3 अप्रैल, 08857 टाटा-बरौनी 29 मार्च और 5, 12 व 19 अप्रैल, 08858 बरौनी-टाटा 30 मार्च और 6, 13 व 20 अप्रैल, 07221 सिकंदराबाद-दरभंगा 21 व 26 मार्च, 07222 दरभंगा-सिकंदराबाद 23 व 28 मार्च को चलेगी.

ब्रह्माकुमारी बहनों को ट्रक ने रौंदा, मां-बेटी की मौत

चतरा। जिले के टंडवा में एक बेकाबू ट्रक ने ब्रह्माकुमारी संस्था की दो बहनों को अपनी चपेट में ले लिया. मौके पर ही उनकी मौत हो गयी. दोनों आपस में मां-बेटी हैं. दोनों हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के कराली गांव की रहने वाली थीं. जानकारी के अनुसार अनियंत्रित होकर एक कार सड़क के किनारे पलट गयी थी. कार में सवार लोगों को बचाने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि संस्था की बहनें सड़क में उतरी थीं. इसी दौरान एक बेकाबू ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और कार को जोरदार टक्कर मारी दी. इसमें अन्य चार घायल भी हो गये. इनमें एक की हालत गंभीर है. घायल ब्रह्मकुमारी बहनों को स्थानीय पुलिस ने आनन-फानन में टंडवा स्वास्थ्य उपकेंद्र में भर्ती कराया है. इनमें एक को प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया.

असमंजस चतरा संसदीय सीट पर अभी तक भाजपा ने कोई फैसला नहीं लिया

चतरा से भाजपा प्रत्याशी सुनील सिंह या कोई और...

आशीष टैगोर। लातेहार

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची भी जारी कर दी है. इस सूची में कुल 72 नाम हैं. भाजपा द्वारा जारी पहली सूची में 195 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गयी थी. इनमें झारखंड के 11 सीटों के प्रत्याशी भी शामिल थे. लेकिन चतरा संसदीय सीट पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है. अंदरखाने से छन कर आ रही खबरों के अनुसार जिस तरह हजारीबाग व लोहरदगा में सीटिंग एमपी को टिकट नहीं दिया गया है, ऐसा ही कुछ चतरा लोकसभा क्षेत्र में भी देखने को मिल सकता है. सूत्र बताते हैं कि इस बार चतरा से दो बार के सांसद रहे सुनील सिंह का पत्ता कट सकता है.

कई और नेता भी हैं चतरा से टिकट पाने की दौड़ में

चतरा सीट से टिकट की दौड़ में कई नेता हैं, जो अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं. ऐसा नहीं है कि सांसद सुनील सिंह प्रत्याशी की दौड़ में नहीं हैं. लेकिन भाजपा के शीर्ष नेता या संगठन सब कुछ ठोक बजाकर ही प्रत्याशी की घोषणा करना चाहते हैं. यही कारण है कि अभी तक चतरा लोकसभा सीट को लेकर कोई फैसला नहीं आया है. इस बार के चुनाव में भाजपा ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया है. ऐसे में भाजपा नेतृत्व कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है. वैसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारना चाहती है, जिसके जीतने की गारंटी हो.

कई स्तर पर तैयार की गई है ग्राउंड रिपोर्ट

बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव का टिकट देने से पहले भाजपा ने संगठन में ही कई स्तर पर रिपोर्ट कार्ड तैयार कराया है. इसमें आरएसएस का भी फीडबैक शामिल है. इसके अलावा जनता से नाम पर फीडबैक लिया गया है. जनता से सांसद को लेकर सवाल भी पूछे गये हैं. सांसद के दो टर्म के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड खंगाला गया है. सब कुछ ठीक रहने के बाद ही सांसद को फिर से टिकट दिया जा रहा है. सांसद सुनील सिंह इसमें कहां तक खरे उतर पाये हैं, यह तो संगठन ही बता सकता है.

केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में भी हुआ विरोध

चतरा संसदीय क्षेत्र के ईटखोरी में शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया. सम्मेलन के दौरान सांसद सुनील सिंह के विरोध में आवाज उठी. समर्थकों ने कहा कि दूसरे नेताओं ने ऐसा जानबूझ कर उनकी छवि धूमिल करने के लिए करवाया है. सूत्र बताते हैं कि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का यह कार्यक्रम इसीलिए तय किया गया था कि लोगों को यह लगे कि चतरा में सुनील सिंह के लिए सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है.

जेल आईजी ने हजारीबाग केंद्रीय कारा में की जांच

हजारीबाग। झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल शुक्रवार को 11:00 बजे जांच के लिए लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा पहुंचे. 11 बजे से समाचार लिखे जाने तक जांच जारी रही. इस संबंध में अभी जेल आईजी कुछ भी बताने से परहेज करते रहे. सूत्र बताते हैं कि कारा अधीक्षक जितेंद्र सिंह के विरुद्ध उन तक पहुंची कई शिकायतों पर यह जांच चल रही है. जिसमें ऑफिस कार्यालय में बहुत कम समय देना, सरकारी आवास से ही कारा को नियंत्रित करना, टाइम टू टाइम कारा का निरीक्षण करने से परहेज करना, जेल मैनुअल के हिसाब से बंदियों को भोजन उपलब्ध नहीं करना और जेल को मुहैया कराए गए फंड का सही से उपयोग नहीं होना जैसी शिकायतें शामिल हैं.

रेलवे की हड़ताल स्थगित, 20 को रेलकर्मी करेंगे प्रदर्शन

संवाददाता। धनबाद

एक मई से रेलवे में होनेवाली हड़ताल स्थगित कर दी गई. रेलवे सूत्रों के अनुसार सरकार के आश्वासन के बाद रेलवे की हड़ताल टल गई. पुराने पेंशन की मांग को लेकर एक मई से हड़ताल होनेवाली थी. धनबाद में अपनी मांगों को लेकर रेलकर्मी आगामी 20 मार्च को धरना प्रदर्शन करेंगे.

राष्ट्रीय काउंसिल संयुक्त स्टाफ तंत्र की भारत सरकार के वित्त सचिव के साथ बैठक हुई, जिसमें ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन सहित 42 यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल मौजूद थे. पुराने पेंशन लागू करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि सरकार सकारात्मक रवैए से आगे बढ़ रही है. उन्होंने कर्मचारी पक्ष को अपील की कि पुराने पेंशन को लागू करने की मांग को लेकर एक मई को प्रस्तावित रेल हड़ताल के लिए 19 मार्च को महाप्रबंधकों को नोटिस दिए जाने के कार्यक्रम को फिलहाल टाल दिया गया है.

खास बातें

- सरकार के आश्वासन पर रेलवे की हड़ताल टली
- पुराने पेंशन की मांग को लेकर होनी थी हड़ताल

कांग्रेस व वामपंथी दल ठग हैं, केरल को धोखा दिया

केरल में अब 'कमल' खिलने वाला है : पीएम नरेंद्र मोदी

पथानामथिट्टा (केरल)। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल के सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को 'ठग' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में दोनों एक-

दूसरे का विरोधी होने का दिखावा करते हैं, जबकि दिल्ली में गले मिलते हैं. पीएम ने यह भी कहा कि केरल के लोग इनकी सच्चाई समझ गए हैं और भाजपा पिछले चुनाव के दो अंकों के वोट प्रतिशत के मुकाबले आने वाले चुनावों में दो अंकों की सीटों तक पहुंचने से दूर नहीं है. उन्होंने कहा, कांग्रेस और लेफ्ट दोनों ठग हैं. उन्होंने केरल के लोगों को धोखा दिया है. लेकिन अब केरल के लोग, खासकर युवा और महिलाएं, हकीकत समझ रहे हैं. जनसभा में मौजूद लोगों की भीड़ की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा कि पथानामथिट्टा का उत्साह बता रहा है कि इस बार केरल में कमल खिलने वाला है.

जीएसटी के माध्यम से गरीबों को लूटा गया है

छह प्रतिशत लोग देश को नियंत्रित कर रहे हैं : राहुल

पालघर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारत की 88 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदायों से है, लेकिन प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया सहित

विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत कम है. उन्होंने अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सत्ता और संपत्ति को वह लोग नियंत्रित कर रहे हैं जिनकी कुल आबादी छह प्रतिशत है. कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के माध्यम से गरीबों को लूटा गया है. राहुल गांधी ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करते समय उद्योगपति नहीं, बल्कि समाज के गरीब वर्ग प्रभावित होते हैं. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पालघर जिले में मुख्य रूप से आदिवासी इलाकों का दौरा किया, जहां स्थानीय निवासियों ने उनका स्वागत किया.

भाजपा के खातों से लेन-देन पर रोक लगे

चुनावी बॉण्ड योजना मामले की विशेष जांच होनी चाहिए : खड़गे

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़े मामले की विशेष जांच होनी चाहिए और सच सामने आने तक भाजपा के बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई जाए. खड़गे ने कहा कि

प्रधानमंत्री कहते हैं 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा', लेकिन आज उच्चतम न्यायालय ने यह उजागर कर दिया है कि कैसे भाजपा ने चुनावी बॉण्ड से पैसा बनाया है. खड़गे ने कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि आयकर विभाग को ऐसा करने का निर्देश दिया गया था और लगभग 300 करोड़ रुपये 'फ्रीज' कर दिए गए हैं... हम चुनाव में कैसे जा सकते हैं? आप चुनावी बॉण्ड के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस को कार्यकर्ताओं, सांसदों और अन्य लोगों से चंदा मिला. उन्होंने कहा कि हमारा खाता बंद है, उनका खाता खुला है. उन्हें 6,000 करोड़ रुपये मिले, जबकि दूसरों को बहुत कम मिला.

नया कानून आएगा या नहीं, कह नहीं सकते

इलेक्टोरल बॉण्ड परफेक्ट नहीं मगर सिस्टम बेहतर : सीतारमण

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉण्ड्स पर जारी राजनीतिक घमासान के बीच फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉण्ड को लेकर पूरी चर्चा अनुमानों पर आधारित

है. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इससे पहले का सिस्टम फूलप्रूफ था. सीतारमण ने स्वीकार किया कि यह परफेक्ट सिस्टम नहीं है, लेकिन पिछले सिस्टम से बेहतर है. उन्होंने कहा कि हमें इससे सीखने की जरूरत है. इसे लेकर नया कानून आएगा या नहीं, इसे लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है. लेकिन इतना जरूर है कि हम इस सिस्टम को और पारदर्शी बनाने के लिए प्रयास करते रहेंगे. इलेक्टोरल बॉण्ड व्यवस्था पुराने सिस्टम से अलग था. इसमें इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए बैंक अकाउंट्स में पैसा आता था. पहले का सिस्टम परफेक्ट नहीं था लेकिन अब हम ऐसे सिस्टम में पहुंचे हैं जो 100 परसेंट परफेक्ट नहीं है.

ब्रीफ खबरें

रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया राजस्व अधिकारी

ठाणे। नवी मुंबई में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक शिकायतकर्ता को भू-अभिलेख से संबंधित जानकारी देने के लिए उससे रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक राजस्व अधिकारी को गिरफ्तार किया है. एसीबी की नवी मुंबई इकाई के पुलिस उपाधीक्षक शिवराज म्हेत्रे ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 48 वर्षीय आरोपी किरण अर्जुन गोरे पनवेल तहसील कार्यालय में राजस्व सहायक के रूप में काम करता है.

येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज

बेंगलुरु । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामला दर्ज किया गया है. पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि येदियुरप्पा ने दो फरवरी को एक बैठक के दौरान उसकी बेटी का यौन शोषण किया था. येदियुरप्पा ने आरोप लगाया कि पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने के बाद महिला ने इस मामले को अलग रंग दे दिया.

पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल. रामदास का निधन

हैदराबाद । भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) एल.रामदास का शुक्रवार को यहां एक सैन्य अस्पताल में निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. रक्षा सूत्रों ने रामदास के निधन की जानकारी दी. रामदास ने दिसंबर 1990 से सितंबर 1993 तक नौसेना प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दी थीं. सूत्रों ने बताया कि रामदास का बढ़ती उम्र संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया.

विधायक का भाई अवैध खनन मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद । भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक विधायक के भाई को कथित अवैध खनन के मामले में गिरफ्तार किया गया है. संगारेड्डी जिला पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने कहा कि पाटनचेरु विधानसभा सीट से विधायक जी. महिपाल रेड्डी के भाई जी. मधुसूदन रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है. उनके स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा जिले में कथित अवैध और अत्यधिक खनन किए जाने के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था.

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुआ मंत्रिमंडल का विस्तार

जदयू के नौ और भाजपा के 12 विधायक बने मंत्री, ली शपथ

संवाददाता। पटना

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार हो गया है. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) के नौ विधायकों के अलावा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 विधायकों को भी शामिल किया गया है. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है. जिसमें छह सवर्ण, छह दलित, चार अति पिछड़ा, चार पिछड़ा, एक मुस्लिम शामिल हैं. ज्ञात हो कि 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़कर इस्तीफा दे दिया था और उसी दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली थी. इस दौरान उनके भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी. इसके अलावा, भाजपा कोटे से एक और जनता दल यूनाइटेड के तीन और जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के एक मंत्री और इकलौते निर्दलीय विधायक ने मंत्री पद ने शपथ ली थी. मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में काफी समय से अटकले लगाई जा रही थीं

राज्यपाल ने इन 21 मंत्रियों को दिलाई शपथ

1. **रेणु देवी:** सबसे पहले रेणु देवी (नोनिया) ने शपथ ली जो अति पिछड़ा वर्ग से आती हैं. वह पिछली बार गठबंधन सरकार में डिप्टी सीएम रही थीं. इसके अलावा वह राज्य में कैबिनेट मंत्री रह चुकी हैं. वह राज्य में भाजपा का बड़ा चेहरा मानी जाती हैं. भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं. बेतिया निर्वाचन क्षेत्र से चार बार की विधायक हैं.
2. **मंगल पांडे:** मंगल पांडे भाजपा का बड़ा सवर्ण चेहरा माने जाते हैं. वह 3 बार एमएलसी रह चुके हैं. बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके मंगल पांडे बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं. वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहने के अलावा 2017 में हिमाचल प्रदेश के पूर्व चुनाव प्रभारी भी रह चुके हैं. इसके अलावा वह बंगाल भाजपा के प्रभारी भी रह चुके हैं. बिहार में उनकी गिनती भाजपा के बड़े और तेज-तर्रार नेताओं में होती हैं.
3. **नीरज कुमार सिंह:** नीरज कुमार सिंह बिहार के छातापुर से भाजपा के विधायक हैं. 2021 में वह पर्यावरण और वन मंत्री रह चुके हैं और बिहार के बड़े राजपूत नेता माने जाते हैं. नीरज कुमार सिंह 5 बार के विधायक हैं. 2015 तक वह जेडीयू में थे.
4. **अशोक चौधरी:** जेडीयू नेता अशोक चौधरी महादलित समुदाय से आते हैं. पहले कांग्रेस में थे और अभी जेडीयू में हैं. अशोक चौधरी चार साल से भी ज्यादा समय तक बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे हैं और 2018 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी.. वह जेडीयू का चुनावी मैनेजमेंट संभालते हैं. वह पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के बेटे हैं.
5. **लेसी सिंह:** लेसी सिंह की गिनती जेडीयू के बड़े नेताओं में होती है. वह धमदाहा से विधायक हैं और पिछली बार नीतीश सरकार में खाद्य और उपभोक्ता मामले विभाग की मंत्री रही हैं. उनके पति बूटन सिंह की सन 2000 में हत्या हो गई थी. पति की हत्या के बाद वह राजनीति में आईं.
6. **मदन सहनी:** लेसी सिंह के बाद जेडीयू नेता मदन सहनी ने मंत्री पद की शपथ ली. वह बिहार सरकार में समाज कल्याण विभाग के मंत्री रह चुके हैं. वह बहादुरपुर से जेडीयू के विधायक हैं.पिछली बार उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री बनाया गया.
7. **नीतीश मिश्रा:** भाजपा नेता नीतीश मिश्रा मधुबनी जिले के झंझारपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. उनकी गिनती भाजपा के अहम सवर्ण चेहरों में होती हैं और वह भाजपा-बिहार के उपाध्यक्ष भी हैं. 2015 में वह कैबिनेट मंत्री रहे थे.
8. **नितीन नबीन:** नितीन नबीन भाजपा का सवर्ण चेहरा हैं. वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं. वह बांकीपुर से 4 बार विधायक हैं रहे हैं. वह छत्तीसगढ़ भाजपा के सह प्रभारी भी हैं.
9. **डॉ. दिलीप जायसवाल:** भाजपा का पिछड़ा (वैश्य) चेहरा दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद की शपथ ली है. वह बिहार विधान परिषद में भाजपा के उप मुख्य सचेतक रहे हैं.उन्होंने 2014 का लोकसभा चुनाव किशनगंज से लड़ा था.
10. **महेश्वर हजारी:** जेडीयू नेता महेश्वर हजारी विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रह चुके हैं. इसके अलावा वह राज्य सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं.
11. **शीला कुमारी:** जेडीयू नेता शीला कुमारी मंडल बिहार राज्य के मधुबनी जिले के फुलपरास विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं.वह राज्य सरकार में परिवहन और संचार मंत्री रह चुकी हैं.
12. **सुनील कुमार:** भोरे से विधायक चुने गए सुनील कुमार पहली बार एनडीए के सरकार में बने थे मद्य निषेध मंत्री बने थे.सुनील कुमार एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी भी रहे हैं.
13. **जनक राम:** बिहार के गोपालगंज के पूर्व सांसद और बिहार के पूर्व भूतत्व व खनन मंत्री जनक राम भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भी हैं. वर्तमान में बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं.
14. **हरि सहनी:** भाजपा नेता हरि सहनी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं. वह पूर्व में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं.
15. **कृष्णनंदन पासवान:** भाजपा का दलित चेहरा (पासवान) माने जाने वाले कृष्णनंदन पासवान हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. वह पूर्व में भी राज्य सरकार में मंत्री रह चुके हैं.
16. **जयंत राज:** जेडीयू नेता जयंत राज (कुशवाहा) पिछड़ा समाज से आते हैं. राज्य के अमरपुर से विधायक रहे जयंत राज्य बिहार सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री रहे हैं.
17. **मोहम्मद जमा खान:** जेडीयू नेता मोहम्मद जमा खान (पठान) नीतीश सरकार में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रह चुके हैं. वह चैनपुर सीट से विधायक हैं और जेडीयू का प्रमुख मुस्लिम चेहरा माने जाते हैं.
18. **रत्नेश सदा:** जेडीयू नेता रत्नेश पार्टी के अहम दलित (मुसहर) चेहरा हैं. सहरसा के सोनबरसा सीट से तीन बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचने वाले रत्नेश सदा पहले भी मंत्री रह चुके हैं.
19. **केदार प्रसाद गुप्ता:** भाजपा का पिछड़ा चेहरा (वैश्य) केदार प्रसाद गुप्ता कुढ़नी विधानसभा से विधायक हैं. 2022 उप चुनाव में उन्होंने शानदार जीत हासिल की थी.
20. **सुरेन्द्र मेहता:** सुरेंद्र मेहता बछवाड़ा विधानसभा से भाजपा के विधायक हैं. वह पहली बार मंत्री बने हैं.
21. **संतोष सिंह:** रोहतास-कैमूर विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह भाजपा के नेता हैं.

बिहार में राज्यकर्मियों का डीए चार फीसदी बढ़ा

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम कैबिनेट की बैठक में कुल 108 एजेंडों पर मुहर लगी. नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्यकर्मियों का डीए चार फीसदी बढ़ा दिया है. लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अहम बैठक हुई. मीटिंग में 108 एजेंडों पर मुहर लगी है. कैबिनेट की बैठक में बिहार सरकार के कर्मचारियों और सरकारी पेंशन भोगियों को बढ़ती महंगाई से राहत देते हुए 4 प्रतिशत डीए में इजाफा किए जाने का फैसला लिया गया. बिहार में साढ़े तीन लाख सरकारी सेवक और इतने ही पेंशनधारी है. इस बढ़ोतरी के साथ ही डीए 46 से बढ़कर 50 फीसदी हो गया है.

अमिताभ बच्चन मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को शुक्रवार की सुबह मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन की एंजियोप्लास्टी की गई है. हालांकि, उनकी ये एंजियोप्लास्टी किसी दिल की बीमारी के कारण नहीं बल्कि पैर में थक्के की वजह से हुई है. बीती शाम उन्हें एक कार्यक्रम में जाने के बाद परेशानी हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाने का फैसला किया किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर लिया और एंजियोप्लास्टी की गई. फिलहाल अमिताभ अभी अस्पताल में हीं है, उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया गया है.

'बिग बी' ने फैंस के प्रति जताया आभार

इस बीच 'बिग बी' ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने 'आपका हमेशा आभारा' लिखा है. इससे माना जा रहा है कि उन्होंने सर्जरी होने के बाद इस पोस्ट के जरिए अपने फैंस प्रति आभार जताया है.

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से किया इनकार

भाषा। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2023 के उस कानून के तहत नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें प्रधान न्यायाधीश को चयन समिति से बाहर रखा गया है. याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों के चयन के लिए बैठक पहले से प्रस्तावित थी. इस पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से इस तथ्य का उल्लेख करते हुए अलग से एक याचिका दायर करने को

कहा. पीठ ने 2023 के कानून के अनुसार की गयी नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा, सामान्यतः और आम तौर पर, हम अंतरिम आदेश के जरिए किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं. उसने 2023 के कानून के तहत दो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी.

चीन में कोयला खदान में दुर्घटना घटी, सभी सात श्रमिकों की मौत

बीजिंग । उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान के भूमिगत गोदाम में सोमवार से फंसे सभी सात श्रमिकों की मौत हो गई है. स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की. कोयला खदान के मालिक गाओ नाइचुन ने बताया कि सोमवार आधी रात को जब श्रमिक एक कोयला फीडर की मरम्मत कर रहे थे तभी गोदाम में कोयले का ढेर ढह गया, जिसमें सात लोग दब गए. काउंटी प्रशासन के अनुसार, झोंगयांग काउंटी में स्थित ताओयुआन शिनलोंग कोयला औद्योगिक निगम की कोयला खदान में बचाव अभियान के दौरान आखिरी शव शुक्रवार को बरामद किया गया.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हालत स्थिर, लगे टांके

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति स्थिर है. राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बता दें कि ममता बनर्जी (69) गुरुवार शाम को कालीघाट स्थित अपने आवास में गिर गई थी जिसके कारण उनके माथे और नाक पर गंभीर चोट लगी थी. इसके बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कुछ टांके लगाए गए और उनकी चिकित्सकीय जांच की गई. बाद में चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी. अधिकारी ने बताया कि बनर्जी को रात में अच्छी नींद आई. उन्होंने शुक्रवार सुबह पीटीआई से कहा, मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य स्थिर है. उन्हें रात में अच्छी नींद आई और वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस दौरान उनकी स्थिति पर नजर रखी.

भारत भूटान के साथ साझेदारी को बहुत महत्व देता है: राष्ट्रपति

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है और बौद्ध धर्म की आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है. राष्ट्रपति ने कहा कि भूटान एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में भारत पर भरोसा कर सकता है. भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की. मुर्मू ने टोबगे का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ और अद्वितीय संबंध हैं, जो सभी स्तरों पर आपसी विश्वास, सद्भावना और समझ पर आधारित हैं. उन्होंने इस बात की सराहना की कि

टोबगे ने भूटान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना. मुर्मू ने कहा कि बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है. मुर्मू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है, जो ऊर्जा सहयोग, विकास साझेदारी, लोगों के बीच आपसी संबंध और व्यापार एवं निवेश संबंधों जैसे क्षेत्रों में फैली है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

रजनीश प्रसाद। रांची

भूगोल में पूरे सौरमंडल के बारे में पढ़ाया जाता है. इसमें पृथ्वी और इसकी विभिन्न घटनाओं, विशेषताओं और निवासियों का भी अध्ययन होता है. इसमें ग्रह पर विभिन्न वनस्पतियों और वृक्षारोपण के साथ-साथ जलवायु और मिट्टी का गहन अध्ययन किया जाता है. मानचित्र प्रक्षेपण, आर्थिक भूगोल, मानव भूगोल, भौतिकी, भूगोल आदि विषयों के बारे में भी इस कोर्स में पढ़ाया जाता है. बीए भूगोल में आपको ग्रह की विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं के बारे में जानने को मिलेगा. इसी के साथ आपके एनालिटिकल स्किल्स में भी विकास होगा. इस कोर्स को करने के बाद उम्मीदवार विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्रों में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में ऐसे कई विषय शामिल हैं, जो आपको अन्य सरकारी परीक्षाओं में भी मदद करेंगे. बीए भूगोल के छात्र सिविल सेवा परीक्षाओं में भी शामिल हो सकते हैं.

भूगोल विषय से स्नातक करने के बाद बेहतर है कॅरियर का स्कोप

भारत में टॉप बीए भूगोल कॉलेज

- मिरांडा हाउस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- पटना महिला कॉलेज, पटना
- शिवाजी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- वेंकटेश्वर ओपन यूनिवर्सिटी
- सीतलकुची कॉलेज, कूच बिहार
- बेल्दा कॉलेज, मिदनापुर

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी

कॅरियर स्कोप

- अर्बन एंड रूरल प्लानिंग
- कार्टोग्राफी
- क्लाइमेट एनालिसिस
- पॉपुलेशन एनालिसिस
- एनवायर्नमेंटल साइंस
- नेचर कंजर्वेशन सैंक्चुअरी
- ट्रेवल एंड टूरिज्म
- एजुकेशन
- एनवायर्नमेंटल लॉ

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)